नई दिल्ली । रविवार, 03 मई, 2026
ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष द्वितीया, सिद्धार्थि संवत्सर विक्रम संवत 2083
वर्ष :12, अंक :117 / मूल्य 3.00 रुपए । पृष्ठ 12

दैनिक
विश्व केसरी
नई दिल्ली संस्करण
सिर्फ पत्रकारिता...
vishwakesari.com
@vishwakesariTV
@vishwakesari
vishwakesari_news
आर. एन. आई. संख्या डीईएलएच आईएन/2015/61415

@ खेल फॉर्मूला 1 : मैकलारेन के लैंडो नॉरिस का शानदार...
@ साहित्य केसरी मुट्ठी बंद ख्वाहिशें...
@ व्यापार कमजोर वैश्विक संकेतों के बावजूद भारीतय...

बंगाल के 15 बूथों पर शांतिपूर्ण पुनर्मतदान, 86.90% वोटिंग

एजेंसी ■ कोलकाता

पश्चिम बंगाल के दक्षिण 24 परगना जिले की दो विधानसभा सीटों के 15 मतदान केंद्रों पर शनिवार सुबह 7 बजे शुरू हुआ पुनर्मतदान शाम 6 बजे शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो गया। केंद्रीय बलों की कड़ी सुरक्षा व्यवस्था और राज्य पुलिस की सहायता के बीच कहीं से भी तनाव, हिंसा या मतदान में बाधा की कोई शिकायत सामने नहीं आई।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ), पश्चिम बंगाल के कार्यालय के अनुसार, शाम 5 बजे तक 15 बूथों पर औसत मतदान प्रतिशत 86.90 दर्ज किया गया।

मगराहाट (पश्चिम) विधानसभा क्षेत्र के 11 मतदान केंद्रों पर मतदान प्रतिशत 86.11 रहा, जबकि डायमंड हार्बर विधानसभा क्षेत्र के 4 बूथों पर यह आंकड़ा 87.60 प्रतिशत दर्ज किया गया।

अंतिम मतदान प्रतिशत का आधिकारिक आंकड़ा शनिवार देर रात या रविवार सुबह जारी किया जा सकता है। हालांकि, सीईओ कार्यालय के सूत्रों का कहना है कि पुनर्मतदान वाले इन 15 बूथों पर अंतिम मतदान प्रतिशत 90 फीसदी से अधिक रहने की संभावना है, जो पुनर्मतदान के लिहाज से काफी ज्यादा माना जा रहा है।

शनिवार को मगराहाट (पश्चिम) के बूथ संख्या 46, 126, 127, 128, 142, 214, 215, 216, 230, 231 और 232 पर पुनर्मतदान हुआ। वहीं डायमंड हार्बर सीट के बूथ संख्या 117, 179, 194 और 243 पर भी दोबारा मतदान कराया गया। इस बार पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के दो चरणों में 23 अप्रैल और 29 अप्रैल को रिकॉर्ड मतदान हुआ था।

छत्तीसगढ़ में आईईडी ब्लास्ट

कांकेर-नारायणपुर बॉर्डर पर माइनिंग हटाते समय हादसा में 4 जवान शहीद

विशेष संवाददाता ■ जगदलपुर

छत्तीसगढ़ के कांकेर-नारायणपुर बॉर्डर पर शनिवार को आईईडी ब्लास्ट में 4 जवान शहीद हो गए। फोर्स शनिवार सुबह कोरोसकोडा के जंगल में सर्च ऑपरेशन पर निकली थी। इसी दौरान नक्सलियों की बिछाई गई आईईडी को डिफ्यूज करते समय अचानक जोरदार धमाका हुआ। मामला छोटेबेठिया थाना क्षेत्र का है। बताया जा रहा है कि धमाका इतना तेज था कि मौके पर मौजूद जवानों को संभलने का मौका तक नहीं मिला। हादसे में घायल जवानों का तुरंत रेस्क्यू किया गया, लेकिन गंभीर चोटों के कारण 3 जवानों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। घायल जवान परमानंद कोर्राम को बेहतर इलाज के लिए रायपुर एयरलिफ्ट गया था, जहां इलाज के दौरान उसने भी दम तोड़ दिया।

इस घटना पर पूर्व सीएम भूपेश बघेल ने

साल 2026 में अब तक 300 IED रिकवर किया जा चुका है, लेकिन आज अचानक IED ब्लास्ट हो गया, इस घटना में हमने 4 साथियों को खो दिया है।

सुंदरराज पी.
IG, बस्तर रेंज

बस्तर आईजी बोले- सूचना के आधार पर चल रहा था अभियान

बस्तर रेंज के आईजी सुंदरराज पी. ने घटना की पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि, सर्च के दौरान सुरक्षाबलों को एक नक्सली डंप भी मिला है। सरेंडर कर चुके नक्सलियों से मिले इनपुट के आधार पर पिछले कुछ महीनों से लगातार आईईडी बरामदगी का अभियान चलाया जा रहा है। आज का अभियान भी उसी का हिस्सा था। इस दौरान हादसा हुआ। बस्तर में नक्सल आतंक का चेहरा रहा पापाराव अब सरेंडर कर चुका है। बस्तर में नक्सल आतंक का चेहरा रहा पापाराव अब सरेंडर कर चुका है। सरेंडर के बाद दैनिक भास्कर से बातचीत में उसने माना कि रास्ता गलत था। पापाराव ने कहा कि, जिन परिवारों ने अपनों को खोया, उनसे माफी मांगना चाहता हूं।

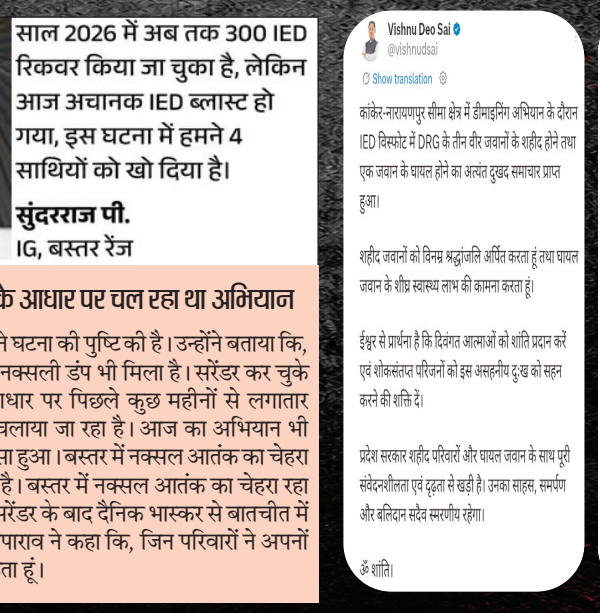

फिलीपींस: मायोन ज्वालामुखी में विस्फोट

तेज़ रफ्तार पायरोक्लास्टिक प्रवाह निकला

एजेंसी ■ लेगाज़पी सिटी

शनिवार देर दोपहर मायोन ज्वालामुखी में विस्फोट हुआ, जिससे तेज़ गति वाला पायरोक्लास्टिक प्रवाह और घने राख के गुबार निकले। इस घटना से यातायात प्रभावित हुआ और अधिकारियों ने चेतावनी जारी की।

इस घटना में पायरोक्लास्टिक डेंसिटी करंट शामिल था, जिसे स्थानीय रूप से 'उसोन' कहा जाता है, जो ज्वालामुखी की ढलानों से नीचे की ओर तेजी से बहा।

कैमरे में कैद फुटेज में शाम 5:38 बजे मायोन ज्वालामुखी की दक्षिण-पश्चिमी ढलानों पर लावा प्रवाह के ढहने से उत्पन्न पायरोक्लास्टिक डेंसिटी करंट देखा गया। यह दृश्य फिलीपीन इंस्टीट्यूट ऑफ वोल्केनोलॉजी एंड सीस्मोलॉजी द्वारा रिकॉर्ड किया गया।

अधिकारियों के अनुसार, यह प्रवाह ज्वालामुखी के दक्षिण-

दक्षिणपश्चिमी हिस्से में स्थित मी-इसी गली से नीचे उतरा, जो विस्फोट के दौरान ज्वालामुखीय खतरों के लिए संवेदनशील क्षेत्र माना जाता है।

घना धूसर धुआं आसमान में फैल गया, जिससे दृश्यता कम हो गई और कैमालिग बायपास रोड पर कुछ वाहनों को अस्थायी रूप से रुकना पड़ा। स्थानीय निवासियों द्वारा रिकॉर्ड किए गए वीडियो में कैमालिग के कई हिस्सों में भारी राख गिरती दिखाई दी, जिससे दृश्यता घट गई और ज्वालामुखीय मलबा गिरने लगा।

अधिकारियों ने चेतावनी दी कि पायरोक्लास्टिक प्रवाह—जो गर्म गैस, राख और ज्वालामुखीय पदार्थों का मिश्रण होता है—तेजी से आगे बढ़ता है और ज्वालामुखी के आसपास रहने वाले लोगों के लिए जानलेवा साबित हो सकता है।

देश के सबसे सक्रिय ज्वालामुखियों में से एक मायोन पर लगातार निगरानी रखी जा रही है। अधिकारी विस्फोट के प्रभाव और आगे की संभावित गतिविधियों का आकलन कर रहे हैं। आसपास के क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को अतिरिक्त राख गिरने और स्थिति बिगड़ने पर संभावित निकासी के लिए सतर्क रहने की सलाह दी गई है।

दिल्ली में युवा न्यायाधीश अमन कुमार शर्मा ने की आत्महत्या

एजेंसी ■ नई दिल्ली

पुलिस के अनुसार, दिल्ली न्यायिक सेवा के एक युवा अधिकारी की शनिवार को सफदरजंग इलाके में कथित तौर पर आत्महत्या से मौत हो गई।

प्रारंभिक रिपोर्ट के मुताबिक, 35 वर्षीय अमन कुमार शर्मा ने अपने घर के बाथरूम में फांसी लगाकर जान दे दी। सफदरजंग एन्क्लेव थाने के अधिकारियों ने बताया कि शनिवार दोपहर पीसीआर कॉल मिलने के बाद वे शर्मा के घर पहुंचे।

एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा, 'अब तक किसी प्रकार की साजिश या आपराधिक पहलू सामने नहीं आया है। हालांकि, पंचनामा कार्यवाही के तहत सभी पहलुओं की जांच की जा रही है।' उन्होंने बताया कि शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है और आगे की जांच जारी है।

18 अक्टूबर 2025 से शर्मा उत्तर-पूर्वी दिल्ली के कड़कड़डूमा कोर्ट में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (डीएलएसए) के

पूर्णकालिक सचिव के रूप में कार्यरत थे। आधिकारिक अभिलेखों के अनुसार, दिवंगत ने वर्ष 2018 में पुणे के सिम्बायोसिस लॉ स्कूल से बीए एलएलबी की डिग्री प्राप्त करने के बाद 19 जून 2021 को दिल्ली न्यायिक सेवा जॉइन की थी। अपने कार्यकाल के दौरान उन्होंने विभिन्न आपराधिक और दीवानी मामलों की सुनवाई की और न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी तथा सिविल जज के रूप में अलग-अलग क्षेत्रों में सेवाएं दीं। पुलिस अब कथित आत्महत्या के कारणों और परिस्थितियों की जांच कर रही है।

ममता का कार्यकर्ताओ को आदेश: मतगणना केंद्रों की नियमित जानकारी दें, अंत तक डटे रहें

एजेंसी ■ कोलकाता

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी ने शनिवार (2 मई, 2026) को पार्टी के मतगणना एजेंटों के साथ हुई बैठक में कहा कि पार्टी 294 विधानसभा सीटों में से 200 से अधिक सीटें जीतेगी। यह दावा वोटों की गिनती से दो दिन पहले किया गया है।दोनों नेताओं ने 291 विधानसभा सीटों के मतगणना एजेंटों के साथ वर्चुअल बैठक की। उन्होंने एजेंटों से कहा कि वे मतगणना केंद्रों की स्थिति की नियमित जानकारी नेतृत्व को देते रहें और पूरी प्रक्रिया समाप्त होने तक वहीं मौजूद रहें।तृणमूल कांग्रेस के अंदरूनी सूत्रों के अनुसार, ममता और अभिषेक ने बैठक में पार्टी कार्यकर्ताओं से कहा कि शेयर बाजार को बढ़ावा देने के लिए एग्जिट पोल में भारतीय जनता पार्टी को आगे रखा गया है।

संक्षिप्त खबर

दिल्ली में मजदूरों को दोपहर में 3 घंटे मिलेगी छुट्टी

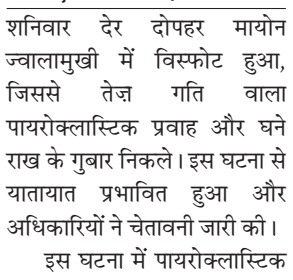

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने भीषण गर्मी और लू से बचाव के लिए लगातार उपाय करने के निर्देश अधिकारियों को जारी कर रही हैं। इसके साथ ही खुद भी इस पर ध्यान दे रही हैं। इसी कड़ी में मुख्यमंत्री ने मजदूरों को दोपहर में 3 घंटे की छुट्टी देने की घोषणा की है।

मुख्यमंत्री ने एक्स पोस्ट पर एक वीडियो साझा करते हुए लिखा, 'हीट वेव (लू) का असर सभी लोगों पर पड़ता है, लेकिन सबसे ज्यादा दिक्कत उन मजदूरों और श्रमिकों को होती है जो तेज धूप में काम करते हैं। सरकार के निर्देशानुसार, दोपहर 1 बजे से 4 बजे तक सभी मजदूरों को आराम दिया जाना जरूरी है, चाहे वे प्राइवेट में काम कर रहे हों या सरकारी काम में।

मुख्यमंत्री ने आगे कहा, 'डीटीसी की बसों में यात्रियों के लिए पीने के पानी की व्यवस्था की गई है।

स्वदेशी सेल ब्रॉडकास्ट सिस्टम का परीक्षण

लोगो के फोन पर 'अत्यंत गंभीर चेतावनी' का संदेश आया

एजेंसी ■ नई दिल्ली

भारत ने एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। शनिवार को देशव्यापी मोबाइल-आधारित आपदा संचार प्रणालियों का शुभारंभ किया गया। इस दौरान, शनिवार लोगों को मोबाइल फोन पर 'अत्यंत गंभीर चेतावनी' का संदेश आया।

दरअसल, स्वदेशी सेल ब्रॉडकास्ट सिस्टम का देशव्यापी परीक्षण चल रहा है, ताकि आपदा चेतावनियों का त्वरित प्रसार सुनिश्चित हो। इसी क्रम में सरकार ने शनिवार को परीक्षण अलर्ट भेजा।

लोगों को यह अलर्ट हिंदी और अंग्रेजी में एक साथ भेजा गया, जिसमें लिखा, 'भारत ने स्वदेशी तकनीक का उपयोग करते हुए सेल ब्रॉडकास्ट सेवा शुरू की है, जिससे नागरिकों को आपदा की तत्काल सूचना मिल सकेगी। सतर्क नागरिक, सुरक्षित राष्ट्र। इस संदेश को प्राप्त करने पर जनता को कोई कार्रवाई करने की आवश्यकता नहीं है। यह एक परीक्षण संदेश है।'

मोबाइल-आधारित आपदा संचार प्रणाली संचार मंत्रालय के दूरसंचार विभाग की ओर से भारत सरकार के राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) के सहयोग से विकसित की गई है, ताकि नागरिकों तक महत्वपूर्ण जानकारी का समय पर प्रसार सुनिश्चित हो। संचार मंत्रालय के अनुसार, यह प्रणाली अंतरराष्ट्रीय दूरसंचार संघ की ओर से अनुशंसित कॉमन अलर्टिंग प्रोटोकॉल (सीएपी) पर आधारित है। यह वर्तमान में भारत के सभी 36 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में चालू है व भौगोलिक रूप से लक्षित क्षेत्रों में मोबाइल उपयोगकर्ताओं को एसएमएस के माध्यम से आपदा और आपातकालीन अलर्ट प्रदान करती है। इस प्रणाली का उपयोग आपदा प्रबंधन प्राधिकारियों की ओर से व्यापक रूप से किया गया है, जिससे प्राकृतिक आपदाओं, मौसम चेतावनियों और चक्रवाती घटनाओं के दौरान अब तक 19 से अधिक भारतीय भाषाओं में 134 अरब से अधिक एसएमएस अलर्ट प्रसारित किए गए हैं।

सुनामी, भूकंप, बिजली गिरने और गैस रिसाव या रासायनिक खतरे जैसी मानव-निर्मित आपात स्थितियों जैसे समय-संवेदनशील परिस्थितियों में अलर्ट प्रसार को और मजबूत करने के लिए, एसएमएस के साथ-साथ सेल ब्रॉडकास्ट (सीबी) प्रौद्योगिकी को पेश किया गया है।

सेल ब्रॉडकास्ट सिस्टम में अलर्ट एक निर्धारित भौगोलिक क्षेत्र में सभी मोबाइल उपकरणों को एक साथ प्रसारित किए जाते हैं, जिससे अलर्ट का लगभग वास्तविक समय में वितरण सुनिश्चित होता है। दूरसंचार विभाग के प्रमुख अनुसंधान और विकास केंद्र सेंटर फॉर डेवलपमेंट ऑफ टेलीमेटिक्स (सी-डॉट) को इस स्वदेशी सेल ब्रॉडकास्ट-आधारित सार्वजनिक आपातकालीन अलर्ट सिस्टम के विकास और कार्यान्वयन का दायित्व सौंपा गया है।

अमेरिका की हर गलत हरकत का कड़ा जवाब देंगे : ईरान

एजेंसी ■ तेहरान

ईरान के सीनियर मिलिट्री अधिकारी मोहम्मद जाफर असदी ने आशंका जताई है कि अमेरिका के साथ फिर से युद्ध शुरू हो सकता है। ईरान की फॉर्स न्यूज एजेंसी ने इस बारे में जानकारी दी है।

उन्होंने कहा कि ईरान की सेना पूरी तरह तैयार है और अगर अमेरिका कोई गलत कदम उठाता है, तो जवाब दिया जाएगा। उन्होंने आरोप लगाया कि अमेरिका किसी भी समझौते या वादे का पालन नहीं करता।

असदी ने कहा कि अमेरिकी अधिकारियों के बयान और कदम ज्यादातर दिखावटी और मीडिया के लिए होते हैं। उनका मकसद पहले तेल की कीमतों को गिरने से रोकना और दूसरा अपनी बनाई हुई मुश्किल स्थिति से बाहर निकलना है।

वहीं, अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने कहा कि वे ईरान को किसी भी हालत में परमाणु हथियार हासिल नहीं करने देंगे, क्योंकि यह पूरी दुनिया की सुरक्षा के लिए एक बड़ा खतरा है। इसी वजह से अमेरिका को ईरान के खिलाफ जंग में उतरना पड़ा।

संसदीय मंजूरी की जरूरत नहीं: ट्रम्प ने ईरान के खिलाफ संभावित सैन्य कार्रवाई को लेकर कहा है कि उन्हें इसके लिए संसद से इजाजत लेने की जरूरत नहीं है। जो लोग इसकी मांग कर रहे हैं, वे देशभक्त नहीं हैं।

ईरान जंग खत्म होने का दावा: व्हाइट हाउस ने संसद को आधिकारिक तौर पर बताया कि ईरान युद्ध अब खत्म हो चुका है। उस इलाके में अभी भी अमेरिकी सेना मौजूद है, इससे फर्क नहीं पड़ता।

अमेरिका की चेतावनी: अमेरिका ने कहा कि जो कंपनियां ईरान को होर्मुज से गुजरने के लिए पैसा देती हैं, उन पर अमेरिका पाबंदी लगा सकता है, भले ही वो पैसा चैरिटी के नाम पर ही क्यों न दिया जाए। जहाजों का ट्रैफिक 90% घटा: होर्मुज में जहाजों की आवाजाही लगभग बंद हो गई है। पहले जहां हर दिन करीब 130 जहाज गुजरते थे, अब सिर्फ 10 से भी कम जहाज जा रहे हैं।

ट्रम्प को हमले की ब्रीफिंग: अमेरिका की सेंट्रल कमांड के कमांडर ने राष्ट्रपति ट्रम्प को ईरान के खिलाफ संभावित हमला करने के विकल्पों की जानकारी दी।

यूपी के बांदा में स्कूली बच्चों से जबरन कराया गया काम, रेत ढुलाई के वायरल वीडियो से भड़का गुस्सा

बांदा। उत्तर प्रदेश के बांदा जिले से एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है, जहां एक जूनियर हाई स्कूल में पढ़ने वाले बच्चों को मजदूरी करने के लिए मजबूर किया गया। सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हुआ है, जिसमें स्कूल यूनिफॉर्म पहने छात्र रेत ढोते हुए नजर आ रहे हैं। इस घटना ने शिक्षा विभाग की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

यह घटना बांदा जिले की अछरौंद ग्राम पंचायत की बताई जा रही है। वायरल वीडियो में कई बच्चे फावड़े और बर्तनों की मदद से रेत भरते नजर आ रहे हैं। यह काम बच्चों के लिए न तो उचित है और न ही कानून के अनुसार सही माना जाता है। आरोप है कि यह काम उनसे स्कूल प्रशासन की ओर से कराया गया, जिसमें कुछ शिक्षकों की भूमिका भी बताई जा रही है।

यह वीडियो महेंद्र नाम के व्यक्ति ने बनाया है। उसका कहना है कि उसके बच्चे रियांश और रियांशी उसी जूनियर हाई स्कूल में पढ़ते हैं। उसने आरोप लगाया कि स्कूल में बच्चों से जबरन काम कराया जाता है और उनके साथ भेदभाव भी किया जाता है।

महेंद्र ने कहा, 'मेरे बच्चे स्कूल पढ़ने जाते हैं, लेकिन वहां उनसे काम कराया जा रहा है। मैं सरकार और प्रशासन से निवेदन करता हूं कि इस मामले की जांच की जाए और जो लोग इसके लिए जिम्मेदार हैं, उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए।'

इस घटना के बाद स्थानीय लोगों और सोशल मीडिया पर काफी गुस्सा देखने को मिल रहा है। कई लोग इस मामले में शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। स्कूल के अंदर या बाहर बच्चों से जबरन काम कराना न केवल गलत है, बल्कि कानून के अनुसार यह एक अपराध भी है।

इन आरोपों पर जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अव्यक्त राम तिवारी ने कहा कि शुक्रवार को सभी स्कूल बंद थे। उन्होंने यह भी कहा कि वायरल वीडियो अभी तक उनके ध्यान में नहीं आया है। अगर ऐसा कोई वीडियो सामने आता है तो मामले की जांच कराई जाएगी और आगे कार्रवाई की जाएगी।

हालांकि 6 से 12 वर्ष की आयु के बच्चों से काम करवाना कानून के अनुसार एक अपराध है। फिर भी आरोप है कि कुछ स्कूलों में शिक्षकों द्वारा ही बच्चों से काम कराया जा रहा है।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने संभल में सार्वजनिक जमीन पर नमाज की अनुमति से किया इनकार

नई दिल्ली। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने शनिवार को उत्तर प्रदेश के संभल जिले में एक सार्वजनिक जमीन पर नमाज पढ़ने की अनुमति देने से इनकार कर दिया। कोर्ट ने कहा कि धार्मिक आजादी के नाम पर इस पर कब्जे की इजाजत नहीं दी जा सकती है।

जस्टिस सरल श्रीवास्तव और जस्टिस गरिमा प्रसाद की डिवीजन बेंच ने यह आदेश असीन नाम के एक व्यक्ति की रिट याचिका को खारिज करते हुए दिया। असीन ने दावा किया था कि अधिकारी इकोना गांव में जमीन के एक टुकड़े पर नमाज अदा करने से रोक रहे हैं। याचिकाकर्ता ने 16 जून 2023 की एक रजिस्टर्ड 'गिफ्ट डीड' (दान पत्र) के आधार पर जमीन पर अपना मालिकाना हक जताया। असीन ने तर्क दिया कि उसे और अन्य नमाजियों को परिसर में नमाज अदा करने से गैर-कानूनी रूप से रोका जा रहा है।

उसने आगे आरोप लगाया कि यह रुकावट मनमानी थी और कुछ सामाजिक तत्वों के साथ मिलीभगत करके की गई थी, जो संविधान के तहत गारंटीकृत मौलिक अधिकारों का उल्लंघन है।

हालांकि, उत्तर प्रदेश सरकार ने याचिका का विरोध किया और कहा कि विचाराधीन जमीन 'आबादी जमीन' के रूप में दर्ज है, जो सार्वजनिक उपयोग के लिए है। सरकार ने यह भी कहा कि याचिकाकर्ता अपना मालिकाना हक साबित करने में विफल रहा है।

यह भी कहा गया कि उस जमीन पर पारंपरिक रूप से सिर्फ विशेष अवसरों (जैसे ईद) पर ही नमाज अदा की जाती रही है और अब याचिकाकर्ता बाहर के लोगों को शामिल करके नियमित सामूहिक नमाज शुरू करने की कोशिश कर रहा है, जिससे गांव में सांप्रदायिक सौहार्द बिगड़ सकता है।

दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद इलाहाबाद हाईकोर्ट ने अपना फैसला दिया।

मंगलुरु कुकर ब्लास्ट केसः एनआईए ने दी 10 साल की सजा को चुनौती, दोषी को उम्रकैद देने की मांग

बेंगलुरु । राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) मंगलुरु कुकर धमाका मामले में मोहम्मद शारिक को दी गई 10 साल की सजा को चुनौती देते हुए अदालत में अपील दायर करने की तैयारी कर रही है। एजेंसी इस मामले में आजीवन कारावास की मांग करेगी।

एनआईए अधिकारियों के अनुसार, शारिक पहले ही जेल में लगभग चार साल बिता चुका है और उसकी सजा के करीब छह साल अभी बाकी हैं।

जांच से पता चला है कि दोषी शारिक आतंकवादी संगठनों के संपर्क में था और वह समाज के लिए संभावित खतरा बन सकता है।

एनआईए अधिकारियों ने बताया कि एजेंसी द्वारा गिरफ्तार किए जाने से पहले शारिक को स्थानीय पुलिस ने पकड़ा था। रिहा होने के तुरंत बाद उसने शिवमोग्गा में तुंगा नदी के जलग्रहण क्षेत्र में बम धमाकों का 'ट्रायल' किया और बाद में मंगलुरु धमाके की योजना बनाई।

एनआईए अधिकारियों ने आगे कहा कि अपील इस आधार पर दायर की जाएगी कि रिहाई के समय शारिक की उम्र लगभग 33 वर्ष होगी। इस उम्र में यदि वह मुख्यधारा के समाज में लौटता है, तो इस बात की संभावना है कि वह फिर से गलत गतिविधियों से जुड़ सकता है और राष्ट्रविरोधी ताकतें उसका गलत इस्तेमाल कर सकती हैं।

अधिकारियों ने बताया कि तैयारियां चल रही हैं और इस संबंध में तर्क तैयार किए जा रहे हैं। जल्द ही अदालत में अपील दायर की जाएगी।

इस बीच, यह बात सामने आई है कि 2020 में दो जगहों पर देश-विरोधी भित्तिचित्र बनाने के आरोप में शारिक और एक अन्य संदिग्ध माज़ मुनीर को गिरफ्तार करने के बाद स्थानीय पुलिस ने कथित तौर पर लापरवाही बरती। आरोप है कि पुलिस ने गवाहों का सही तरीके से उपयोग नहीं किया और जल्दबाजी में चार्जशीट दाखिल कर दी।

नतीजतन, आरोपी ने अदालत से जमानत हासिल कर ली और कथित तौर पर देश-विरोधी गतिविधियों में शामिल हो गया। सूत्रों ने बताया कि अगर पुलिस ने ज्यादा गहन जांच की होती या यह मामला एनआईए या सीबीआई को सौंप दिया गया होता, तो इस आतंकी मॉड्यूल का खुलासा किया जा सकता था और मंगलुरु कुकर धमाके को रोका जा सकता था।

27 अप्रैल को एक विशेष एनआईए अदालत ने मंगलुरु कुकर धमाका मामले में शारिक को 10 साल की कठोर कारावास की सजा सुनाई थी। सुनवाई के दौरान शारिक ने अदालत के सामने अपना अपराध स्वीकार कर लिया था।

महाराष्ट्र एचएससी बोर्ड में पालघर का शानदार प्रदर्शन, 86.68 प्रतिशत स्टूडेंट सफल, छात्राएं आगे

मुंबई। महाराष्ट्र राज्य माध्यमिक और उच्च माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (एमएसबीएसएचएसई) द्वारा शनिवार को एचएससी (उच्चतर माध्यमिक प्रमाणपत्र-12वीं) बोर्ड परीक्षा परिणाम अपनी आधिकारिक वेबसाइटों के अलावा डिजिलॉकर ऐप पर जारी कर दिए गए हैं। घोषित नतीजों के मुताबिक इस वर्ष का कुल उत्तीर्ण प्रतिशत 89.79 फीसदी दर्ज किया गया है। 93.15 प्रतिशत लड़कियों और 86.80 फीसदी लड़कों ने परीक्षा उत्तीर्ण की।

महाराष्ट्र एचएससी (इंटरमीडिएट) बोर्ड परीक्षा में पालघर जिले का प्रदर्शन शानदार रहा है। जिले से 12वीं बोर्ड परीक्षा में उपस्थित 53 हजार से अधिक विद्यार्थियों में 46,305 छात्र-छात्राओं ने सफलता हासिल की है, जिसमें बेटियों का प्रदर्शन बेहतर रहा।

पालघर जिले में उच्च माध्यमिक (कक्षा 12वीं) परीक्षा 2026 का परिणाम घोषित होते ही खुशी की लहर दौड़ गई। इस वर्ष जिले का कुल परिणाम 86.68 प्रतिशत रहा, जिसमें छात्राओं ने एक बार फिर बेहतर प्रदर्शन कर बाजी मार ली है। इस परीक्षा में पालघर जिले से कुल 53,415 विद्यार्थी शामिल हुए, जिनमें 28,724 छात्र और 24,691 छात्राएं थीं।

घोषित परिणाम के अनुसार 24,075 छात्र और 22,230 छात्राएं इंटरमीडिएट बोर्ड परीक्षा में उत्तीर्ण हुए हैं। इस तरह कुल 46,305 विद्यार्थियों ने सफलता हासिल की। प्रतिशत के आधार पर देखा जाए तो छात्रों का उत्तीर्ण प्रतिशत 83.81 और छात्राओं ने 90.03 फीसदी परिणाम के साथ बेहतर प्रदर्शन किया।

पालघर जिले के पालक मंत्री, जिलाधिकारी, जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी और अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं शिक्षणाधिकारी (माध्यमिक) अशोक पाटील ने सभी विद्यार्थियों, मुख्याध्यापकों और अभिभावकों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। प्रशासन की ओर से इस उपलब्धि को जिले के शैक्षणिक विकास का सकारात्मक संकेत माना जा रहा है।

एमएसबीएसएचएसई द्वारा

राजस्थानः भर्ती परीक्षाओं में फर्जी उम्मीदवारों के नेटवर्क का भंडाफोड़, एसओजी की कार्रवाई

जयपुर। स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक विशाल बंसल ने शनिवार को बताया कि प्रतियोगी परीक्षाओं में फर्जी उम्मीदवारों के खिलाफ लगातार की गई कार्रवाई के परिणामस्वरूप राज्य भर में फर्जी उम्मीदवारों से जुड़े तीन बड़े मामलों का पता चला है।

जांच में पता चला कि कई कम शैक्षणिक योग्यता वाले उम्मीदवारों ने बड़ी रकम के बदले अधिक योग्य व्यक्तियों को अपनी जगह परीक्षा में बैठाया था।

पहला मामला राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा 15 अक्टूबर, 2022 को आयोजित 2022 की लिटरेचर (हिंदी - स्कूल एजुकेशन) परीक्षा से संबंधित है।

इस मामले में जालौर के द्वितीय श्रेणी के शिक्षक मनोहर लाल ने लगभग 5 लाख रुपए के सौदे के बाद डेराराम के स्थान पर फर्जी उम्मीदवार बनकर परीक्षा दी। आरोपियों ने एडमिट कार्ड की फोटो और उपस्थिति रिकॉर्ड में हेराफेरी की।

मनोहर लाल को 1 मई को गिरफ्तार कर लिया गया, जबकि मुख्य आरोपी डेराराम अभी भी फरार है। यह मामला जयपुर के एसओजी पुलिस स्टेशन में दर्ज है।

दूसरा मामला भी राजस्थान लोक सेवा आयोग की इसी परीक्षा से संबंधित है।

फलौदी निवासी अशोक जानी ने पूर्व सैनिक रामूराम के स्थान पर 7.5 लाख रुपए में फर्जी उम्मीदवार बनकर परीक्षा दी। आरोपियों ने धोखाधड़ी को अंजाम देने के लिए पहचान संबंधी विवरणों में हेरफेर किया।

रामुरम को पहले ही गिरफ्तार कर चार्जशीट दाखिल की जा चुकी है, जबकि अशोक जानी को 30 अप्रैल को गिरफ्तार किया गया था।

तीसरा मामला राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड द्वारा 25 सितंबर, 2023 को आयोजित शारीरिक शिक्षा शिक्षक भर्ती परीक्षा-2022 से संबंधित है।

नोएडाः गत्ते की फैक्ट्री में लगी भीषण आग, दमकल की 10 गाड़ियों ने पाया आग पर काबू

नोएडा । नोएडा के सेक्टर-8 स्थित एक गत्ते की फैक्ट्री में शनिवार को अचानक भीषण आग लगने से इलाके में हड़कंप मच गया। घटना थाना फेस-1 क्षेत्र के अंतर्गत एफ-128 पते पर स्थित फैक्ट्री की है, जहां तड़के करीब 4:30 बजे आग लगने की सूचना मिली। आग इतनी तेजी से फैली कि देखते ही देखते उसने विकराल रूप धारण कर लिया और फैक्ट्री के बड़े हिस्से को अपनी चपेट में ले लिया।

सूचना मिलते ही दमकल विभाग की टीमें तुरंत मौके पर पहुंचीं। आग की गंभीरता को देखते हुए कुल 10 दमकल गाड़ियों को मौके पर लगाया गया। दमकल कर्मियों ने कड़ी मशक्कत करते हुए कई घंटों की कोशिश के बाद आग पर पूरी तरह काबू पा लिया। राहत की बात यह रही कि इस घटना में अब तक किसी भी प्रकार की जनहानि की सूचना सामने नहीं आई है। स्थानीय लोगों के अनुसार, आग लगने के बाद क्षेत्र में धुएं का घना गुबार फैल गया, जिससे आसपास के लोगों में दहशत का माहौल बन गया। कुछ समय के लिए इलाके में अफरातफरी की स्थिति भी उत्पन्न हो गई थी। हालांकि दमकल विभाग की त्वरित कार्रवाई के चलते आग को आसपास की अन्य फैक्ट्रियों और इमारतों तक फैलने से रोक लिया गया।

राजस्थानः 5.3 करोड़ के घोटाले में अंतरराज्यीय धोखाधड़ी गिरोह का खुलासा, 17 गिरफ्तार

जयपुर । संगठित साइबर अपराध के खिलाफ एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए जयपुर के साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन ने एक अंतर-राज्यीय धोखाधड़ी गिरोह का भंडाफोड़ किया है। इस कार्रवाई में व्हाट्सएप पर किसी और का रूप धरकर किए गए 5.30 करोड़ रुपए के वित्तीय घोटाले में शामिल 17 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया।

यह मामला 24 अप्रैल 2026 को एक निजी कंपनी में अकाउंटेंट के पद पर कार्यरत दीपेंद्र सिंह द्वारा राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन (1930) के माध्यम से दर्ज कराई गई एक शिकायत से शुरू हुआ।

शिकायतकर्ता ने बताया कि उन्हें एक अज्ञात नंबर से व्हाट्सएप पर संदेश प्राप्त हुआ, जिस पर कंपनी के चेयरमैन का नाम और फोटो प्रदर्शित हो रहा था।

संदेश में दिए गए तत्काल निर्देशों का पालन करते हुए उन्होंने 5.30 करोड़ रुपए की राशि दो बैंक खातों में स्थानांतरित कर दी। इसके कुछ ही समय बाद इस धोखाधड़ी का खुलासा हुआ।

डिप्टी इंस्पेक्टर जनरल (साइबर क्राइम) शांतनु कुमार सिंह के अनुसार, एक विस्तृत तकनीकी जांच से पता चला कि धोखाधड़ी से हासिल की गई रकम को कई बैंक खातों के जरिए घुमाया गया और बाद में नकद निकासी, क्रिप्टोकरेंसी लेनदेन (यूएसडीटी) और हवाला चैनलों के जरिए निकाल लिया गया।

कोटा ग्रामीण), पाली, जोधपुर, बांसवाड़ा और बाड़मेर की जिला पुलिस इकाइयों द्वारा चलाए गए समन्वित अभियानों के परिणामस्वरूप 17 लोगों को गिरफ्तार किया गया।

आरोपियों में अकाउंट प्रोवाइडर, कैश हैंडलर, बिचौलिए और फंड को क्रिप्टोकरेंसी में बदलने वाले लोग शामिल हैं। फ्रॉड नेटवर्क एक स्ट्रक्चर्ड चेन के जरिए चलता था जिसमें अलग-अलग जिलों के कई लोग शामिल थे। 3 हजार रुपए से 50 हजार रुपए तक के कमीशन के बदले में अपने साथियों और जान-पहचान वालों की मदद से बैंक अकाउंट खरीदे या खोले गए थे।

पैसे के लेन-देन का सुराग मिटाने के लिए फंड को तेजी से निकाल लिया गया या क्रिप्टोकरेंसी (यूएसडीटी) में बदल दिया गया। अपराध से कमाए गए पैसों को ट्रांसफर करने और छिपाने के लिए हवाला चैनलों का भी इस्तेमाल किया गया। पकड़े जाने से बचने के लिए, गिरोह के सदस्य चाय की दुकानों और सड़क किनारे की जगहों पर अनौपचारिक मुलाकातों के जरिए अपनी गतिविधियों को आपस में तालमेल बिठाकर अंजाम देते थे। इस पूरी प्रक्रिया में अलग-अलग इलाकों के लोगों की भी भागीदारी थी।

जहां कोटा कैश निकालने और क्रिप्टो में बदलने का एक मुख्य केंद्र बन गया था। वहीं, बांसवाड़ा बैंक खाते हासिल करने, उनकी आपूर्ति करने और फंड को एक जगह से दूसरी जगह पहुंचाने का एक नेटवर्क बन गया था।

पाली में निजी संपर्कों के ज़रिए खाताधारकों की भर्ती की गई और जोधपुर में खातों के संचालन और क्रिप्टो लेन-देन का काम संभाला गया। बाड़मेर का इस्तेमाल अवैध कामों के लिए बैंक खाते उपलब्ध कराने के लिए किया गया। इस पूरे ऑपरेशन को पुलिस अधीक्षक (साइबर क्राइम) सुमित मेहरड़ा की देखरेख में अंजाम दिया गया और जमीनी स्तर पर इसकी कमान पुलिस उपाधीक्षक सुगन सिंह ने संभाली।

अपराधियों की पहचान करने, उनका पता लगाने और उन्हें कई ज़िलों से गिरफ्तार करने के लिए, टीमों ने तकनीकी विश्लेषण के साथ-साथ जमीनी स्तर पर जुटाई गई खुफिया जानकारी का भी इस्तेमाल किया।

साइबर क्राइम ब्रांच नागरिकों से अपील करती है कि वे किसी भी माध्यम से आने वाले पैसों से जुड़े किसी भी अनुरोध का जवाब देते समय पूरी सावधानी बरतें, भले ही वे अनुरोध किसी जाने-पहचाने व्यक्ति की ओर से ही क्यों न आए हों। पैसे ट्रांसफर करने से पहले, हमेशा सीधे संपर्क करके उस अनुरोध की सत्यता की पुष्टि जरूर करें।

साइबर धोखाधड़ी की स्थिति में तुरंत राष्ट्रीय हेल्पलाइन 1930 पर संपर्क करें या 'राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल' के माध्यम से घटना की रिपोर्ट दर्ज कराएं।

विदेशी फंडिंग से 'हर गांव में चर्च' का मिशन:6 महीने में छत्तीसगढ़ आए 95 करोड

रायपुर । छत्तीसगढ़ में कथित धर्मांतरण, विदेशी फंडिंग और चर्च-प्लांटिंग नेटवर्क को लेकर जांच तेज हो गई है। कुछ दिन पहले प्रवर्तन निदेशालय (ED) की जांच में विदेशी डेबिट कार्ड्स के जरिए करोड़ों रुपए भारत लाने का खुलासा हुआ था। इसके बाद अंतरराष्ट्रीय मिशनरी संगठन द टिमोथी इनिशिएटिव (TTI) का नाम चर्चा में है।

द टिमोथी इनिशिएटिव (TTI) एक अंतरराष्ट्रीय ईसाई मिशनरी संगठन है, जो दुनिया के हर गांव में चर्च स्थापित करने के उद्देश्य से काम करने का दावा करता है। पुलिस, ईडी और अन्य एजेंसियां राज्य में एक्टिव लोकल पास्टर नेटवर्क, ट्रेनिंग मॉड्यूल और फंडिंग ट्रेल की जांच कर रही हैं।

बस्तर, धमतरी से राजनांदगांव तक अवैध धर्मांतरण से जुड़े मामलों से कनेक्शन की जांच की जा रही है। एजेंसियां यह पता लगाने में जुटी हैं कि क्या यहां इस्तेमाल किया गया मॉडल TTI के नेटवर्क जैसा है। वहीं भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष प्रबल प्रताप सिंह जूदेव ने कहा कि यह मामला केवल आर्थिक अनियमितता तक सीमित नहीं है, ये राष्ट्रीय

सुरक्षा से जुड़ा मामला है।

भाजपा सांसद संतोष पांडेय ने कहा कि कांग्रेस इसलिए श्वष्ठ जांच से बचती थी। ग्रामीण इलाकों में आदिवासियों के बीच गतिविधियां फॉरेन फंडिंग से चलती थीं। वहीं कांग्रेस ने कहा कि ये ट्रांजेक्शन भाजपा सरकार के समय हुए हैं।

द टिमोथी इनिशिएटिव (TTI) खुद को एक वैश्विक ईसाई मिशनरी संगठन बताता है, जिसका लक्ष्य 'हर गांव में चर्च' स्थापित करना है। संगठन के जारी किए गए आंकड़ों के मुताबिक 2007 से अब तक 50 देशों में 2.68 लाख से ज्यादा चर्च स्थापित किए जा चुके हैं। लाखों लोगों को 'डिसाइपल' यानी अनुयायी बनाने का दावा किया गया है।

भारत में इसके चर्चों और नेटवर्क की अलग से आधिकारिक संख्या सार्वजनिक नहीं है, लेकिन विभिन्न पार्टनर संस्थाओं की रिपोर्ट में उत्तर भारत में 3,000 से ज्यादा हाउस चर्च और दक्षिण भारत में 7,000 से ज्यादा चर्चों की जानकारी मिलती है।

संगठन कैसे करता था ईसाई धर्म का प्रचार-प्रसार

टीटीआई का मॉडल बाइबल की आयत 2 टिमोथी 2:2 पर आधारित बताया जाता है। इसमें एक 'Paul' मास्टर ट्रेनर, कई 'Timothy' चर्च प्लांटर और 'Titus' शिष्य तैयार करता है। यह मल्टी-लेयर नेटवर्क गांव-गांव तक पहुंचकर छोटे 'हाउस चर्च' और प्रेयर ग्रुप के जरिए विस्तार करता है।

जांच एजेंसियों का मानना है कि अगर बैंक खातों, विदेशी कार्ड एजेंट, सोशल मीडिया नेटवर्क, ट्रेनिंग मॉड्यूल और स्थानीय पास्टरों के संपर्कों का लिंक जुड़ता है तो बड़ा खुलासा हो सकता है। इस दिशा में एजेंसियां लगातार जांच कर रही हैं।

ED के एक्शन से छत्तीसगढ़ में एक्टिव होने का इनपुट मिला

छत्तीसगढ़ में इस नेटवर्क के एक्टिव होने के संकेत तब मिले, जब श्वष्ठ की हालिया रिपोर्ट में नवंबर 2025 से अप्रैल 2026 के बीच विदेशी डेबिट कार्ड्स के जरिए करीब 95 करोड़ रुपए भारत में लाए जाने का खुलासा हुआ।

वाटर स्पोर्ट्स में सुरक्षा मानकों से किसी भी प्रकार की लापरवाही अस्वीकार्य : साय

रायपुर । मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने वाटर स्पोर्ट्स गतिविधियों में सुरक्षा मानकों को लेकर सख्त रुख अपनाया है। शनिवार को उन्होंने स्पष्ट कहा कि इस क्षेत्र में किसी भी प्रकार की लापरवाही अस्वीकार्य है और जन सुरक्षा से समझौता नहीं किया जा सकता।

मध्य प्रदेश में हाल ही में हुए क्रूज हादसे के मद्देनजर मुख्यमंत्री ने छत्तीसगढ़ में संचालित सभी वाटर स्पोर्ट्स गतिविधियों की व्यापक समीक्षा की। उन्होंने धमतरी और कोरबा सहित सभी जिलों के कलेक्टरों को निर्देश दिए कि जहां-जहां वाटर स्पोर्ट्स संचालित हो रहे हैं, वहां तत्काल सुरक्षा ऑडिट कराया जाए और निर्धारित मानक संचालन प्रक्रिया (SOP) का सख्ती से पालन सुनिश्चित किया जाए।

मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि सभी उपकरणों का नियमित तकनीकी परीक्षण किया जाए, प्रशिक्षित कर्मियों की तैनाती सुनिश्चित हो, और किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए मजबूत आपातकालीन प्रबंधन व्यवस्था सक्रिय रखी जाए। साथ ही रेस्क्यू उपकरण, लाइफ जैकेट और अन्य सुरक्षा संसाधनों की पर्याप्त उपलब्धता और कार्यशीलता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

उन्होंने कलेक्टरों को निर्देशित किया कि वे इन व्यवस्थाओं की लगातार निगरानी करें और यदि कहीं भी सुरक्षा मानकों का उल्लंघन पाया जाता है, तो संबंधित अधिकारियों या संचालकों के खिलाफ जवाबदेही तय कर कड़ी कार्रवाई की जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार नागरिकों और पर्यटकों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देती है।

इसलिए यह आवश्यक है कि वाटर स्पोर्ट्स गतिविधियां पूरी तरह सुरक्षित, व्यवस्थित और मानकों के अनुरूप संचालित हों। इसके लिए सभी व्यवस्थाओं की नियमित समीक्षा कर रिपोर्ट राज्य शासन को प्रस्तुत करने के निर्देश भी दिए गए हैं।

कटघोरा में आधी रात हाथियों ने बरपाया कहर, 40 हाथियों के दल ने डाला डेरा

कोरबा । कोरबा के कटघोरा वनमंडल के जड़गा रेंज में हाथियों का उत्पात थमने का नाम नहीं ले रहा है। शनिवार को जानकारी दी गयी की पटेल पारा और धोबघट गांव में शुकवार की आधी रात 4 हाथियों ने दस्तक देकर जमकर उत्पात मचाया ।शनिवार की सुबह तक डेरा डाले हुए थे हाथियों ने तीन ग्रामीणों के घरों को तोड़ दिया और धान की बोरियों को भी नुकसान पहुंचाया। घटना के बाद से इलाके में भय का माहौल है और लोग डरे-सहमे हुए हैं।

वन विभाग के अनुसार बीती रात करीब 12 बजे 4 हाथियों का दल पटेल पारा गांव में घुस आया। हाथियों ने सबसे पहले किसान रामलाल के घर की दीवार तोड़ दी। घर में रखी धान की 15 बोरियों को पैरों से कुचलकर नष्ट कर दिया।

इसके बाद दल धोबघट पहुंचा, जहां दो और ग्रामीणों के मकानों को नुकसान पहुंचाया। ग्रामीणों ने शोर मचाकर और मशाल जलाकर किसी तरह हाथियों को जंगल की ओर खदेड़ा। ग्रामीण निर्मला यादव ने बताया कि हाथियों ने बाड़ी में लगे पपीता,गन्ना,केला, सब्जी के अलावा घर को तोड़ दिया है। किसी तरह जान बचाकर भागे हैं।

जटगा रेंज में पिछले कई महीनों से 40 हाथियों का दल डेरा डाले हुए है। हाथी दिन में जंगल में रहते हैं और रात होते ही भोजन की तलाश में आसपास के गांवों का रुख कर लेते हैं। ग्रामीणों का कहना है कि हाथी खेतों में लगी फसल और घरों में रखे अनाज को लगातार नुकसान पहुंचा रहे हैं। डर के कारण लोग रातभर जागकर रखवाली करने को मजबूर हैं।

घटना की जानकारी मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची। डीएफओ कटघोरा ने बताया कि हाथियों की लगातार मॉनिटरिंग की जा रही है। ग्रामीणों को जंगल की ओर न जाने और हाथियों से दूरी बनाए रखने की सलाह दी गई है। मुनादी कराकर लोगों को सतर्क किया जा रहा है। प्रभावित परिवारों को नियमानुसार मुआवजा देने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। लगातार हो रही घटनाओं से जड़गा रेंज के गांवों में दहशत का माहौल है। ग्रामीणों ने बताया कि शाम होते ही बच्चे और बुजुर्ग घरों में दुबक जाते हैं। हाथियों के डर से खेती-किसानी का काम भी प्रभावित हो रहा है।

किरंदुल में 'इको पार्क' की पहल

रायपुर । छत्तीसगढ़ के किरंदुल क्षेत्र में प्राकृतिक सौंदर्य के संरक्षण और विकास के उद्देश्य से 'इको पार्क' स्थापित करने की पहल की गई है, शनिवार को जानकारी दी गयी की। वन मंत्री केदार कश्यप के निर्देशानुसार वन विकास निगम और एनएमडीसी के संयुक्त प्रयास से इस परियोजना पर काम शुरू किया जा रहा है। प्रशासन द्वारा इसके लिए उपयुक्त भूमि का चयन भी कर लिया गया है।

प्रस्तावित इको पार्क की मुख्य विशेषता इसकी थीम होगी, जिसमें 'भारतीय जैव विविधता' को प्रमुख रूप से प्रदर्शित किया जाएगा। पार्क में देश के विभिन्न हिस्सों में पाई जाने वाली वनस्पतियों और प्राकृतिक संसाधनों की जानकारी उपलब्ध कराई जाएगी, जिससे पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने में मदद मिलेगी।

इस परियोजना का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ लोगों में जागरूकता फैलाना भी है। इको पार्क को इस तरह विकसित किया जाएगा कि यह प्राकृतिक आवासों के संरक्षण और टिकाऊ विकास की अवधारणा को बढ़ावा दे सके। साथ ही, यह स्थान सामाजिक और शैक्षिक गतिविधियों के लिए भी उपयोगी साबित हो सकता है।

परियोजना से स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर सृजित होने की संभावना है। पार्क के निर्माण और संचालन से क्षेत्र के युवाओं और ग्रामीणों को काम मिलेगा, जिससे आर्थिक गतिविधियों को भी बल मिलेगा।

इको पार्क को प्रकृति शिक्षा के केंद्र के रूप में विकसित करने की योजना है। यह स्कूली छात्रों और शोधकर्ताओं के लिए एक 'लिविंग लैबोरेटरी' की तरह कार्य करेगा, जहां वे जैव विविधता और पर्यावरण से जुड़ी व्यावहारिक जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।

अधिकारियों के अनुसार, यह पहल विकास और पर्यावरण के संतुलन का उदाहरण प्रस्तुत करेगी और क्षेत्र में पर्यटन तथा प्राकृतिक संरक्षण को बढ़ावा देगी।

मृतक के खाते से 30 लाख की निकासी का आरोप, पीड़िता ने लगाई न्याय की गुहार

रायगढ़ । जिले में बैंकिंग व्यवस्था पर सवाल खड़े करने वाला एक गंभीर मामला सामने आया है। तमनार तहसील के ग्राम केराखोल निवासी सिरमती राठिया ने आरोप लगाया है कि उनके दिवंगत पति धनुर्जय राठिया के बैंक खाते से उनकी मृत्यु के बाद करीब 30 लाख रुपये की अवैध निकासी कर ली गई।

पीड़िता के मुताबिक, उनके पति का निधन 9 जून 2020 को हो चुका था, लेकिन इसके बावजूद घरघोड़ा स्थित आईसीआईसीआई बैंक शाखा में संचालित खाते से बड़ी रकम का लेन-देन होता रहा। यह स्थिति एक सुनियोजित धोखाधड़ी की ओर इशारा करती है। हैरानी की बात यह है कि इतने बड़े ट्रांजेक्शन के बावजूद बैंक स्तर पर किसी तरह की आपत्ति या जांच सामने नहीं आई।

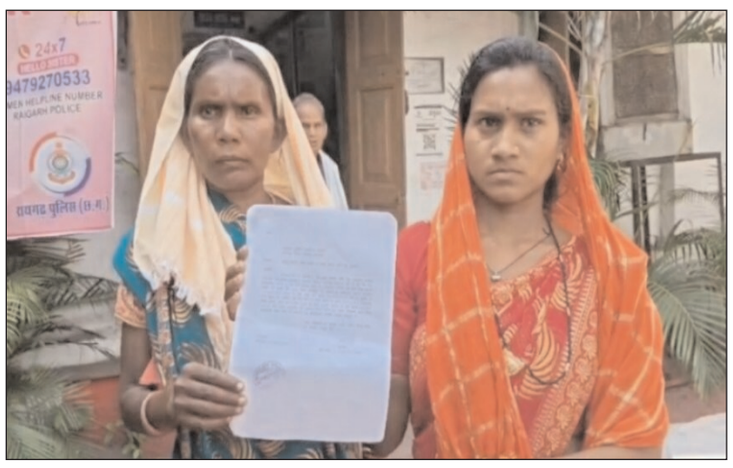

मामले का खुलासा होने पर सिरमती राठिया ने 23 मई 2025 को थाना घरघोड़ा में शिकायत दर्ज कराई थी। उन्हें उम्मीद थी कि पुलिस इस मामले में तत्परता से कार्रवाई करेगी, लेकिन लगभग 11 महीने बीत जाने के बाद भी कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया।

स्थानीय स्तर पर कार्रवाई नहीं होने से निराश पीड़िता ने 15 अप्रैल 2026 को रायगढ़ पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई और मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की।

उन्होंने दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई और निकाली गई राशि की पूरी जांच की मांग की है।

यह मामला न केवल संभावित धोखाधड़ी को उजागर करता है, बल्कि बैंकिंग सुरक्षा, केवाईसी प्रक्रिया और निगरानी तंत्र की गंभीर खामियों को भी सामने लाता है। अब देखना होगा कि पुलिस प्रशासन इस मामले में क्या कार्रवाई करता है और पीड़िता को कब तक न्याय मिल पाता है।

लंबित मामलों के त्वरित समाधान के लिए 09 मई को नेशनल लोक अदालत

रायपुर । छत्तीसगढ़ में नेशनल लोक अदालत का आयोजन 09 मई (शनिवार) को जिला एवं सत्र न्यायालय सहित जिले तालुका स्तर के न्यायालयों में किया जाएगा। यह आयोजन राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली और छत्तीसगढ़ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, बिलासपुर के निर्देशानुसार किया जा रहा है।

नेशनल लोक अदालत के दौरान राजस्व न्यायालयों में भू-अर्जन, सीमांकन, नामांतरण, बंटवारा सहित अन्य राजस्व मामलों का निराकरण किया जाएगा।

इसके अलावा, मोटर दुर्घटना दावा प्रकरण, शमनीय आपराधिक मामले, बैंक वसूली, नगर पालिका और दूरसंचार विभाग से जुड़े

प्रकरणों सहित न्यायालयों में लंबित मामलों का आपसी सहमति (राजीनामा) के आधार पर निपटारा किया जाएगा। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने पक्षकारों से अपील की है कि वे अपने लंबित मामलों के शीघ्र और आपसी समाधान के लिए नेशनल लोक अदालत का लाभ उठाएं। इच्छुक पक्षकार अपने प्रकरण संबंधित न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते हैं या अधिक जानकारी के लिए जिला एवं तालुका विधिक सेवा समितियों से संपर्क कर सकते हैं।

शादी का झांसा देकर बुजुर्ग से लाखों की ठगी, मैट्रिमोनियल साइट से बनाया शिकार

रायपुर । राजधानी में ऑनलाइन ठगी का एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जहां शादी का झांसा देकर 80 वर्षीय सेवानिवृत्त टेक्निशियन से साढ़े 9 लाख रुपये ठग लिए गए। मामला रविशंकर विश्वविद्यालय से सेवानिवृत्त कर्मचारी से जुड़ा है।

हांडीपारा, एचएमटी चौक निवासी मनहरन टिकरिहा ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है कि एक महिला ने खुद को रजनी शर्मा बताकर उनसे संपर्क किया और शादी का झांसा देकर लंबे समय तक पैसे ऐंठती रही।

पीड़ित ने बताया कि एक वर्ष पहले उन्होंने शादी के लिए दिल्ली के एक मैरिज ब्यूरो में संपर्क किया था। वहीं से उन्हें रजनी शर्मा नाम

की महिला का नंबर मिला। 14 जून 2025 को महिला ने कॉल कर खुद को कोरबा निवासी और रेलवे से रिटायर्ड इंजीनियर बताया।

इसके बाद महिला ने भरोसा जीतकर अलग-अलग बहानों से पैसे मांगना शुरू किया। 15 जून को शादी समारोह में आने का कहकर डेढ़ लाख रुपये ट्रांसफर कराए गए। तीन दिन बाद एक अज्ञात व्यक्ति ने कॉल कर महिला के पटना में एक्सीडेंट का झांसा देकर फिर डेढ़ लाख रुपये इलाज के नाम पर ले लिए।

इस तरह जालसाजों ने किस्तों में 9 जनवरी 2026 तक करीब साढ़े 9 लाख रुपये ट्रांसफर करा लिए। इस दौरान महिला लगातार शादी का भरोसा दिलाती रही। लेकिन 10 मार्च के बाद उसका मोबाइल बंद हो गया, तब जाकर पीड़ित को ठगी का एहसास हुआ।

पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों ने लोगों से अपील की है कि ऑनलाइन रिश्तों और लेन-देन में सतर्कता बरतें, ताकि इस तरह की ठगी से बचा जा सके।

मौसम ने ली करवट: गर्मी से राहत, अगले चार दिनों तक बारिश के आसार

रायपुर । छत्तीसगढ़ में झुलसा देने वाली गर्मी के बीच मौसम ने अचानक राहत भरा मोड़ ले लिया है। तेज धूप और लू से परेशान लोगों को अब बादलों की आवाजाही और ठंडी हवाओं ने काफी राहत दी है। राजधानी समेत कई जिलों में मौसम का मिजाज बदलने से लोगों ने सुकून महसूस किया।

तापमान में गिरावट, गर्मी से राहत

पिछले 24 घंटों में प्रदेश के कई इलाकों में बादल छाए रहने से धूप की तीव्रता कम हुई है। इसके चलते अधिकतम तापमान में हल्की

गिरावट दर्ज की गई है। बढ़ी नमी और ठंडी हवाओं के कारण मौसम पहले की तुलना में सुहावना हो गया है। रायपुर सहित कई जिलों में अधिकतम तापमान करीब 42 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान लगभग 30 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है।

चार दिनों तक बदला रहेगा मौसम

मौसम विभाग के मुताबिक, आने वाले चार दिनों तक प्रदेश में यही स्थिति बनी रह सकती है। इस दौरान कई स्थानों पर गरज-चमक के साथ हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना जताई गई है। दिनभर आसमान में बादल छाए रहेंगे, जबकि शाम या रात में बूंदाबांदी हो सकती है।

तेज हवाओं और बिजली गिरने का खतरा

विभाग ने चेतावनी दी है कि कुछ इलाकों में 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं। इसके साथ ही आकाशीय बिजली गिरने की आशंका भी जताई गई है, जिससे सतर्क रहने की जरूरत है।

लोगों से सावधानी बरतने की अपील

विशेषज्ञों ने खराब मौसम के दौरान खुले स्थानों, पेड़ों और बिजली के खंभों से दूर रहने की सलाह दी है। बदलते मौसम के बीच सतर्कता ही सुरक्षा का सबसे बड़ा उपाय है।

पीएम मित्र काकतिया मेगा टेक्सटाइल पार्क से देश के टेक्सटाइल सेक्टर को मिलेगी नई रफ्तार

10 मई को पीएम मोदी करेंगे उद्घाटन : जी. किशन रेड्डी

नई दिल्ली। तेलंगाना के वारंगल स्थित पीएम मित्र मेगा टेक्सटाइल पार्क भारत के वस्त्र उद्योग को गति प्रदान करने के लिए तैयार है। वारंगल में बन रहा पीएम मित्र काकतिया मेगा टेक्सटाइल पार्क (केएमटीपी) भारत के टेक्सटाइल उद्योग को नई गति देने वाला साबित होगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 10 मई 2026 को हैदराबाद से वर्चुअली इस मेगा टेक्सटाइल पार्क का उद्घाटन करेंगे। यह जानकारी केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी किशन रेड्डी ने शनिवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट शेयर करते हुए दी।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि यह पार्क एक विश्वस्तरीय इंटीग्रेटेड टेक्सटाइल हब के रूप में विकसित किया जा रहा है, जिससे मैन्युफैक्चरिंग, रोजगार और निर्यात को बड़ा बढ़ावा मिलेगा। मंत्री ने आगे बताया कि काकतिया मेगा टेक्सटाइल पार्क की कुल परियोजना लागत करीब 1,695.54 करोड़ रुपए है। इस प्रोजेक्ट में 6,000 करोड़ रुपए से ज्यादा के निवेश की संभावना है, जिसमें से अब तक 3,800 करोड़ रुपए का निवेश हो चुका है। रेड्डी ने कहा कि करीब 1,327 एकड़ में फैला यह पार्क देश के सबसे बड़े टेक्सटाइल पार्कों में से एक है। इसे पीएम मित्र (प्रधानमंत्री मेगा इंटीग्रेटेड टेक्सटाइल रीजन एंड अपैरल) योजना के तहत ब्राउनफील्ड मेगा टेक्सटाइल पार्क के रूप में चुना गया है। यह प्रधानमंत्री की 5एफ विजन—खेत से रेशा, रेशा से कारखाना, कारखाने से फैशन और फैशन से विदेश—को साकार करने की दिशा में अहम कदम माना जा रहा है। केंद्रीय मंत्री ने इस बारे में विस्तार से बताते हुए कहा कि इस टेक्सटाइल पार्क में 62 प्रतिशत क्षेत्र पहले ही एंकर निवेशकों को आवंटित किया जा चुका है। वहीं, पार्क के अंदर सड़क, पानी और स्ट्रीट लाइट जैसी बुनियादी सुविधाएं लगभग पूरी हो चुकी हैं। इसके अलावा 232/132/33 केवी पावर सबस्टेशन और 220 केवी ट्रांसमिशन लाइन का काम अंतिम चरण में है। 12 एमएलडी (मिलियन लीटर प्रतिदिन) जल आपूर्ति प्रणाली भी तेजी से तैयार हो रही है।

पश्चिम बंगाल : सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर कालीघाट पुलिस स्टेशन के प्रभारी निलंबित

कोलकाता। सोशल मीडिया पर पोस्ट को लेकर हुए विवाद के बाद कोलकाता पुलिस ने शनिवार को कालीघाट पुलिस स्टेशन के प्रभारी अधिकारी गौतम दास को निलंबित कर दिया।

उनकी जगह चमेली मुखर्जी को यह जिम्मेदारी सौंपी गई है। गौतम हाल ही में सोशल मीडिया पर तब विवादों में घिर गए थे, जब उन्होंने मशीन गन पकड़े हुए अपनी एक तस्वीर साझा की थी। शुक्रवार रात तृणमूल कांग्रेस ने इस तस्वीर को 'आपत्तिजनक' बताते हुए चुनाव आयोग का ध्यान इस ओर दिलाया।

तृणमूल द्वारा जारी की गई तस्वीर में गौतम पुलिस स्टेशन में अपनी कुर्सी पर बैठे हुए हैं और उनके हाथ में एक अत्याधुनिक बंदूक है। उन्होंने पुलिस की वर्दी पहनी हुई है। तृणमूल ने यह भी दावा किया कि गौतम ने खुद इस तस्वीर को अपने फेसबुक और व्हाट्सएप स्टेटस पर पोस्ट किया है।तृणमूल के प्रदेश उपाध्यक्ष जय प्रकाश मजूमदार ने शुक्रवार को यह तस्वीर पोस्ट की। उन्होंने बताया कि देश के मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार, राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी मनोज अग्रवाल और कोलकाता पुलिस आयुक्त अजय नंद को इस मामले की जानकारी पत्र द्वारा दे दी गई है। जय प्रकाश ने दावा किया कि गौतम ने अपनी तस्वीर 'नई जिम्मेदारी के लिए तैयार' कैप्शन के साथ पोस्ट की थी। उन्होंने अपनी एक्स पोस्ट में एक फेसबुक आईडी भी दी थी। हालांकि, उस आईडी से की गई पोस्ट डिलीट कर दी गई है। तृणमूल नेता के अनुसार ऐसी तस्वीरें न केवल असहज करने वाली हैं, बल्कि कानून की नजर में भी बेहद आपत्तिजनक हैं। उन्होंने आगे कहा कि तस्वीर से साफ है कि वह किसी को अत्याधुनिक बंदूक से निशाना बना रहे हैं।

आतंकवाद विरोधी प्रयासों में भारत और इजरायल समानांतर राह पर: रिपोर्ट

वॉशिंगटन। भारत और इजरायल की साझेदारी मुख्य रूप से आतंकवाद से निपटने, लोगों की जान बचाने और आतंकी नेटवर्क को ध्वस्त करने पर केंद्रित एक व्यावहारिक सहयोग है।

एक रिपोर्ट में कहा गया है कि आज दोनों देश समान सुरक्षा चुनौतियों का सामना कर रहे हैं, जहां दुश्मन नागरिकों का इस्तेमाल ढाल के रूप में करते हैं, सीमा पार से हमले करते हैं और आतंक फैलाने की रणनीति अपनाते हैं। इसके जवाब में दोनों देशों ने सर्जिकल स्ट्राइक, प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने और नागरिक नुकसान को न्यूनतम रखने जैसी नीतियां अपनाई हैं।

अमेरिका स्थित जर्नल द एल्गेमाइनर में लिखते हुए भारतीय-जर्मन अंतरसांस्कृतिक और भू-राजनीतिक सलाहकार पौशाली लास ने कहा कि इज़राइल में हाल ही में मनाए गए मेमोरियल डे और स्वतंत्रता दिवस इस बात की याद दिलाते हैं कि राष्ट्र निर्माण की कीमत युद्धभूमि और आम जिंदगी दोनों में चुकानी पड़ती है।

उन्होंने कहा कि एक साल पहले पहलगाम में भारत ने भी यही सच्चाई देखी, जब पाकिस्तान समर्थित आतंकवादी भारतीय सीमा में घुस आए और महिलाओं व बच्चों के सामने 26 पुरुषों की निर्मम हत्या कर दी।

लास ने कहा, 'यह कोई अलग-थलग हिंसक घटना नहीं थी, बल्कि नागरिकों को निशाना बनाकर विश्वास तोड़ने और भय फैलाने की सोची-समझी साजिश थी।' उन्होंने कहा कि भारत की ओर से शुरू किया गया ऑपरेशन सिंदूर एक बड़ा रणनीतिक बदलाव था। इसके तहत पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत ने सिंधु जल संधि के कई अहम प्रावधानों को निलंबित कर दिया। भारत पहले पाकिस्तान को नदी प्रवाह और जल स्तर से जुड़ा हाइड्रोलॉजिकल डेटा उपलब्ध कराता था, जो उसकी कृषि व्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण था। लेकिन हमले के बाद यह सहयोग रोक दिया गया।

लास ने कहा कि यह कदम वियना संधि कानून सम्मेलन के अनुच्छेद 62 के अनुरूप भी है, जो परिस्थितियों में बुनियादी बदलाव और विश्वास खत्म होने की स्थिति में संधि निलंबन की अनुमति देता है।

उन्होंने कहा कि भारत और इजरायल दोनों समान खतरों का सामना कर रहे हैं और समान तरीके से जवाब दे रहे हैं, लेकिन वैश्विक प्रतिक्रिया अलग-अलग रही है। इजरायल को फिलिस्तीन मुद्दे पर लगातार आलोचना झेलनी पड़ती है, जबकि पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद के खिलाफ भारत की कार्रवाई पर अपेक्षाकृत कम अंतरराष्ट्रीय आक्रोश देखने को मिला। लास ने यह भी कहा कि भारत ने सूचना युद्ध के मोर्चे पर प्रभावी रणनीति अपनाई है। भारत ने ऑपरेशन सिंदूर की सफलता को सनसनीखेज प्रचार के बजाय रणनीतिक उपलब्धियों के रूप में पेश किया, पाकिस्तान आधारित दुष्प्रचार नेटवर्क को उजागर किया और फेक न्यूज से निपटने के लिए मीडिया साक्षरता बढ़ाई।

अब तक 2,922 नाविक सुरक्षित वापस लाए गए, खाड़ी क्षेत्र में भारतीय ध्वज वाले जहाज पूरी तरह सुरक्षित : सरकार

नई दिल्ली। सरकार ने शनिवार को एक आधिकारिक बयान में कहा कि अब तक 2,922 से अधिक भारतीय नाविकों (सीफेयरर्स) को सुरक्षित वापस लाया जा चुका है, जिनमें पिछले 24 घंटों में 30 लोग खाड़ी क्षेत्र के अलग-अलग स्थानों से लाए गए हैं।

पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय, विदेश मंत्रालय, भारतीय मिशनों और समुद्री क्षेत्र से जुड़े अन्य पक्षों के साथ मिलकर नाविकों की सुरक्षा और समुद्री गतिविधियों को सुचारु बनाए रखने के लिए लगातार काम कर रहा है।

मंत्रालय ने कहा, 'क्षेत्र में सभी भारतीय नाविक सुरक्षित हैं और पिछले 24 घंटों में किसी भी भारतीय ध्वज वाले जहाज से जुड़ी कोई घटना सामने नहीं आई है। डीजी शिपिंग कंट्रोल रूम ने अब तक 8,335 कॉल्स और 17,838 से अधिक ईमेल संभाले हैं। पिछले 24 घंटों में 67 कॉल और 144 ईमेल प्राप्त हुए।'

बयान में आगे कहा गया है कि देश भर के बंदरगाहों पर कामकाज सामान्य रूप से चल रहा है और कहीं भी जाम (कंजेशन) की स्थिति नहीं है।

विदेश मंत्रालय भी खाड़ी और पश्चिम एशिया क्षेत्र की स्थिति पर नजर बनाए हुए है और वहां रह रहे भारतीयों की सुरक्षा और भलाई सुनिश्चित करने के लिए प्रयास कर रहा है। सरकार ने बताया कि समय-समय पर नई एडवाइजरी जारी की जा रही हैं, जिनमें स्थानीय नियम, यात्रा और उड़ानों की जानकारी, कांसुलर सेवाएं और अन्य सुविधाओं के बारे में बताया जाता है। भारतीय दूतावास वहां रह रहे भारतीयों और संगठनों से लगातार संपर्क में हैं और उनकी समस्याओं का समाधान कर रहे हैं।

उड़ानों की स्थिति धीरे-धीरे बेहतर हो रही है और खाड़ी क्षेत्र से भारत के लिए अतिरिक्त उड़ानें भी चलाई जा रही हैं। यूएई में सुरक्षा और संचालन के आधार पर सीमित कमर्शियल फ्लाइट्स चल रही हैं। सऊदी अरब और ओमान से भी भारत के लिए नियमित उड़ानें जारी हैं। सरकार ने बताया कि इराक का हवाई क्षेत्र सीमित उड़ानों के साथ खुला है, जिससे लोग भारत आ सकते हैं। ईरान का हवाई क्षेत्र आंशिक रूप से खुला है, जहां कार्गो और चार्टर्ड उड़ानें चल रही हैं।

भारतीय नागरिकों को ईरान की यात्रा से बचने की सलाह दी गई है और जो लोग वहां हैं, उन्हें भारतीय दूतावास की मदद से जमीनी रास्तों से वापस आने के लिए कहा गया है।

अब तक तेहरान स्थित भारतीय दूतावास ने 2,490 भारतीय नागरिकों को ईरान से जमीनी रास्तों के जरिए सुरक्षित बाहर निकाला है।

मुंबई स्थित चीनी महावाणिज्य दूतावास ने बॉलीवुड फिल्म फोटो प्रदर्शनी में हिस्सा लिया

बीजिंग। 30 अप्रैल को भारत के मुंबई स्थित चीनी महावाणिज्यदूत छिन च्ये और उप महावाणिज्यदूत वांग आवेई को बॉलीवुड फिल्म फोटो प्रदर्शनी में हिस्सा लेने के लिए आमंत्रित किया गया। इस दौरान छिन च्ये ने महाराष्ट्र के गवर्नर जिष्णु देव वर्मा से बातचीत की।

भारतीय सिनेमा के सौ साल पूरे होने के मौके पर मुंबई के आधुनिक कला के राष्ट्रीय संग्रहालय द्वारा आयोजित इस इवेंट की थीम थी' लेंस और विरासत: बॉलीवुड पर फोकस'।

इस प्रदर्शनी में उन मशहूर फिल्मों को दिखाया गया जिनका गोल्डन एज से लेकर मॉडर्न युग तक बड़ा असर रहा है। इस इवेंट में महाराष्ट्र के राज्यपाल, संस्कृति मंत्री, मुंबई में महावाणिज्य दूतावास के प्रतिनिधि और बॉलीवुड फिल्म उद्योग के प्रतिनिधि शामिल हुए।

ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की 143वीं बोर्ड बैठक में बड़े फैसले, ईवी बसों और नई सड़कों तक हुईं कई घोषणाएं

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की 143वीं बोर्ड बैठक में विकास, बुनियादी ढांचे और जनसुविधाओं से जुड़े कई अहम फैसले लिए गए। बैठक में वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए 6048 करोड़ रुपये के बजट को मंजूरी दी गई। साथ ही गंगा एक्सप्रेसवे और नोएडा एयरपोर्ट को जोड़ने के लिए नई सड़कों के निर्माण, ईवी बस सेवा शुरू करने, फ्लैट खरीदारों को राहत देने और अग्नि सुरक्षा को मजबूत करने जैसे महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए।

बोर्ड ने 2026-27 के लिए 6048 करोड़ रुपये का संतुलित बजट पास किया, जिसमें आमदनी और खर्च बराबर रखा गया है। जमीन अधिग्रहण पर करीब 1150 करोड़ रुपये और निर्माण व विकास कार्यों पर 2176 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। ग्रामीण विकास, इंफ्रास्ट्रक्चर और सेक्टरों के विकास पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। इस वर्ष जल शुल्क में 10 प्रतिशत वृद्धि नहीं करने का फैसला लिया गया है, जिससे निवासियों को बड़ी राहत मिलेगी।

साथ ही बकाया जल बिल पर एकमुश्त समाधान योजना (ओटीएस) लागू की गई है, जिसमें 30 जून तक 40 प्रतिशत, 31 जुलाई तक 30 प्रतिशत और 31 अगस्त तक 20 प्रतिशत ब्याज छूट दी जाएगी। प्राधिकरण ने 105 मीटर रोड को गंगा एक्सप्रेसवे से जोड़ने के लिए 15 किमी सड़क निर्माण को मंजूरी दी है। इसके अलावा लॉजिस्टिक हब से डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर के समानांतर 6 लेन एलिवेटेड रोड भी बनाई जाएगी, जिससे उद्योगों को सीधा फायदा होगा।

ईडब्ल्यूएस से लेकर 135 वर्गमीटर तक के फ्लैट आवंटियों के लिए ओटीएस योजना लागू की गई है। इसमें प्रीमियम और लीज डीड के विलंब शुल्क पर 80% तक ब्याज छूट मिलेगी।

पूर्व एफ1 ड्राइवर और पैरालंपिक चैंपियन जनार्डी का 59 साल की उम्र में निधन

नई दिल्ली। एलेक्स जनार्डी का शनिवार को 59 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। उनके परिवार ने एक बयान जारी करते हुए इसकी पुष्टि की। परिवार के अनुसार, पूर्व चैंपियन ने अपने परिवार और करीबी दोस्तों के बीच शांतिपूर्वक अंतिम सांस ली।

जनार्डी अपने शानदार कमबैक के लिए दुनियाभर में जाने जाते थे। साल 2001 में एक रेसिंग दुर्घटना में उन्होंने अपने दोनों पैर गंवा दिए थे, जिससे उनका मोटर रेसिंग करियर समाप्त हो गया। हालांकि, जनार्डी ने हार नहीं मानी और पैरा साइकिलिंग में पहचान बनाई। इटली का प्रतिनिधित्व करते हुए उन्होंने पैरालंपिक गेम्स 2012 और 2016 में हिस्सा लिया, जहां उन्होंने 4 गोल्ड और 2 सिल्वर मेडल जीते।

जनार्डी के परिवार ने घोषणा की, 'बड़े दुख के साथ परिवार एलेसेंड्रो जनार्डी के निधन की घोषणा करता है, जो कल शाम, 1 मई को हुआ। एलेक्स का निधन शांतिपूर्वक हुआ, उस समय उनके आस-पास उनका परिवार और दोस्त मौजूद थे। परिवार उन सभी लोगों का तहे दिल से शुक्रिया अदा करना चाहता है, जो इस समय अपना समर्थन दिखा रहे हैं, और अनुरोध करता है कि शोक की इस अवधि के दौरान उनके दुख और निजता का सम्मान किया जाए।'

फॉर्मूला 1 के अध्यक्ष और सीईओ स्टेफानो डोमेनिकाली ने एक बयान में कहा, 'मेरे प्यारे दोस्त एलेक्स जनार्डी के निधन से मुझे गहरा दुख हुआ है। वे एक इंसान और एक एथलीट के तौर पर सचमुच एक प्रेरणादायी व्यक्ति थे। मैं हमेशा उनकी असाधारण हिम्मत को याद रखूंगा।

दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता ने जनता की समस्याओं के समाधान के लिए शालीमार बाग में की 'जनसुनवाई'

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शनिवार को अपने शालीमार बाग विधानसभा क्षेत्र के निवासियों की शिकायतों, समस्याओं और सुझावों को व्यक्तिगत रूप से सुना। यह सुनवाई जन सुनवाई के दौरान आयोजित की गई थी। एक अधिकारी ने इसकी जानकारी दी। बड़ी संख्या में लोगों ने मुख्यमंत्री को अपनी समस्याएं बताईं।

एक आधिकारिक बयान में कहा गया है, 'मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने प्रत्येक मामले को गंभीरता और संवेदनशीलता से लेते हुए संबंधित विभागों के अधिकारियों को तत्काल कार्रवाई शुरू करने और समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है।' उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि इस तरह की सार्वजनिक सुनवाई महज औपचारिकता नहीं है, बल्कि लोगों की अपेक्षाओं को समझने और उन्हें प्रभावी ढंग से संबोधित करने का एक सार्थक तंत्र है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इन वार्ताओं के दौरान प्राप्त प्रतिक्रिया नीतियों को आकार देने और सरकारी योजनाओं को अधिक जन-केंद्रित बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

उन्होंने दोहराया कि दिल्ली सरकार नागरिकों की समस्याओं के त्वरित और पारदर्शी समाधान को सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है।

मुख्यमंत्री ने यह भी बताया कि बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए शालीमार बाग निर्वाचन क्षेत्र में कई विकास कार्यों को तेजी से आगे बढ़ाया जा रहा है।

उन्होंने कहा, 'इनमें सड़क उन्नयन, स्वच्छ और निर्बाध जल आपूर्ति सुनिश्चित करना, अटल कैंटीन की स्थापना, आयुष्मान जन आरोग्य मंदिरों का विस्तार, वाटर एटीएम की स्थापना, पार्कों का आधुनिकीकरण और संगठित पार्किंग सुविधाओं का विकास शामिल है।'

उन्होंने आगे कहा कि भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाली दिल्ली सरकार का लक्ष्य शालीमार बाग को एक आदर्श निर्वाचन क्षेत्र के रूप में विकसित करना है, जहां निवासियों को उच्च गुणवत्ता वाली आवश्यक सेवाओं तक पहुंच प्राप्त हो।

टी20 मुंबई विमेंस लीग : इरा जाधव पर लगी रिकॉर्ड बोली, जानिए किस टीम में कौन?

मुंबई। टी20 मुंबई विमेंस लीग ऑक्शन में शनिवार को 16 वर्षीय इरा जाधव पर सबसे ज्यादा बोली लगी, जिन्हें आकाश टाइगर्स ने 10 लाख रुपए में अपने साथ जोड़ा। कुल 363 खिलाड़ियों के ऑक्शन में तीनों टीमों के बीच जोरदार बोली देखने को मिली, जिन्होंने पहले सीजन के लिए अपनी-अपनी टीमें फाइनल कीं। तीनों फ्रेंचाइजी ने 50 खिलाड़ियों पर कुल मिलाकर 1.47 करोड़ रुपए खर्च किए।

इरा जाधव पिछले साल अंडर-19 क्रिकेट में तिहरा शतक लगाने वाली पहली भारतीय बनी थीं। ईरा ने इस लीग का हिस्सा बनने पर अपनी खुशी जाहिर करते हुए कहा, 'मैं एमसीए और आकाश टाइगर्स की बहुत शुक्रगुजार हूं कि उन्होंने मुझ पर इतना भरोसा और विश्वास दिखाया। मैं सच में बहुत खुश हूं। मुझे उम्मीद है कि मैं इस मौके का पूरा फायदा उठाऊंगी। मैं इस टूर्नामेंट में अपना सबसे अच्छा प्रदर्शन करने के लिए बेताब हूं। एमसीए का वानखेड़े स्टेडियम जैसी सुविधाएं और जगहें देना हम सभी के लिए आगे बढ़ने का एक बहुत बड़ा कदम है। मुझे उम्मीद है कि मैं आगे बढ़ूंगी और इस मौके का पूरा फायदा उठाऊंगी।'

इससे पहले, मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन (एमसीए) ने 'आइकन प्लेयर्स' के नामों का ऐलान किया था। इनमें सायली सतघरे (सोबो मुंबई फाल्कन्स), साइमा ठाकुर (ठाणे स्काई राइजर्स) और हुमैरा काजी (आकाश टाइगर्स) अपनी-अपनी टीमों की मुख्य सदस्य बनीं।

कहानी

मुट्ठी बंद ख्वाहिशें

एक दिन, एक आर्ट क्रिटिक, एडवर्ड, उसके स्टूडियो में उसे ढूंढता हुआ आया। बूढ़ा, लेकिन नज़रों में एक अद्भुत चमक। उसने अनीता के कैनवास देखे, जहाँ रंगों के ज़रिए एक अधूरेपन, एक तलाश का भाव था।

'तुम्हारी कला में एक दर्द है,' एडवर्ड ने कहा, 'लेकिन वह दर्द तुम्हारा अपना खुद का नहीं लगता। लगता है जैसे तुम अपने कैनवस पर दूसरों के दर्द की एकेडमिक नकल कर रही हो।'

अनीता चिढ़ गई। 'आप क्या जानते हैं मेरे दर्द के बारे में?' एडवर्ड ने मुस्कुराते हुए कहा, 'शायद नहीं। लेकिन इतना जानता हूँ कि असली कला तब जन्म लेती है, जब तुम अपनी मुट्ठी खोल देते हो। डर लगता है कि सब कुछ छूट जाएगा, लेकिन उसी में मुक्ति है।'

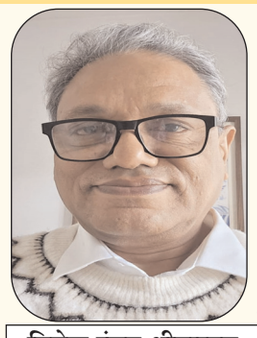

विवेक रंजन श्रीवास्तव

लंदन की ठंडी, कोहरे से लिपटी सुबह थी। अनीता अपने स्टूडियो अपार्टमेंट की खिड़की से बाहर नीरस, धुँधली इमारतों को निहार रही थी। उसकी मुट्ठी बंद थी, और उसकी हथेली में एक छोटा-सा, कपड़े का मुलायम खरगोश का पंजा दबा हुआ था। 'रैबिट्स फुट' या 'क्रॉसफिश' कहलाने वाली यह चीज़, उसकी नानी द्वारा उसे दिया गया एक ताबीज था, जो कथित रूप से बदकिस्मती को दूर भगाता था। आज, दस साल बाद, अपने पहले सोलो आर्ट एक्जीबिशन के दिन, उसे इसकी सबसे ज़्यादा ज़रूरत महसूस हो रही थी।

अनीता का सफर कोलकाता की तंग गलियों से शुरू हुआ था, जहाँ उसके पिता एक स्कूल टीचर थे और माँ एक साधारण गृहिणी। उनकी ज़िंदगी एक पूरी तरह प्रिडिक्टेबल रूटीन में बंधी हुई थी, लेकिन अनीता की ख्वाहिशें आकाश को छूने वाली थीं। वह चित्रकार बनना चाहती थी। एक ऐसी कलाकार, जिसके कैनवास पर भावनाओं के रंग दुनिया को दिखाई दें। लेकिन उस घर में, जहाँ 'सुरक्षित भविष्य' शब्द सबसे महत्वपूर्ण थे, कला एक शौक थी, करियर नहीं।

उसकी मुट्ठी में उस समय पहली बार एक ख्वाहिश ने जन्म लिया, जब उसने छिप-छिपकर जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी में फाइन आर्ट्स में दाखिले के लिए फॉर्म भरा। स्वीकृति आई तो घर में एक भूचाल आ गया। 'तुम्हारी उम्र हो गई है शादी की,' उसकी माँ ने आँसू बहाते हुए कहा था।' फाइन आर्ट्स की ये सब बातें छोड़ो।' लेकिन अनीता अड़ी रही। उसकी मुट्ठी और भी कस गई। उसने न सिर्फ़ छह में दाखिला लिया, बल्कि छात्रवृत्ति जीतकर लंदन के प्रतिष्ठित स्लेड स्कूल ऑफ फाइन आर्ट में पोस्ट-ग्रेजुएशन के लिए जगह बना ली।

लंदन आना एक और संघर्ष था। यहाँ की ठंडक सिर्फ़ मौसम की नहीं थी, बल्कि उसके परिवेश के लोगों के दिलों में भी उसे दिखती थी। उसे अपनी पहचान के सवालों से जूझना पड़ा। वह न तो पूरी तरह भारतीय रह गई थी, न ही ब्रिटिश बन पाई थी। उसकी कला में यह द्वंद्व साफ़ झलकता था। उसके कैनवास पर मधुबनी की लकीरें पिकासो के क्यूबिज़्म से टकराती थीं। कुछ प्रोफेसर उसे 'एक्जॉटिक' कहते, तो कुछ 'अनरेज़ोल्ड'। उसकी मुट्ठी, उसकी असुरक्षा और जिद का प्रतीक, मुट्ठी हमेशा बंद रहती।

एक दिन, एक आर्ट क्रिटिक, एडवर्ड, उसके स्टूडियो में उसे ढूंढता हुआ आया। बूढ़ा, लेकिन नज़रों में एक अद्भुत चमक। उसने अनीता के कैनवास देखे, जहाँ रंगों के ज़रिए एक अधूरेपन, एक तलाश का भाव था।

'तुम्हारी कला में एक दर्द है,' एडवर्ड ने कहा, 'लेकिन वह दर्द तुम्हारा अपना खुद का नहीं लगता। लगता है जैसे तुम अपने कैनवस पर दूसरों के दर्द की एकेडमिक नकल कर रही हो।'

नीता चिढ़ गई। 'आप क्या जानते हैं मेरे दर्द के बारे में?'

डवर्ड ने मुस्कुराते हुए कहा, 'शायद नहीं। लेकिन इतना जानता हूँ कि असली कला तब जन्म लेती है, जब तुम अपनी मुट्ठी खोल देते हो। डर लगता है कि सब कुछ छूट जाएगा, लेकिन उसी में मुक्ति है।'

यह बात अनीता के दिल में उतर गई। उसने अपने कैनवास के सामने बैठकर, पहली बार अपने दिल की सारी उलझनें, सारे डर, सारी ख्वाहिशें उड़ेल दीं। वह दिन उसकी कला का टर्निंग पॉइंट था।

और आज, उसकी सोलो एक्जीबिशन का दिन था। गैलरी में उसके कैनवास लगे थे, जो अब सिर्फ़ तकनीक का नमूना नहीं, बल्कि एक कलाकार की वैश्विक नजरिए वाली अभिव्यक्ति का आईना थे। एक पेंटिंग में एक लड़की की आकृति थी, जिसकी मुट्ठी बंद थी, और उसकी हथेली से रंगों की एक चमकदार लकीर निकल कर अनंत में विलीन हो रही थी। दूसरे कैनवास पर कोलकाता की गलियाँ और लंदन की सड़कें एक-दूसरे में समा रही थीं ।

भीड़ उमड़ पड़ी थी। आलोचक, कलाप्रेमी, संग्रहकर्ता। सब उसकी कला की सराहना कर रहे थे। तभी उसने देखा, दरवाज़े पर दो परिचित चेहरे खड़े हैं, उसके माता-पिता, हैरान और गर्व से भरे हुए। उसकी माँ की आँखों में आँसू थे। अनीता की साँस रुक सी गई। उसने कभी सोचा भी नहीं था कि वे आएंगे।

उसकी माँ ने उसे गले लगाया और फुसफुसाया, 'माफ़ करना बेटा, हम तुम्हारे सपनों को समझ नहीं पाए। तुमने जो किया, वह बहुत हिम्मत का काम है। '

सके पिता ने बिना कुछ कहे, उसके सिर पर हाथ रख दिया। उनकी आशीष भरी चुप्पी में हज़ार शब्द छिपे थे।

अनीता ने महसूस किया कि उसकी मुट्ठी, जो सालों से ख्वाहिशों, डर और जिद से बंधी हुई थी, अब धीरे-धीरे खुल रही थी। उसने अपनी हथेली देखी। खरगोश का पंजा अब भी वहाँ था, लेकिन अब वह उसे कसकर नहीं पकड़े थी , बल्कि हल्के से थामे हुए थी।

एडवर्ड ने आकर कहा, 'देखा, मैंने कहा था न? मुट्ठी खोलो, तो दुनिया तुम्हारी हथेली में आ जाती है। '

उस रात, जब गैलरी खाली हो गई, अनीता अकेली खड़ी थी। उसने अपनी एक पेंटिंग देखी, जहाँ उसकी बंद मुट्ठी से निकलती रंगीन लकीर अब एक विशाल, चमकते सूरज में तब्दील हो रही थी। उसका कैनवास दुनियां को समेटने को आतुर था । इंडो यूरोपियन फ्यूजन के उसके चित्र उसकी मौलिकता थे ।

उसे एहसास हुआ कि ख्वाहिशें कभी खत्म नहीं होतीं। वह अब भी और बहुत कुछ पाना चाहती थी। लेकिन अब वह डरती नहीं थी। क्योंकि उसे पता चल गया था कि ख्वाहिशों की असली ताकत उन्हें मुट्ठी में बंद करके नहीं, बल्कि उन्हें आज़ाद करके, हकीकत में बदलने में है।

मुट्ठी बंद ख्वाहिशें अब खुली हथेली के सपने बन चुकी थीं। और यही उसकी सबसे बड़ी जीत थी।

(भोपाल में रहने वाले वरिष्ठ लेखक. न्यूयार्क में रहते हुए कहानी का सृजन)

मोबाइल :7000375798

कविता

गर्मी का कहर

कर्नल प्रवीण त्रिपाठी

धक - धक धरती कर रही,
गर्मी पड़े प्रचंड।
मानव का नित तोड़ते,
दिनकर रोज घमंड।
भास्कर दें चेतावनी,
बदलो अपनी राह,
शुद्ध करो वातावरण, वरना पाओ दंड।।
प्रगति हेतु अब मत करो, वृक्षों का संहार।
बंद करो खिलवाड़ सब,
बदलो निज व्यवहार।
करो संतुलित अब प्रगति,
हरियाली रख ध्यान,
पर्यावरण सहेज लो, वरना सब बेकार।।
ऋतुओं के ढँग बदलते,
सूखा या अति वृष्टि।
प्रकृति कोप दिखला रही,
जहाँ पड़े अब दृष्टि।
ऊपर से आफत करे,
सकल प्रदूषण आज,
देती नित चेतावनी, बदला लेगी सृष्टि।।

कविता

मरी हुई सम्वेदनाएँ

राजकुमार जैन राजन

पीठ पर
बच्ची को कसकर बांधे
वह मजदूर औरत
इस तरह निकलती है
जैसे कोई योद्धा निकलता है
संग्राम के लिए
कुदालियों, गैंतियों, फावड़ों,
ईंट और गारे से
धनिकों के सुंदर आशियाने के
सपनों को
साकार करती लगी रहती है
जीने की विवशता के संघर्ष में
देह ढांपने में असमर्थ
फटे कपड़ों में झांकती देह को
राह चलते मनचलों और
ठेकेदार की
कामुक नज़रों से बचाती
सुबह से शाम तक
दो जून की रोटी के जुगाड़ में
अपने दो बच्चों और
शराबी पति के लिए
जो फ्लाई ओवर के नीचे
मटमैली चादर में लिपटा उड़ाता रहता
बीड़ी का धुआं और
गालियों का सैलाब
पसीना उसकी देह का
करता है श्रृंगार
और तपती धूप में
दरकती रहती है
सीमा रेखा भूख की
पांवों में कीचड़ की तरह लिपटी है
पीली पड़ गई परंपराएं जो
इन निष्कपट मजदूरों तक
नहीं पहुंचने देती
सरकारी योजनाओं, सुविधाओं की
अंजुरी भर रोशनी
हरपल निर्दयताओं से
टकराता इनका जीवन
तथाकथित सभ्य मानव की
मरी हुई संवेदनाओं में खो जाता है
कभी भी, कहीं भी!!

चित्रा प्रकाशन,आकोला - 312205
(चित्तौड़गढ़)
मोबाइल- 9828219919
ईमेल- rajkumarjainrajan@gmail.com

पुस्तक समीक्षा

चौपाल से विधान तक का सत्य

डॉ स्वाति चौधरी

चुनाव आते ही लोकतंत्र का चेहरा बदल जाता है, जनता केंद्र में आ जाती है और नेता उसके द्वार पर। किंतु, परिणामों के बाद वही लोकतंत्र फिर सत्ता की ऊँचाइयों में सिमटकर जनता को हाशिए पर छोड़ देता है। '

यही पड़ताल करता, डॉ. संजीव कुमार का उपन्यास * 'बागेश्वर एम.एल.ए. बन गया '* समकालीन हिंदी साहित्य में ग्रामीण राजनीति, सामाजिक संरचना और मानवीय मनोविज्ञान का एक सशक्त और बहुआयामी आख्यान प्रस्तुत करता है। यह कृति केवल सत्ता-प्राप्ति की कहानी ही नहीं, उस जटिल प्रक्रिया का संवेदनशील दस्तावेज़ है, जिसमें व्यक्ति, समाज और राजनीति एक-दूसरे में गहराई से गुंथे हुए दिखायी देते हैं।उपन्यास का सबसे बड़ा गुण इसकी ज़मीनी प्रामाणिकता है। लेखक ने ग्रामीण जीवन को किसी रोमानी दृष्टि से नहीं, उसके वास्तविक स्वरूप में चित्रित किया है; जहाँ चौपाल की चहल-पहल, जातिगत समीकरण, आपसी निर्भरताएँ, छोटे-छोटे स्वार्थ और सामूहिकता का विघटन सब एक साथ उपस्थित हैं। बागेश्वर का चरित्र इस समूचे ताने-बाने के केंद्र में स्थित है। वह न तो आदर्शवादी नायक है और न ही पूरी तरह से अवसरवादी राजनीतिज्ञ; वह इन दोनों के बीच स्थित एक व्यावहारिक व्यक्तित्व है, जो समय, परिस्थिति और जन-भावनाओं को समझते हुए आगे बढ़ता है।

पुस्तक : बागेश्वर एमएलए बन गया
(उपन्यास)
लेखक : डॉ संजीव कुमार
प्रकाशक : इंडिया नेट बुक्स, नोएडा
मूल्य : 250 रु.

लेखक ने बागेश्वर के उभार को क्रमिक और विश्वसनीय ढंग से प्रस्तुत किया है। उसकी निर्विरोध प्रधानी से लेकर विधायक बनने तक की यात्रा इस बात का प्रमाण है, कि लोकतंत्र में सत्ता केवल वाक्-पटुता या छल-कपट से नहीं, बल्कि निरंतर संपर्क, सेवा और रणनीतिक सूझ-बूझ से अर्जित होती है। चुनावी प्रक्रियाओं, बूथ प्रबंधन, गठबंधन, अफवाहों और सूचनाओं के आदान-प्रदान का जो सूक्ष्म चित्रण उपन्यास में मिलता है, वह इसे एक जीवंत राजनीतिक प्रमाण-पत्र का स्वरूप प्रदान करता है।

उपन्यास की एक उल्लेखनीय विशेषता इसके पात्रों की बहुलता और उनके मनोवैज्ञानिक आयाम हैं। पुत्तन, रतीराम, भगवानदीन जैसे पात्र सहायक होने के साथ-साथ कथा की गति और दिशा निर्धारित करने वाले सक्रिय घटक हैं। विशेषतः रतीराम का चरित्र ग्रामीण 'सूचना-तंत्र' का प्रतीक बनकर उभरता है, जो बताता है, कि राजनीति में सूचना ही शक्ति है। वहीं भगवानदीन जैसे पात्र यह संकेत देते हैं, कि सत्ता के खेल में नैतिकता कितनी लचीली हो सकती है।

स्त्री पात्रों का चित्रण इस उपन्यास को एक अतिरिक्त गहराई प्रदान करता है। सपना, विद्या, नीता और सुनैना के माध्यम से लेखक ने यह उजागर किया है, कि राजनीति का प्रभाव केवल सार्वजनिक जीवन तक सीमित नहीं रहता, बल्कि वह निजी संबंधों को भी प्रभावित करता है। विशेषतः राजनीतिक व्यक्तियों की पत्नियों का अकेलापन और भावनात्मक उपेक्षा एक मार्मिक यथार्थ के रूप में सामने आती है। यहाँ लेखक की संवेदनशीलता उल्लेखनीय है, कि वह स्त्रियों को दोषारोपण के बजाय परिस्थितियों के संदर्भ में समझते हैं।

भाषा की दृष्टि से उपन्यास अत्यंत सहज, बोल-चाल के निकट और प्रभावशाली है। स्थानीयता की गंध, संवादों की जीवंतता और वर्णन की प्रवाहशीलता पाठक को कथा के भीतर खींच लेती है। कहीं-कहीं व्यंग्यात्मक लहजा भी उभरता है, जो सामाजिक विसंगतियों को और अधिक तीक्ष्ण बना देता है।

हालाँकि, कुछ स्थानों पर पात्रों की अधिकता और घटनाओं की तीव्रता पाठक को थोड़ी जटिलता का अनुभव करा सकती है, फिर भी यह जटिलता ही उस वास्तविक जीवन की प्रतिध्वनि है, जिसे लेखक पकड़ना चाहता है। उपन्यास का अंत भी किसी चमत्कारी मोड़ के बजाय एक स्वाभाविक परिणति के रूप में सामने आता है, जो इसकी यथार्थवादी दृष्टि को पुष्ट करता है।

समग्रतः, * 'बागेश्वर एम.एल.ए. बन गया '* एक ऐसा उपन्यास है, जो ग्रामीण भारत की राजनीतिक संस्कृति, सामाजिक संरचना और मानवीय आकांक्षाओं को गहराई से समझने का अवसर देता है।

यह कृति यह स्थापित करती है, कि लोकतंत्र चुनावों का खेल ही नहीं; संबंधों, विश्वास, संघर्ष और धैर्य की सुदीर्घ प्रक्रिया है। बागेश्वर का चरित्र इस सत्य का प्रतीक बनकर उभरता है, कि सच्चा नेतृत्व समय के साथ गढ़ा जाता है; जनता के बीच, उनकी समस्याओं के बीच और उनकी आशाओं के बीच। अंततः यह उपन्यास इसी सत्य को उद्घाटित करता है, कि सत्ता की हर ऊँचाई का आरंभ ज़मीन से ही होता है और उसकी गूँज भी वहीं लौटती है :-

'लोगों ने बागेश्वर को पंचायत के सदस्य पद से प्रधान बनते और आज एम.एल.ए. बनते देखा। कुछ लोगों ने कहा कि बागेश्वर की जिंदगी एक सफल जिंदगी है, वो सबके लिए काम करता हैऔर चौपाल की ओर बढ़ते हुए कुछ युवा चिल्ला रहे थे- 'बागेश्वर एम.एल.ए. बन गया।

व्यंग्य

निष्क्रिय नर सदा सुखी...

मुकेश राठौर

दीगर क्षेत्रों में सक्रिय रहना भले अच्छा माना जाता हो,लेकिन सोशल मीडिया में निष्क्रिय नर प्रायः सदा सुखी देखे गए हैं।अब तो साइबर एक्सपर्ट भी कह रहे हैं कि सोशल मीडिया में जो जितना अधिक सक्रिय है,उसके ठगे जाने की उतनी अधिक संभावना है। इधर आप चाहे जैसे खरगोश हो गर ठंडी छांव में पड़े-पड़े सुस्ताते रहे तो ही मजे में रहेंगे। 'चाहे बजे डंका,चाहे जले लंका' आप तो बस आराम कीजिए। जब आप ताज़ा खबर,बबन भिया फैंस क्लब,जात भाई,आज के महान साहित्यकार जैसे यों ही वॉट्सएप समूहों में जबरिया जोड़ लिए गए हो,या फिर अपनी इच्छा से जुड़े हो,तो भी निष्क्रियता से बढ़िया नित्यप्रति की नौटंकी का निदान नहीं।

सोशल प्लेटफार्म पर निष्क्रिय रहने के कुछ फायदे इस प्रकार हैड्ड

(1)सोशल मीडिया फेसबुक,व्हाट्सएप समूहों में आए दिन बहसबाजी होती ही रहती है । टीवी चैनल हो तो बहस समय से शुरू होकर समय से खत्म हो जाए। इधर तो 'सुबह से लेकर शाम तक,शाम से लेकर रात तक 'टाइप स्थिति बनती है। कई बार बहस बढ़ते-बढ़ते थाने तक चली जाती है। इस बहस में वो बेचारे भी घसीट लिए जाते हैं जिन्होंने बीच-बीच में सिर्फ रोने हंसने के इमोजी भर भेजे थे। ऐसे में यदि आप निष्क्रिय है तो बहस के साथ भी और बहस के बाद भी मजे में रहेंगे।

(2)सोशल प्लेटफार्म पर कहीं भी आप हाथ या मुंह खोलते हैं तो दिल की बात मुंह या हाथ में आने का डर है।टीवी डिबेट में स्वतंत्र पत्रकार,राजनैतिक विश्लेषक या जानकार मुंह खोलते ही पकड़ में आ जाते हैं कि उनके मुंह में किस कंपनी की जुबान है। बोलने पर आदमी के दांत ही नहीं अक्ल की दाढ़ भी दिख जाती है। आप निष्क्रिय छविधारी है तो कभी भी यह आरोप नहीं लग सकता कि आप इधर के है या उधर के!

(3)व्हाट्सएप समूहों में यदि आप सक्रिय रहते हैं तो एडमिन कोई न कोई जिम्मेदारी सौंप देंगे। यह संसार की रीत है चालू बैल को ही छकड़े में जोता जाता है।उत्सर्जित होती ऊर्जा का हर कोई रूपांतरण करना चाहता है।...और फिर जिम्मेदारी मिलते ही आप मेंढक तौलने लगेंगे। निष्क्रिय बने रहे तो ही अच्छा।

(4)जब से सोशल मीडिया आया है खूब जन्मदिन मनने लगे हैं। जन्मदिन ही क्यों पुण्य स्मरण और एनिवर्सरियां भी7आप कहां तक बधाई,शुभकामना और फूल पत्तियां भेजोगे!और फिर उधौ को बधाई दे दीं और माधौ की अनदेखी कर दी तो वह 'देख लूंगा' वाले मोड में आ जाएगा। निष्क्रिय है तो सावन हरे न भादौ सूखे वाली स्थिति में रहेंगे।

(5)यदि आप किसी ग्रुप में तमाशबीन बनकर रहते हैं तो मुद्दा-ए-ख़ास पर आयोजित चर्चा में अपमानित होने और समूहनिकाले जैसी कार्यवाही से हमेशा बचे रहेंगे7बल्कि लेफ्ट होने जैसी सोशल सुसाइड से भी बचे रहेंगे। माने आग लगे बस्ती में अपन तो रहो मस्ती में।

(6)यदि आप व्हाट्सएप समूहों में निष्क्रिय अवस्था में रहते हैं। कम या बिल्कुल ही नहीं लिखते तो आपकी हिंदी कितनी अच्छी है और आपके विचार भी कितने श्रेष्ठ है इस पर हमेशा पर्दा पड़ा रहेगा। नतीजतन आपकी छवि एक भयंकर गंभीर और व्यस्त व्यक्ति की बनी रहेगी।

(7)विश्वास कीजिए आप समूह में निष्क्रिय है और सिर्फ अमावस-पूनम ही नजर आते हैं तो आपकी सभी को प्रतीक्षा रहेगी7सूरज,चांद,तारों को कौन निहारता है हेली धूमकेतु को सब नोटिस करते हैं। 'अतिपरिचयादवज्ञा संतत गमनादनादरो भवति। 'सास दैनिक गंगा नहाने जाए तो बहू रोज-रोज पैर नहीं पड़ती। आप कहेंगे ये सब तो ठीक है लेकिन जब कभी हमारा या हमारी सगी पत्नी का जन्मदिन या वैवाहिक वर्षगांठ जैसा कोई खुशी का प्रसंग आया तो फिर तब क्या करेंगे?या हमें कोई सम्मान वगैरह मिला तो उस खुशी को किसे बताएंगे?ऐसे तो जंगल में मोर नाचा किसने देखा जैसी बात हो जाएगी!...तो डोंट वरी उस दिन सचमुच सोशल मीडिया में सक्रिय रह लीजिए। आते-जाते हुए सबकी खबर रखने के बावजूद बाकायदा बेखबर बने रहना भी तो एक तरह की सक्रियता ही है।

मो.9752127511

कविता

सखी

मीना शर्मा

भेजने वाले ने तो तन्हा ही
भेजा था मुझे
एक-एक कर सारे सहारे
छीन लिए थे
शायद चाहा था उसने, मैं लड़ूँ
ये जंग अकेले ही
फिर एक के बाद एक उसकी
सारी साजिशें,
नाकाम होती चली गईं
और मेरी झोली में गिरते गए
आकाश-कुसुम एक-एक करके,
भर गई ज़िंदगी अपनेपन की मिठास
और स्नेहिल एहसासों से
जब देखा मेरा लश्कर,
मेरे बहादुर साथी, मुझसे हारकर
किस्मत ने टेक दिए घुटने
जब उसने सुनी हुंकार-सी,
एक मिली-जुली आवाज़
सखी! परे झटक दो
चुन लो नई राह
चल पड़ो हमकदम बन ।

लघुकथा

पेशगी

सपना चंद्रा

'ऐ रामा !.सुन इधर !.काहे परेशान है। आओ इहाँ!.हम बताते हैं कैसे काम होगा। उ ऑफिसवा में दोगो बाबू है. एक अपना आदमी है। अपने ही जात हैं उ बड़ा बाबू! कहना न कि हम जातभाई हैं। एकदम झट से बिना समय गँवाए काम कर देगें। बस थोड़ी खातिरदारी चाहते हैं। '

रतनलाल सरकारी कामकाज के चक्कर लगाते लोगों को मुर्गा बनाते हुए पारंगत हो चुका था।

आज रामा को देख आँखें चमक गयी थी।

'हाँ, हाँ!..चाचा !..उनको अपने घर बुलाकर खूब बढ़िया से इज्जत-पानी हम कर देंगे.'

'उ बाबू हमरा काम कर देंगे,तो हम जरूर खातिरदारी करेंगे. अब जातभाई होने के नाते वो हमरा मदद करे और हम इतना भी न करें तो बेकार। '

'ऐसा करो न चाचा!.तुम्हीं करवा दो जाकर हमरा काम। तुमहुँ से भेंट-गांठ हो जाएगा। '

'ठीक है !..तो निकाल पेशगी के लिए रकम.'

'रकम !.पर काहे..? '

'अरे मूरख!..ये कुछ चाय-पान के लिए होता है. तभी तो फुर्ति आएगी। '

'फिर ये हमरा-तुमरा जात भाई .? '

कहलगांव, भागलपुर (बिहार)
मो. 9430451879

बाल कहानी

पप्पू का गप्पू

अनिकेत सिंह

एक था लड़का, जिसका नाम था पप्पू। पप्पू वैसे तो चतुर और चालाक था, लेकिन बहुत बड़ा गप्पी था।बात-बात पर बढ़ा-चढ़ाकर बातें करना उसकी आदत थी। जहां भी मौका मिलता, वह गप्पें मारकर खुद को बहुत होशियार समझता था।

हर रोज वह वहां पहुंच जाता, जहां उसके दोस्त खेल रहे होते और फिर अचानक चिल्लाता, 'सांप आया... सांप आया। '

फिर धीरे से सबकी नजर बचाकर वहां से भाग जाता। पप्पू की इस झूठी चीख-पुकार से सारे दोस्त डर जाते। सब इधर-उधर भाग जाते, लेकिन असल में वहां कोई सांप होता ही नहीं था।

दूर छिपकर पप्पू यह सब देखता और खुश होता। उसे इस तरह झूठ बोलकर सबको डराने में मजा आता था।

फिर तो वह बारबार ऐसा करने लगा। जब भी उसके दोस्त खेलते, वह 'सांप आया... सांप आया।' कहकर सबको डराता। सब डरकर भागते और वह मन ही मन आनंद लेता।

कुछ दिन ऐसा ही चलता रहा।

फिर धीरे-धीरे सबको पता चल गया कि यह पप्पू की शरारत है। वह सबको डराने के लिए झूठ बोलता है और मजे लेता है। इसलिए एक-एक करके सब दोस्तों ने उससे दोस्ती तोड़ दी। आखिर किसी को भी पप्पू पर भरोसा नहीं रहा। वह अकेला पड़ गया। एक दिन की बात है। पप्पू तालाब में नहाने गया। उसके दोस्त पास ही खेल रहे थे। तभी अचानक पप्पू ने तालाब के किनारे सचमुच एक सांप देखा!

सांप को देखकर सारे दोस्त डरकर भाग गए! पप्पू तालाब में था। बाहर निकले तो सांप का डर और पानी में ज्यादा देर कैसे रहे?

सांप से बचने के लिए पप्पू जोर-जोर से चिल्लाया, लेकिन उसे बचाने कोई नहीं आया। वह बुरी तरह फंस गया। अगर पानी से बाहर निकले तो सांप काट ले और ज्यादा देर पानी में रहे तो बीमार पड़ जाए!

आखिर बहुत देर बाद पप्पू ने हिम्मत की और पानी से बाहर निकला। जैसे-तैसे भागने लगा, तभी सारे दोस्तों ने उसे घेर लिया और धक्का देकर सांप की तरफ धकेल दिया!

पप्पू के तो होश उड़ गए। वह बहुत डर गया। लेकिन जैसे ही वह सांप के पास पहुंचा, उसे पता चला कि वह असली सांप नहीं, बल्कि नकली सांप था! सभी दोस्त हंसने लगे, 'हा-हा-हा। '

एक दोस्त ने कहा, 'तू रोज हमें झूठ बोलकर डराता था न, तो आज तेरी बारी थी। यह नकली सांप हमने ही तुझे डराने के लिए रखा था। '

सारे दोस्त हँस रहे थे।

पप्पू को अपनी गलती समझ में आ गई। वह शर्म से सिर झुकाकर खड़ा रह गया। वह रोज सबको झूठ बोलकर डराता था और परेशान करता था। यह कितना गलत था, आज उसे समझ में आ गया।

उसने अपनी गलती मान ली और सब से माफी मांग ली। दोस्तों ने बड़ा दिल दिखाकर पप्पू को माफ कर दिया। उस दिन के बाद पप्पू ने हमेशा के लिए गप्पें मारना छोड़ दिया।

लवकुश कोचिंग क्लास, शॉप नंबर-12, प्रथम तल,
अभिषेक एलिसियम, एक्सिस बैंक लेन, समा-सालवी रोड, न्यू समा, बड़ौदा-390008
मो- 8368681336

कमजोर वैश्विक संकेतों के बावजूद भारतीय स्मॉल-कैप शेयरों ने अप्रैल में किया मजबूत प्रदर्शनः रिपोर्ट

नई दिल्ली । शनिवार को जारी एक रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिकी-ईरान संघर्ष के कारण कमजोर वैश्विक आर्थिक स्थिति के बावजूद भारतीय शेयर बाजार ने अप्रैल में सभी सेगमेंट में मजबूत रिटर्न दिया, जिसमें छोटी कंपनियों के शेयरों ने सबसे ज्यादा तेजी दिखाई।

ओमनीसाइंस कैपिटल की रिपोर्ट में कहा गया है कि निफ्टी स्मॉलकैप 250 इंडेक्स ने 13.4 प्रतिशत और निफ्टी माइक्रोकैप 250 इंडेक्स ने 16.2 प्रतिशत का शानदार रिटर्न दिया।

कंपनी ने बताया कि उसके 'भारत वेक्टर्स' फ्रेमवर्क, जिसमें करीब 1,500 निवेश योग्य कंपनियां शामिल हैं, के अनुसार छोटे मार्केट-कैप वाली कंपनियों ने बेहतर प्रदर्शन किया।

लगभग 1,500 करोड़ रुपए औसत मार्केट कैप वाली 250 कंपनियों और करीब 3,000 करोड़ रुपए मार्केट कैप वाली 250 कंपनियों ने क्रमश: 25.2 प्रतिशत और 23.2 प्रतिशत का रिटर्न दिया।

रिपोर्ट में कहा गया कि भू-राजनीतिक तनाव, कच्चे तेल की कीमतों में बढ़ोतरी, महंगाई, रुपए की कमजोरी और विदेशी निवेशकों की लगातार बिकवाली जैसी चिंताओं के बावजूद घरेलू बाजार ने अच्छा प्रदर्शन किया।

यह तेजी कमजोर आर्थिक संकेतकों के बावजूद आई, जिससे यह साफ होता है कि लंबे समय में शेयर बाजार कंपनियों की मूलभूत स्थिति (फंडामेंटल्स) पर आधारित होता है।

रिपोर्ट के अनुसार, यह तेजी कंपनियों के असली प्रदर्शन में सुधार की बजाय उनके वैल्यूएशन (मूल्यांकन) बढ़ने की वजह से आई है।

ओमनीसाइंस कैपिटल के सीईओ और चीफ इन्वेस्टमेंट स्ट्रैटेजिस्ट डॉ. विकास गुप्ता ने कहा कि बाजार एक जादूगर की तरह होता है, जो निवेशकों का ध्यान मैक्रो फैक्टर्स पर लगाता है, जबकि असली कमाई फंडामेंटल्स और सही वैल्यूएशन से होती है।

सभी सेक्टर्स में रिटर्न ऑन इक्विटी (आरओई), लेवरेज और ग्रोथ की उम्मीदों में ज्यादा बदलाव नहीं आया है, जिससे पता चलता है कि कंपनियों के मूल प्रदर्शन में कोई बड़ा सुधार नहीं हुआ है।

प्राइस-टू-अर्निंग (पी/ई) और प्राइस-टू-बुक (पी/बी) जैसे वैल्यूएशन तेजी से बढ़े हैं, जिससे संकेत मिलता है कि बाजार अब कंपनियों की मौजूदा ताकत के हिसाब से उनकी कीमत तय कर रहा है।

कंपनी के प्रेसिडेंट और चीफ पोर्टफोलियो मैनेजर अश्विनी शमी ने कहा कि बाजार में निवेश के अवसर हैं, लेकिन निवेशकों को कम कर्ज, ज्यादा आरओई, मजबूत ग्रोथ और उचित वैल्यूएशन वाली कंपनियों पर ध्यान देना चाहिए।

रिपोर्ट में यह भी बताया गया कि विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) लगातार बिकवाली कर रहे हैं। कैलेंडर वर्ष 2026 में अब तक लगभग 1.75 लाख करोड़ रुपए की निकासी हो चुकी है, जिसमें अप्रैल में करीब 44,000 करोड़ रुपए शामिल हैं।

सोना एक हफ्ते में एक हजार रुपए और चांदी तीन हजार रुपए से अधिक सस्ती हुई

नई दिल्ली। सोने और चांदी में इस हफ्ते गिरावट देखने को मिली, जिससे सोना और चांदी क्रमश: एक हजार रुपए और 3 हजार रुपए से अधिक सस्ते हो गए हैं।

इंडिया बुलियन ज्वेलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) के मुताबिक, 24 कैरेट सोने का दाम इस हफ्ते 1,216 रुपए कम होकर 1,50,263 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गया है, जबकि पहले यह 1,51,479 रुपए पर था।

22 कैरेट सोने की कीमत कम होकर 1,37,641 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गई है, जो कि पहले 1,38,755 रुपए प्रति 10 ग्राम थी। 18 कैरेट सोने का दाम कम होकर 1,12,697 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गया है, जो कि पहले 1,13,609 रुपए प्रति 10 ग्राम था।

इस हफ्ते सोने में सबसे न्यूनतम दाम 29 अप्रैल को 1,47,973 रुपए प्रति 10 ग्राम देखा गया। वहीं, उच्चतम दाम 27 अप्रैल को 1,51,186 रुपए प्रति 10 ग्राम देखा गया।

सोने के साथ चांदी की कीमत में भी गिरावट देखने को मिली है। चांदी का दाम 3,494 रुपए कम होकर 2,40,331 रुपए प्रति किलो हो गया है, जो कि पहले 2,43,828 रुपए प्रति किलो था।

इस हफ्ते चांदी में सबसे न्यूनतम दाम 29 अप्रैल को 2,36,300 रुपए प्रति किलो देखा गया। वहीं, उच्चतम दाम 27 अप्रैल को 2,43,720 रुपए प्रति किलो देखा गया।

वैश्विक अस्थिरता के कारण अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सोने का दाम कम होकर 4,585 डॉलर प्रति औंस और चांदी का दाम 74 डॉलर प्रति औंस के करीब आ गया है।

एक्सपर्ट्स के मुताबिक, सोने और चांदी में गिरावट की वजह फेड की ओर महंगाई बढ़ने के संकेत देना और सख्त टिप्पणी करना है, जिससे इस साल ब्याज दरों में कटौती की संभावना कम हो गई है। इसके अलावा उन्होंने कहा कि कच्चे तेल की कीमतों के लगातार ऊपरी स्तर पर बने रहने के कारण सोने और चांदी की कीमतों पर दबाव बना हुआ है।

रोहित जैन को नियुक्त किया गया आरबीआई का नया डिप्टी गवर्नर, तीन साल का होगा कार्यकाल

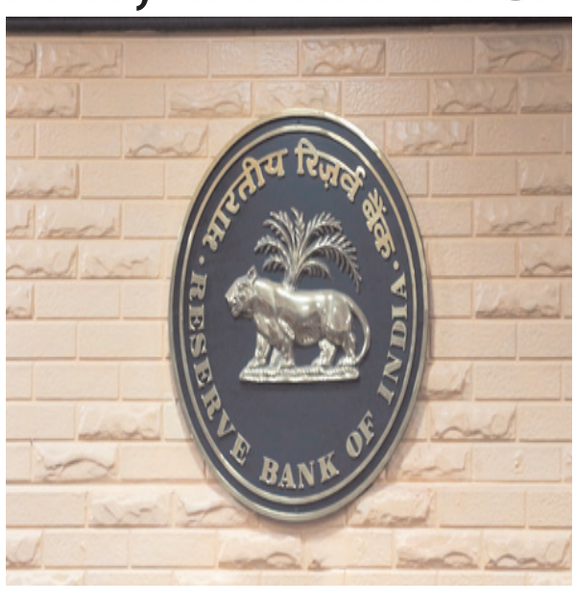

नई दिल्ली । सरकार ने रोहित जैन को भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) का डिप्टी गवर्नर नियुक्त किया है। यह जानकारी एक आधिकारिक नोटिफिकेशन में दी गई है।

नोटिफिकेशन में कहा गया है कि जैन की नियुक्ति 3 मई से प्रभावी होगी और उनका कार्यकाल तीन साल के लिए होगा।

वह वर्तमान में आरबीआई में एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर के पद पर कार्यरत हैं।

रोहित जैन, टी. रबी शंकर की जगह लेंगे, जो पिछले महीने के अंत में रिटायर हो गए थे।

डिप्टी गवर्नर के रूप में उन्हें कौन-कौन सी जिम्मेदारियां मिलेंगी, इसका अभी ऐलान नहीं किया गया है।

यह नियुक्ति ऐसे समय में हुई है जब केंद्रीय बैंक मुद्रा प्रबंधन और वित्तीय प्रणाली की स्थिरता पर ध्यान केंद्रित कर रहा है।

इसी बीच, आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने नीदरलैंड्स के एम्स्टर्डम में आयोजित 25वें एफआईएमएमडीए-पीडीएआई वार्षिक सम्मेलन में कहा कि वैश्विक तनाव के बावजूद भारत की अर्थव्यवस्था मजबूत बनी हुई है, जिसका कारण उपभोग और सरकारी निवेश है।

उन्होंने चेतावनी दी कि दुनिया के कई देशों में बढ़ता सरकारी खर्च और रक्षा खर्च, वैश्विक वित्तीय स्थिरता पर दबाव डाल सकता है।

आरबीआई गवर्नर ने यह भी कहा कि कुछ सेक्टर, खासकर टेक्नोलॉजी सेक्टर में बढ़ी हुई कीमतें, बाजार के लिए जोखिम पैदा कर सकती हैं।

उन्होंने बताया कि सरकार के पूंजीगत खर्च (कैपिटल एक्सपेंडीचर) पर जोर देने से निजी निवेश को बढ़ावा मिला है और उत्पादन क्षमता बढ़ी है।

संजय मल्होत्रा ने कहा कि सप्लाई चेन में बाधाएं और ऊर्जा की बढ़ती कीमतें पहले ही आर्थिक गतिविधियों को प्रभावित कर चुकी हैं।

उन्होंने चेतावनी दी कि अगर यह स्थिति लंबे समय तक बनी रही, तो इससे महंगाई पर भी असर पड़ सकता है।

उन्होंने कहा कि आरबीआई वैश्विक अनिश्चितता के बीच वित्तीय बाजारों को और मजबूत बनाने, उनमें भागीदारी बढ़ाने और संस्थागत ढांचे को बेहतर करने के प्रयास जारी रखेगा।

भारत का मेडिकल टूरिज्म बाजार 2030 तक दोगुना होकर 16.2 अरब तक पहुंचने की उम्मीदः सरकार

नई दिल्ली । सरकार ने शनिवार को कहा कि भारत 'मेडिकल वैल्यू ट्रैवल (एमवीटी)' यानी मेडिकल टूरिज्म का एक बड़ा केंद्र बनकर उभर रहा है, और मेडिकल टूरिज्म बाजार 2025 में लगभग 8.7 अरब डॉलर से बढ़कर 2030 तक करीब 16.2 अरब डॉलर तक पहुंच सकता है।

वैश्विक स्तर पर एमवीटी बाजार 2022 में करीब 115.6 अरब डॉलर का था, जो 2030 तक लगभग 286.1 अरब डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है, जिसमें सालाना करीब 10.8 प्रतिशत की वृद्धि दर (सीएजीआर) रहने की संभावना है।

एक आधिकारिक बयान में कहा गया है कि दुनिया भर में बढ़ती स्वास्थ्य सेवाओं की लागत, लंबा इंतजार और लाइफस्टाइल बीमारियों के बढ़ते बोझ के कारण लोग इलाज के लिए विदेशों का रुख कर रहे हैं।

भारत में एमवीटी (मैच्योर व्हीकल थेरेपी) का उदय आयुष जैसी पारंपरिक स्वास्थ्य प्रणालियों के साथ उन्नत चिकित्सा अवसंरचना के एकीकरण से प्रेरित है। इसके अलावा मजबूत नीतिगत समर्थन, डिजिटल सुविधाओं और आयुष वीजा व क्षेत्रीय चिकित्सा केंद्रों जैसी पहल से इस सेक्टर को मजबूती मिल रही है।

भारत का एमवीटी सिस्टम दो हिस्सों में काम करता है—एक, गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए मेडिकल टूरिज्म और दूसरा, योग और आयुर्वेद जैसी आयुष पद्धतियों पर आधारित वेलनेस टूरिज्म।

यह दोनों मिलकर उन्नत इलाज और बढ़ती रोकथाम (प्रिवेंटिव हेल्थकेयर) की जरूरतों को पूरा करते हैं।

2025 में भारत में 9.15 मिलियन विदेशी पर्यटक आए, जिनमें से 5,07,244 लोग इलाज के लिए आए थे। यानी कुल विदेशी पर्यटकों में मेडिकल टूरिज्म की हिस्सेदारी लगभग 5.5 प्रतिशत रही।

वर्ष 2025 में मेडिकल टूरिज्म के लिए भारत आने वाले प्रमुख देशों में बांग्लादेश (325,127), इराक (30,989), उज्बेकिस्तान (13,699), सोमालिया (11,506), तुर्कमेनिस्तान (10,231), ओमान (9738) और केन्या (9,357) शामिल रहे।

मेडिकल टूरिज्म इंडेक्स 2020-21 के अनुसार, भारत दुनिया के 46 प्रमुख मेडिकल टूरिज्म देशों में 10वें स्थान पर रहा, जबकि एशिया-प्रशांत क्षेत्र के टॉप 10 वेलनेस डेस्टिनेशन में पांचवें स्थान पर है।

केंद्र ने रेलवे और मेट्रो की क्षमता व सुरक्षा बढ़ाने के लिए 895 करोड़ रुपए के प्रोजेक्ट्स को दी मंजूरी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने मेट्रो रेल सिस्टम को मजबूत करने और रेलवे पुलों की सुरक्षा बढ़ाने के लिए 895.30 करोड़ रुपए के इंफ्रास्ट्रक्चर और क्षमता बढ़ाने वाले प्रोजेक्ट्स को मंजूरी दी है। रेल मंत्रालय ने शनिवार को यह जानकारी दी।

सरकार के अनुसार, कुल राशि में से 671.72 करोड़ रुपए के प्रोजेक्ट कोलकाता मेट्रो के नॉर्थ-साउथ कॉरिडोर की पावर सप्लाई सिस्टम को अपग्रेड करने के लिए मंजूर किए गए हैं।

इन कार्यों में 291.06 करोड़ रुपए की लागत से सात नए ट्रैक्शन सबस्टेशन बनाए जाएंगे, साथ ही एस्प्लेनेड से कवी सुभाष के बीच मौजूदा सबस्टेशनों का विस्तार और अपग्रेड किया जाएगा।

इसके अलावा, कुछ ऊंचे (एलीवेटेड) सेक्शन में बिजली सिस्टम को 11 केवी से बढ़ाकर 33 केवी किया जाएगा।

1980 के दशक में निर्मित कोलकाता मेट्रो को उस समय इस तरह डिजाइन किया गया था कि ट्रेनें लगभग 5 मिनट के अंतराल पर चल सकें।मंत्रालय ने कहा कि इन अपग्रेड के बाद ट्रेनें अब सिर्फ 2.5 मिनट के अंतराल पर चल सकेंगी, जिससे यात्रियों की संख्या और सेवा दोनों में काफी सुधार होगा।

इसके अलावा, 223.58 करोड़ रुपए का एक और प्रोजेक्ट दक्षिण पूर्व रेलवे के आद्रा डिवीजन में पुलों को मजबूत करने के लिए मंजूर किया गया है। इसमें मधुकुंडा और दामोदर के बीच 'ब्रिज नंबर 520' के दोनों ट्रैकों पर नई संरचना का निर्माण और ट्रैक से जुड़े अन्य काम शामिल हैं।रकार के अनुसार, मौजूदा पुल का निर्माण क्रमश: डाउनलाइन के लिए 1903 और अपलाइन के लिए 1965 में किया गया था, जो काफी पुराना हो चुका है, इसलिए इसकी नींव और ढांचे को फिर से बनाने की जरूरत है।

यह रेल सेक्शन आसनसोल और टाटानगर को जोड़ने वाला एक महत्वपूर्ण माल ढुलाई मार्ग है, जहां कोयले का भारी ट्रैफिक रहता है।

इस प्रोजेक्ट से सुरक्षा, भरोसेमंद संचालन और कार्यक्षमता में सुधार होगा, साथ ही दुर्गापुर-आसनसोल क्षेत्र में औद्योगिक गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलेगा।

केंद्र सरकार ने कहा कि ये प्रोजेक्ट्स रेलवे के आधुनिकीकरण, बेहतर सुरक्षा और बढ़ती परिवहन मांग को पूरा करने की दिशा में उठाए गए बड़े कदमों का हिस्सा हैं।

वित्त वर्ष 2026 में दोपहिया वाहनों की बिक्री में उछाल, शहरी मांग और प्रीमियम सेगमेंट ने बढ़ाया ऑटो बाजारः रिपोर्ट

नई दिल्ली। भारत के ऑटो सेक्टर में वित्त वर्ष 2026 के दौरान मांग के आधार पर सुधार देखने को मिला, लेकिन यह सुधार हर सेगमेंट में समान नहीं था। एक नई रिपोर्ट के अनुसार, शहरी क्षेत्रों की मांग और प्रीमियम वाहनों की बढ़ती पसंद ने इस रिकवरी को आगे बढ़ाया, जबकि ग्रामीण मांग कुछ कमजोर रही।

डेलॉयट इंडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, दोपहिया वाहनों ने इस रिकवरी में सबसे बड़ी भूमिका निभाई। इनके थोक बिक्री में साल-दर-साल 10.7 प्रतिशत और खुदरा बिक्री में 13.4 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई।

पैसेंजर व्हीकल सेगमेंट में प्रीमियम गाड़ियों का ट्रेंड जारी रहा, जहां मिड-साइज एंट्री सेगमेंट की हिस्सेदारी बढ़ी, जबकि पारंपरिक एंट्री-लेवल सेगमेंट कमजोर पड़ा।

कमर्शियल व्हीकल सेगमेंट में भी सुधार देखा गया, जहां यह लगभग 12.6 प्रतिशत की दर से बढ़ा। यह बढ़ोतरी इंफ्रास्ट्रक्चर गतिविधियों और पुराने वाहनों को बदलने की मांग के कारण हुई।

रिपोर्ट में कहा गया है, 'इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) को अपनाने की रफ्तार बढ़ रही है, लेकिन यह अभी भी असमान है। लागत और इंफ्रास्ट्रक्चर की कमी के कारण इनकी पहुंच सीमित बनी हुई है।'

दोपहिया बाजार में प्रीमियम मोटरसाइकिल की मांग में 40.7 प्रतिशत और स्कूटर की मांग में 18.5 प्रतिशत की मजबूत बढ़ोतरी देखी गई। इलेक्ट्रिक दोपहिया की बिक्री 21.8 प्रतिशत बढ़ी, लेकिन कुल ईवी हिस्सेदारी सिर्फ 6.5 प्रतिशत तक ही पहुंच पाई।ईवी अपनाने में केरल 14.1 प्रतिशत के साथ आगे रहा, जबकि कर्नाटक और ओडिशा में भी अच्छी बढ़ोतरी देखी गई। वहीं महाराष्ट्र में बिक्री बढ़ने के बावजूद हिस्सेदारी घटकर 9.2 प्रतिशत रह गई, क्योंकि पारंपरिक इंजन वाले वाहनों की मांग फिर बढ़ी।

वित्त वर्ष 2031 तक भारत की डेटा सेंटर क्षमता करीब छह गुना बढ़कर 10.5 गीगावाट तक पहुंचने की उम्मीदः रिपोर्ट

नई दिल्ली। एक नई रिपोर्ट के अनुसार, भारत में डेटा सेंटर की क्षमता वित्त वर्ष 2031 तक लगभग 6 गुना बढ़कर 1.8 गीगावाट (जीडब्ल्यू) से करीब 10.5 गीगावाट तक पहुंचने की उम्मीद है। यह बढ़ोतरी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के बढ़ते इस्तेमाल और डेटा लोकलाइजेशन नीतियों के कारण होगी।

इन्वेस्टमेंट बैंक मॉर्गन स्टेनली की रिपोर्ट में कहा गया है कि सिर्फ एआई से जुड़ा काम ही करीब 6.8 गीगावाट क्षमता का इस्तेमाल कर सकता है। इसके अलावा कम समय में डेटा प्रोसेस करने की जरूरत, सख्त डेटा लोकलाइजेशन नियम और बढ़ती कंप्यूटिंग जरूरतें भी इस मांग को बढ़ा रही हैं।

रिपोर्ट में कहा गया है कि बदलते वैश्विक हालात और भारत की नीतियां डेटा सेंटर सेक्टर में कई वर्षों तक बड़े निवेश को बढ़ावा दे रही हैं।

रिपोर्ट के अनुसार, डेटा सेंटर क्षमता बढ़ाने के लिए करीब 60 अरब डॉलर का निवेश हो सकता है। इसमें जमीन, बिजली सिस्टम, कूलिंग इंफ्रास्ट्रक्चर और नेटवर्किंग उपकरण शामिल हैं।

रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि इन ऊर्जा-खपत वाले डेटा सेंटर्स को चलाने के लिए बिजली क्षेत्र में 20 अरब डॉलर से ज्यादा के निवेश की जरूरत होगी। साथ ही कंपनियां अब नवीकरणीय ऊर्जा और स्टोरेज सॉल्यूशंस की ओर भी बढ़ रही हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक, डेटा लोकलाइजेशन जैसे नियम, डेटा सेंटर को इंफ्रास्ट्रक्चर का दर्जा और सरकारी प्रोत्साहन से निवेश तेजी से बढ़ रहा है और वैश्विक कंपनियां भारत की ओर आकर्षित हो रही हैं।

रिपोर्ट में कहा गया है, 'रणनीतिक रूप से, देश में डेटा स्टोर करने से डिजिटल संप्रभुता बढ़ती है, विदेशी इंफ्रास्ट्रक्चर पर निर्भरता कम होती है और भारत वैश्विक टेक कंपनियों के लिए एक क्षेत्रीय हब बन सकता है। रिपोर्ट में यह भी बताया गया कि इतनी तेजी से विस्तार में कुछ चुनौतियां भी हैं, जैसे सस्ती और भरोसेमंद बिजली की उपलब्धता और हाई-एंड कंप्यूटिंग हार्डवेयर के लिए भारत की आयात पर निर्भरता।

बेटे के गम में मां की मौत, सदमा कैसे ले लेता है जान, इमोशनल शॉक पीड़ित को कैसे संभालें?

उत्तर प्रदेश के इटावा जिले में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई। जब मां-बेटे में हुई कहासुनी के बाद बेटे ने जहर खाकर जान दे दी, तो मां इस सदमे को बर्दाश्त नहीं कर पाई और उसने भी फांसी लगाकर जीवन लीला समाप्त कर ली। इलाके में इमोशनल शॉक या भावनात्मक सदमे के कारण हुई इन मौतों ने हलचल पैदा कर दी है। लोग बार-बार यही बात कह रहे हैं कि किसी की मौत का सदमा क्या इतना खतरनाक होता है कि लोग खुदकुशी कर लेते हैं।

मेंटल हेल्थ एक्सपर्ट डॉ. कल्याणी नागर की मानें तो अचानक का गहरा दुख, तीव्र तनाव, चिंता या ट्रॉमा कई बार व्यक्ति को एक्सट्रीम कदम उठाने पर मजबूर कर देता है। जबकि कई बार इसका साइड इफेक्ट अपने आप ही शरीर पर दिखाई दे जाता है। सदमा भावनात्मक और शारीरिक दोनों रूपों में नुकसान पहुंचा सकता है।

सदमा ब्रेन और हार्ट पर सीधा असर डाल सकता है। तीव्र भावनात्मक सदमा ब्रोकन हार्ट सिंड्रोम या हार्ट अटैक जैसी स्थिति पैदा कर सकता है। अत्यधिक भावनात्मक सदमा व्यक्ति को गहरे अवसाद, हताशा और लाचारी की स्थिति में ले जा सकता है, जहां उसे आत्महत्या के अलावा कोई दूसरा रास्ता नजर नहीं आता। बेटे की मौत के बाद संभव है कि इस मां को भी ऐसा ही लगा हो।

हार्ट पर भी असर डालता है सदमा

अमेरिकन हार्ट एसोसिएशन के अनुसार, तीव्र सदमा शरीर में स्ट्रेस हार्मोन (कोर्टिसोल और एड्रेनालाइन) की अचानक वृद्धि कर देता है। इससे दिल की धड़कन तेज हो जाती है, ब्लड प्रेशर बढ़ता है और हृदय की मांसपेशियां अस्थायी रूप से कमजोर हो सकती हैं। भावनात्मक सदमा अचानक हार्ट अटैक के लक्षण पैदा कर सकता है, जैसे सीने में दर्द, सांस फूलना, चक्कर आना। कुछ मामलों में यह हार्ट फेल्योर या अरिदमिया (Arrhythmia) का कारण बन जाता है, खासकर पहले से हृदय रोग वाले लोगों में।

कैसे पहचानें खतरे के संकेत?

ऐसे में डॉक्टर और एसोसिएशन अक्सर सलाह देते हैं कि जब भी कोई बेहद दुख की घटना हो जाए, तो उससे जुड़े व्यक्ति का खास ध्यान रखना जरूरी है। हल्की सी लापरवाही भी जानलेवा हो सकती है। सदमा एक्यूट और क्रॉनिक दोनों ही स्थितियों में खतरनाक है।

सदमे में व्यक्ति चुप रह सकता है, रो सकता है या अचानक बेहोश हो सकता है। उसके सीने में दबाव, बांहों या जबड़े में दर्द, पसीना आना, उल्टी जैसा महसूस हो सकता है। आईसीएमआर की एक रिपोर्ट कहती है कि तीव्र मानसिक तनाव हार्ट अटैक को ट्रिगर कर सकता है।

क्या सदमे से मिल सकती है मुक्ति?

भावनात्मक सदमा स्ट्रेस कार्डियोमायोपैथी पैदा कर सकता है, जो ज्यादातर मामलों में रिवर्सिबल होता है, लेकिन समय पर इलाज जरूरी है।

गंगा दशहरा कब है? धरती पर हुआ था गंगा का अवतरण

गंगा दशहरा का पावन पर्व हर साल ज्येष्ठ माह के शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि को मनाया जाता है। लेकिन जिस साल ज्येष्ठ माह में अधिकमास जुड़ता है, तो अधिकमास के शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि की गणना की जाती है। इस दिन गंगा स्नान करने का विशेष महत्व है। गंगा स्नान करने से सारे पाप मिट जाते हैं और पुण्य की प्राप्ति होती है। इस दिन यदि आप गंगाजल से भगवान शिव का अभिषेक करते हैं, तो महादेव की कृपा प्राप्त होती है। आपकी मनोकामनाएं पूरी हो सकती हैं। गंगा दशहरा ज्येष्ठ माह में आता है, इसलिए इसे ज्येष्ठ या जेठ का दशहरा भी कहा जाता है। ज्येष्ठ शुक्ल दशमी को मां गंगा का अवतरण धरती पर हुआ था, इसलिए इस दिन को गंगा अवतरण दिवस के रूप में मनाया जाता है। आइए जानते हैं कि इस साल गंगा दशहरा कब है? गंगा दशहरा का मुहूर्त और महत्व क्या है?

2026 में गंगा दशहरा कब है?

इस साल ज्येष्ठ माह में अधिकमास जुड़ रहा है। इस वजह से गंगा दशहरा के लिए ज्येष्ठ अधिक मास के शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि की सही तारीख पता होनी चाहिए। इसके लिए पंचांग की मदद लेनी होगी। वैदिक पंचांग के अनुसार, ज्येष्ठ अधिक मास की शुक्ल दशमी तिथि 25 मई को 04:30 एएम से शुरू हो रही है और यह 26 मई को प्रात: 05:10 एएम तक रहेगी। गंगा दशहरा के लिए उदयातिथि की गणना की जाती है, ऐसे में गंगा दशहरा 25 मई, सोमवार को है।

गंगा दशहरा 2026 मुहूर्त

गंगा दशहरा हो या फिर कोई स्नान का पर्व, उसके लिए ब्रह्म मुहूर्त सबसे उत्तम समय माना गया है। गंगा दशहरा पर ब्रह्म मुहूर्त 04:04 एएम से लेकर 04:45 एएम तक है। इस मुहूर्त में आप स्नान कर लें तो बहुत उत्तम है। यदि ऐसा संभव न हो, तो सूर्योदय के बाद भी स्नान कर सकते हैं। गंगा दशहरा पर सूर्योदय का समय 05:26 एएम है।

गंगा दशहरा के दिन का शुभ समय यानी अभिजीत मुहूर्त 11 बजकर 51 मिनट से दोपहर 12 बजकर 46 मिनट तक है। उस दिन प्रात: संध्या का समय 04 बजकर 24 एएम से सुबह 05 बजकर 26 मिनट तक है। गंगा दशहरा पर स्नान और दान के अलावा गंगाजल से भगवान शिव की पूजा का विधान है।

इनके अलावा गंगा दशहरा पर अमृत-सर्वोत्तम मुहूर्त सुबह 05 बजकर 26 मिनट से सुबह 07 बजकर 09 मिनट तक है। वहीं दिन का शुभ-उत्तम मुहूर्त सुबह 08 बजकर 52 मिनट से सुबह 10 बजकर 35 मिनट तक है।

रवि योग में गंगा दशहरा

इस साल के गंगा दशहरा पर रवि योग बन रहा है। रवि योग पूरे दिन रहेगा। इस योग में सभी प्रकार के दोष मिट जाते हैं क्योंकि इसमें ग्रहों के राजा सूर्य का प्रभाव अधिक होता है। गंगा दशहरा का स्नान, दान और पूजा-पाठ रवि योग में ही होगा।

इस दिन वज्र योग प्रात:काल से लेकर 26 मई को तड़के 03 बजकर 15 एएम तक है। वहीं उत्तराफाल्गुनी नक्षत्र भी प्रात:काल से लेकर 26 मई को 04:08 एएम तक है।

गंगा दशहरा का महत्व

पौराणिक कथा के अनुसार, कपिल मुनि के श्राप की वजह से राजा सगर के 60 हजार पुत्रों का उद्धार नहीं हो रहा था।

राजा सगर के वंश में राजा भगीरथ हुए। उन्होंने राजा सगर के 60 हजार पुत्रों को मोक्ष दिलाने के लिए गंगा को धरती पर लाने का निश्चय किया, क्योंकि गंगा के स्पर्श से ही उन सभी को पापों से मुक्ति मिल सकती थी और वे मोक्ष पा सकते थे।

तब राजा भगीरथ ने अपने कठोर तप से ब्रह्मा जी को प्रसन्न किया और गंगा को धरती पर लाए। ज्येष्ठ शुक्ल दशमी को मां गंगा धरती पर अवतरित हुईं। उनके स्पर्श मात्र से राजा सगर के 60 हजार पुत्रों के पाप मिट गए और उन्हें मोक्ष मिला। तब से गंगा स्नान पापों से मुक्ति और मोक्ष प्राप्ति का माध्यम बन गया।

क्या आप अपनी गर्मियों की छुट्टियों की योजना बना रहे हैं? जानिए क्यों इस बार हवाई टिकट के लिए आपको ज्यादा भुगतान करना पड़ सकता है

अगर इस गर्मी में आपको फ्लाइट टिकट असामान्य रूप से महंगे लग रहे हैं, तो इसकी वजह सिर्फ मौसमी मांग नहीं है। इसके पीछे एक बड़ा कारण हजारों किलोमीटर दूर चल रहा ईरान संघर्ष है, जो वैश्विक ऊर्जा बाजार को प्रभावित कर रहा है और उड़ान की लागत बढ़ा रहा है।

बढ़ते हवाई किराए, कम होती उड़ानें और लंबा होता यात्रा मार्ग—एविएशन सेक्टर पहले ही दबाव महसूस कर रहा है। और भारतीय यात्रियों के लिए इसका असर अब नजरअंदाज करना मुश्किल होता जा रहा है।

फ्लाइट्स महंगी क्यों हो रही हैं

सबसे बड़ा कारण ईंधन है। जेट फ्यूल एयरलाइंस का सबसे बड़ा खर्च होता है, जो कुल संचालन लागत का लगभग 30-40 प्रतिशत होता है। जब तेल की कीमतें बढ़ती हैं, तो एयरलाइंस के पास इसका बोझ यात्रियों पर डालने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचता।

&ios के अनुसार, ईरान संघर्ष के चलते वैश्विक तेल कीमतों में तेज उछाल आया है। सप्लाई चेन में बाधा और प्रमुख शिपिंग मार्गों को लेकर चिंता ने कीमतों को और बढ़ा दिया है। कच्चे तेल की कीमत बढ़ने के साथ ही एविएशन टर्बाइन फ्यूल (ATF) महंगा हो जाता है, जिसका सीधा असर टिकट कीमतों पर पड़ता है।

ऐसी स्थिति में एयरलाइंस आमतौर पर तीन कदम उठाती हैं—टिकट कीमतें बढ़ाना, फ्यूल सरचार्ज जोड़ना और कम मुनाफे वाले रूट्स को बंद करना। दुर्भाग्य से यात्रियों के लिए, ये तीनों ही कदम अब वैश्विक स्तर पर उठाए जा रहे हैं।

संकट की जड़ क्या है

इस पूरे संकट के केंद्र में स्ट्रेट ऑफ होर्मुज़ है—एक संकीर्ण समुद्री मार्ग, जिससे दुनिया के लगभग पांचवें हिस्से का तेल गुजरता है, जैसा कि The Guardian ने बताया है।

यहां किसी भी तरह की अस्थिरता का वैश्विक असर तुरंत दिखाई देता है। तेल की आपूर्ति घटती है, कीमतें बढ़ती हैं और ईंधन पर निर्भर सेक्टर जैसे एविएशन सबसे पहले प्रभावित होते हैं। ईरान संघर्ष ने इस क्षेत्र में जोखिम बढ़ा दिया है, जिससे वैश्विक यात्रा पर व्यापक असर पड़ा है।

छुट्टियों में यात्रा करने वालों के लिए यह दोहरी मार है। समस्या सिर्फ ईंधन तक सीमित नहीं है। पश्चिम एशिया के संघर्ष क्षेत्रों से बचने के लिए एयरलाइंस को उड़ानों का मार्ग बदलना पड़ रहा है। इससे उड़ान का समय बढ़ता है, ईंधन की खपत ज्यादा होती है और विमानों का उपयोग कम हो जाता है। इसका नतीजा है—कुछ रूट्स पर कम उड़ानें और ज्यादा परिचालन लागत, जो किराए को और बढ़ा देती है।

दुनियाभर में एयरलाइंस पहले ही अपने शेड्यूल में बदलाव कर रही हैं और गर्मियों के पीक सीजन की शुरुआत के साथ किराए बढ़ने की चेतावनी दे रही हैं।

भारतीय यात्रियों के लिए यह ज्यादा अहम क्यों है

भारत वैश्विक तेल झटकों के प्रति खासतौर पर संवेदनशील है और एविएशन सेक्टर इसका असर सबसे पहले दिखाता है।

सबसे पहले, भारत अपनी जरूरत का अधिकांश कच्चा तेल आयात करता है, जिसमें से काफी हिस्सा खाड़ी क्षेत्र से आता है। पश्चिम एशिया में किसी भी तरह की बाधा का सीधा असर घरेलू ईंधन कीमतों पर पड़ता है।

हालिया आंकड़ों के अनुसार, अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के लिए एविएशन टर्बाइन फ्यूल की कीमतों में तेज बढ़ोतरी हुई है, और दिल्ली में इसकी दर 1,500 डॉलर प्रति किलोलीटर के पार पहुंच गई है, जैसा कि NDTV ने रिपोर्ट किया है। हालांकि घरेलू उड़ानों के किराए कुछ हद तक नियामकीय नियंत्रण के कारण संतुलित रहते हैं, लेकिन अंतरराष्ट्रीय उड़ानें पूरी तरह वैश्विक ईंधन कीमतों पर निर्भर होती हैं, जिससे विदेश यात्रा काफी महंगी हो जाती है।

इसका असर अब घरेलू और अंतरराष्ट्रीय दोनों क्षेत्रों में दिख रहा है। घरेलू रूट्स पर नागपुर से दिल्ली और मुंबई जैसे शहरों के लिए किराया एक हफ्ते में करीब 1,000 रुपये तक बढ़ गया है।

'इकोसाइड' क्या है और लेबनान इज़राइल पर इसका आरोप क्यों लगा रहा है?

लेबनान ने इज़राइल पर अक्टूबर 2023 से दिसंबर 2024 के बीच अपने सैन्य अभियानों के दौरान 'इकोसाइड (पर्यावरण संहार)' करने का आरोप लगाया है। यह आरोप देश की नेशनल काउंसिल फॉर साइंटिफिक रिसर्च (CNRS-L) की एक रिपोर्ट के आधार पर लगाया गया है।

एक नाजुक संघर्षविराम और क्षेत्र में जारी तनाव के बीच जारी इस रिपोर्ट में दक्षिणी लेबनान में हुए पर्यावरणीय नुकसान के पैमाने को विस्तार से बताया गया है। इस आरोप ने 'इकोसाइड' शब्द पर फिर से ध्यान केंद्रित कर दिया है, जो बड़े पैमाने पर पर्यावरण विनाश को दर्शाता है, लेकिन अभी तक इसे अंतरराष्ट्रीय अपराध के रूप में औपचारिक मान्यता नहीं मिली है।

इकोसाइड क्या है?

इकोसाइड का मतलब है मानव गतिविधियों के कारण होने वाला गंभीर और व्यापक पर्यावरणीय नुकसान, जो बड़े पैमाने पर या लंबे समय तक होता है।

इस शब्द का इस्तेमाल पहली बार 1970 में येल विश्वविद्यालय के वनस्पति वैज्ञानिक प्रोफेसर आर्थर डब्ल्यू. गैल्स्टन ने किया था। उन्होंने वियतनाम युद्ध के दौरान 'एजेंट ऑरेंज' के इस्तेमाल से हुए पर्यावरणीय विनाश को वर्णित करने के लिए इस शब्द का उपयोग किया।

1972 में स्टॉकहोम में आयोजित संयुक्त राष्ट्र मानव पर्यावरण सम्मेलन में स्वीडन के प्रधानमंत्री ओलोफ पाल्मे ने भी इस शब्द का इस्तेमाल किया, जिसके बाद यह अंतरराष्ट्रीय चर्चा का हिस्सा बन गया।

2021 में 'स्टॉप इकोसाइड इंटरनेशनल' नामक संस्था के विशेषज्ञ पैनल ने इसकी परिभाषा प्रस्तावित की—

'इकोसाइड का अर्थ है ऐसे गैरकानूनी या लापरवाह कृत्य, जिनके बारे में यह जानकारी हो कि उनसे पर्यावरण को गंभीर, व्यापक या दीर्घकालिक नुकसान होने की आशंका है।'

हालांकि रूस, यूक्रेन, चिली, फ्रांस और बेल्जियम जैसे कुछ देशों ने अपने घरेलू कानूनों में इकोसाइड या इससे मिलते-जुलते प्रावधान शामिल किए हैं, लेकिन इसे अभी तक अंतरराष्ट्रीय अपराध के रूप में मान्यता नहीं मिली है।

लेबनान ने इज़राइल पर क्या आरोप लगाए हैं?

106 पन्नों की रिपोर्ट की प्रस्तावना में लेबनान की पर्यावरण मंत्री तमारा एल ज़ैन ने नुकसान को 'जानबूझकर और व्यापक' बताया।

रिपोर्ट के अनुसार, इज़राइली सैन्य कार्रवाई ने दक्षिणी लेबनान के भौतिक और पारिस्थितिक ढांचे को बदल दिया। इसमें जंगलों, कृषि भूमि, समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र, जल संसाधनों और वायु गुणवत्ता को भारी नुकसान पहुंचने की बात कही गई है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि युद्ध के कारण बड़े पैमाने पर जंगल और कृषि भूमि नष्ट हुई, जो जैव विविधता के केंद्र और कार्बन सिंक के रूप में काम करते थे।

लगभग 5,000 हेक्टेयर वन क्षेत्र प्रभावित हुआ, जिससे आवास नष्ट हुए।

'एआई इंसानों की जगह नहीं ले सकता': चीनी अदालतों ने एआई के आधार पर नौकरी से निकालना अवैध ठहराया, क्या भारत में भी ऐसा संभव है?

हाल ही में चीन की अदालतों ने एक ऐतिहासिक मिसाल कायम करते हुए कंपनियों को केवल इस आधार पर कर्मचारियों को नौकरी से निकालने से रोक दिया है कि उनकी भूमिका कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) द्वारा स्वचालित कर दी गई है।

'एआई सेवा-समाप्ति प्रतिबंध' क्या है?

दिसंबर 2025 से अप्रैल 2026 के बीच हांगझोउ और बीजिंग की अदालतों ने यह निर्णय दिया कि एआई को अपनाना 'परिस्थितियों में बड़ा परिवर्तन' नहीं माना जा सकता।

अदालतों ने कहा कि एआई लागू करना एक स्वैच्छिक व्यावसायिक निर्णय है और यह प्राकृतिक आपदा या सरकारी नीति जैसे अनियंत्रित कारणों की श्रेणी में नहीं आता। इसलिए कंपनियां तकनीकी बदलाव का पूरा आर्थिक बोझ कर्मचारियों पर नहीं डाल सकतीं।

यदि कोई कंपनी केवल लागत बचाने के लिए एआई के नाम पर कर्मचारी को हटाती है, तो इसे अवैध सेवा-समाप्ति माना जाएगा। ऐसे मामलों में कर्मचारी को वैधानिक मुआवजे की दोगुनी राशि या पुनर्नियुक्ति का अधिकार मिलेगा।

दो प्रमुख मामले कौन से थे?

हांगझोउ मामला: 'झोउ' नामक कर्मचारी एक प्रौद्योगिकी कंपनी में एआई द्वारा तैयार पाठ की गुणवत्ता जांच का कार्य करते थे। कंपनी ने यह कहते हुए उनका वेतन घटा दिया कि अब एआई उनका कार्य कर सकता है और बाद में उन्हें सेवा से हटा दिया।

अदालत ने इस कार्रवाई को अवैध ठहराते हुए मुआवजा देने का आदेश दिया।

बीजिंग मामला: 'लियू' नामक कर्मचारी 2009 से मानचित्र संबंधी आंकड़ों के संग्रहण का कार्य कर रहे थे। कंपनी ने एआई आधारित प्रणाली लागू कर उनका विभाग समाप्त कर दिया और उनकी सेवा समाप्त कर दी। अदालत ने इसे भी अवैध माना और मुआवजा प्रदान किया।

कंपनियों के लिए क्या दायित्व तय हुए?

इन निर्णयों के बाद कंपनियों के लिए 'मानव-केंद्रित' परिवर्तन अनिवार्य कर दिया गया है।

भारत में मुंह के कैंसर का संकटः हर घंटे 5 मौतें, जागरूकता के बावजूद पुरुषों में क्यों बढ़ रहे हैं मामले

भारत में मुंह के कैंसर के खिलाफ पहला आधिकारिक अभियान 1975 में राष्ट्रीय कैंसर नियंत्रण कार्यक्रम के तहत शुरू हुआ था। 2000 के दशक में केबल टीवी नेटवर्क विनियमन अधिनियम के तहत सिगरेट और धूम्रपान के विज्ञापनों पर रोक लगा दी गई। 2023 में ओटीटी मंचों पर भी तंबाकू विरोधी चेतावनियां अनिवार्य कर दी गईं, जिन्हें छोड़ा नहीं जा सकता।

इसके बावजूद, भारत में पुरुषों के बीच मुंह के कैंसर के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। हर घंटे लगभग 5 लोगों की मौत हो रही है, जो सालाना करीब 48,000 से 52,000 मौतों के बराबर है।

भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद के एक हालिया अध्ययन के अनुसार, भारत में पुरुषों में मुंह के कैंसर के मामलों में प्रति वर्ष 1.20 प्रतिशत की वृद्धि हो रही है और कुल मामलों की संख्या लगभग 1,13,000 है। चीन, कनाडा और अमेरिका जैसे देशों में भी इसी तरह की बढ़ती प्रवृत्ति देखी गई है।

मुंह के कैंसर के प्रमुख कारण

के कैंसर का सबसे बड़ा कारण तंबाकू का सेवन है, जो लगभग 80 प्रतिशत मामलों के लिए जिम्मेदार है, खासकर 40 वर्ष से अधिक आयु के पुरुषों में।

सबसे बड़ा जोखिम बिना धुएं वाले तंबाकू उत्पादों जैसे गुटखा, खैनी और पान से है। धूम्रपान और शराब के साथ इनका सेवन करने से खतरा और बढ़ जाता है।

इसके अलावा कुछ अन्य कारण भी हैं:

मुंह की साफ-सफाई का अभाव लंबे समय तक मुंह में जलन या घाव

कुपोषण

बीमारी का देर से पता चलना

मानव पेपिलोमा विषाणु का बढ़ता खतरा बदलती जीवनशैली और यौन व्यवहार के कारण एक नया जोखिम भी सामने आया है—मानव पेपिलोमा विषाणु, विशेषकर एचपीवी-16। यह एक यौन संचारित संक्रमण है, जो अब मुंह और गले के कैंसर से भी जुड़ा पाया जा रहा है, यहां तक कि उन लोगों में भी जो तंबाकू का सेवन नहीं करते। दो दशक पहले मुंह के कैंसर के 10 प्रतिशत से भी कम मामले एचपीवी से जुड़े थे।

लेकिन अब यह संख्या बढ़ रही है।

वर्क-लाइफ बैलेंस जेंगा जैसा, थोड़ा सा बदलाव सब बिगाड़ देता है: अदा शर्मा

मुंबई। बॉलीवुड एक्ट्रेस अदा शर्मा ने वर्क-लाइफ बैलेंस को लेकर कहा कि काम और निजी जीवन के बीच सही संतुलन बनाना हमेशा संभव नहीं हो पाता। उन्होंने इसकी तुलना जेंगा के खेल से की और कहा कि अगर थोड़ी लापरवाही हो जाए तो सब कुछ बिगड़ जाता है।

अदा शर्मा ने आईएएनएस से बातचीत में कहा कि आज के समय में सही तरीके से काम और निजी जिंदगी के बीच बैलेंस बनाना आसान नहीं है। उन्होंने इसे एक उदाहरण देकर समझाया और कहा, 'जब भी मैं अपना शेड्यूल बैलेंस करने की कोशिश करती हूं, तो वो जेंगा टावर जैसा लगने लगता है। बस एक और शूट जुड़ता है और सब कुछ डगमगा जाता है। उनका कहना है कि परफेक्ट बैलेंस के पीछे भागने के बजाय वह दिन को हल्के-फुल्के अंदाज में जीने पर ध्यान देती हैं। छोटे-छोटे पलों में खुशी ढूंढना और खुद पर ज्यादा दबाव न डालना ही उनका तरीका है।

अदा ने आगे कहा, 'मैंने समझ लिया है कि मैं परफेक्ट बैलेंस में अच्छी नहीं हूं, लेकिन इतना जरूर कर लेती हूं कि पूरी तरह टूट न जाऊं। कई बार पांच घंटे की नींद को भी मैं सेहतमंद मान लेती हूं और दिन आराम से निकाल लेती हूं।'

उन्होंने यह भी बताया कि अगर वह समय पर शूट पूरा कर लें, हंस लें, समय पर खाना खा लें और फोन कहां रखा है यह याद रहे, तो उनके लिए वही एक सफल दिन होता है। उनके मुताबिक, छोटी-छोटी जीत ही असली वेलनेस हैं।

काम की बात करें तो 33 वर्षीय अभिनेत्री अदा शर्मा को हाल ही में फिल्म 'तुमको मेरी कसम' में देखा गया था, जिसे विक्रम भट्ट ने डायरेक्ट किया है। यह फिल्म डॉ. अजय मुर्डिया के जीवन से प्रेरित बताई जाती है, जो इंदिरा आईवीएफ के संस्थापक हैं। फिल्म में अनुपम खेर, इश्वाक सिंह और ईशा देओल जैसे कलाकार भी अहम भूमिकाओं में नजर आए।अब अदा जल्द ही फिल्म 'गवर्नर : द साइलेंट सेवियर' में नजर आएंगी, जिसमें उनके साथ मनोज बाजपेयी भी होंगे। यह फिल्म 1991 के आर्थिक संकट के दौरान आरबीआई गवर्नर रहे एस. वेंकटरमणन के समय से प्रेरित बताई जा रही है, हालांकि मेकर्स ने अभी इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं की है।

शबाना आजमी ने शेयर की 'खास' तस्वीर, दीया मिर्जा के नन्हे अव्यान ने लूटी महफिल

मुंबई। अभिनेत्री शबाना आजमी सोशल मीडिया पर काफी सक्रिय रहती हैं। शनिवार को उन्होंने एक मजेदार तस्वीर पोस्ट की, जिसमें उन्होंने वहां मौजूद प्रभावशाली महिलाओं के बीच हुई बातचीत का जिक्र किया है।

शबाना ने इंस्टाग्राम पर शेयर की गई तस्वीर में रिश्तों और दोस्ती की एक सुंदर बॉन्डिंग देखने को मिल रही है। तस्वीर में जहां आगे दीया मिर्जा अपने बेटे से बातचीत कर रही हैं, तो उसके पीछे ही शबाना अपनी दोस्त से बात कर रही हैं।

तस्वीर के बारे में बताते हुए अभिनेत्री ने लिखा, 'एक बहुत ही खूबसूरत पल कैमरे में कैद हुआ। इस तस्वीर में अभिनेत्री दीया मिर्जा अपने नन्हे बेटे अव्यान के साथ नजर आ रही हैं। वहीं, दूसरी ओर मैं और मशहूर फैशन डिजाइनर अनीता डोंगरे किसी गहरी और दिलचस्प चर्चा में डूबे हुए हैं।'

अभिनेत्री ने बताया कि यह केवल एक साधारण मुलाकात नहीं थी बल्कि, एक ऐसी मीट-अप था, जहां पर अलग-अलग क्षेत्रों की लगभग 30 प्रभावशाली महिलाओं ने शिरकत की। शबाना ने इस मुलाकात को 'बेहद प्यारी दोपहर' करार दिया। अभिनेत्री ने लिखा, 'यह एक बहुत ही प्यारी दोपहर थी, जहां करीब 30 प्रभावशाली महिलाएं एक साथ आईं। स्वादिष्ट खाने के साथ सभी ने मिलकर जोश भरी और दिलचस्प बातचीत का आनंद लिया।

शबाना आजमी की इस पोस्ट को उनके प्रशंसकों द्वारा काफी पसंद किया जा रहा है। विशेष रूप से दीया मिर्जा और उनके बेटे अव्यान की मौजूदगी ने इस फोटो में चार चांद लगा दिए हैं। फैंस कमेंट्स में इस 'वीमेन पावर' वाली मीटिंग की सराहना कर रहे हैं।शबाना आजमी और दीया मिर्जा के बीच गहरा और सम्मानजनक रिश्ता है, जो काम और निजी दोस्ती के बीच संतुलन बनाए रखता है। वे अक्सर सामाजिक मुलाकातों और विशेष कार्यक्रमों में एक-दूसरे के साथ दिखती हैं, जहां उनके बीच एक प्यारा बॉन्ड नजर आता है।

दोनों ने 'तहजीब' (2003) जैसी फिल्म में साथ काम किया है। खालिद मोहम्मद द्वारा निर्देशित 'तहजीब' एक हिंदी इमोशनल ड्रामा फिल्म है, जिसमें शबाना आजमी, उर्मिला मातोंडकर, अर्जुन रामपाल और दीया मिर्जा मुख्य भूमिका में थे।फिल्म में तहजीब (उर्मिला मातोंडकर) अपनी मां रुखसाना (शबाना आजमी) को अपने पिता की मौत का जिम्मेदार मानती है। यह कहानी जटिल मां-बेटी के जटिल संबंधों और मानसिक रूप से विकलांग बहन (दीया मिर्जा) की देखभाल के इर्द-गिर्द घूमती है।

थिएटर सबसे कम आंका जाने वाला माध्यम, एक्टर्स को ज्यादा सम्मान मिलना चाहिए : रश्मि देसाई

मुंबई। अभिनेत्री रश्मि देसाई ने थिएटर एक्टर्स की मेहनत और संघर्ष पर खुलकर बात की है। उन्होंने कहा कि थिएटर सबसे कम आंका जाने वाला माध्यम है, जहां कलाकार बहुत मेहनत करते हैं लेकिन उन्हें समय पर उनका हक नहीं मिल पाता।

रश्मि देसाई का कहना है कि थिएटर ने उन्हें बहुत कुछ सिखाया है। उन्होंने थिएटर को एक खूबसूरत और सीखने लायक माध्यम बताया है।

अभिनेत्री ने आईएएनएस को दिए इंटरव्यू में बताया, 'थिएटर एक्टर्स बहुत मेहनत करते हैं। उन्हें उनका हक समय पर नहीं मिलता। वे जिस तरह का मजा करते हैं, उनका एक छोटा सा परिवार होता है और वे उसी में खुश रहते हैं।

उन्हें किसी और की तारीफ की जरूरत नहीं होती। उन्हें यह सुनने की जरूरत नहीं होती कि ठीक है, यह करो, वह करो।

रश्मि ने थिएटर कलाकारों की रिस्क लेने की क्षमता की भी तारीफ के लिए ज्यादा सम्मान की बात पर जोर दिया। उन्होंने कहा, 'वे ज्यादा इज्जत के हकदार हैं। लोगों को थिएटर और थिएटर एक्टर्स के बारे में और जानना चाहिए। यह काम करने के लिए बहुत खूबसूरत माध्यम है।'

रश्मि देसाई ने अपने थिएटर अनुभव पर खुशी जताते हुए कहा कि उन्हें इस बात का दुख है कि उन्होंने इतने लंबे समय बाद थिएटर किया। उन्होंने वैशाली, प्रतिमा, अयूब, ओजस रावल और आसिफ पटेल जैसे सह-कलाकारों और निर्देशकों का आभार व्यक्त किया। रश्मि ने उन्हें कमाल और बेहद पॉजिटिव लोग बताया।

उन्होंने कहा कि थिएटर एक्टर्स रिस्क लेने के लिए तैयार रहते हैं। अगर कोई गलती हो जाए या असफलता हो तो भी उनके साथी उनका हाथ थाम लेते हैं और कहते हैं कि यह वक्त भी गुजर जाएगा। रश्मि के अनुसार, थिएटर सीखने का सबसे अच्छा माध्यम है जहां हर असफलता के बाद नई शुरुआत होती है।

रश्मि देसाई का करियर साल 2006 में 'रावण' से शुरू हुआ। इसके बाद 'परी हूं मैं' में डबल रोल और 'उतरन' से उन्हें व्यापक लोकप्रियता मिली। उन्होंने 'झलक दिखला जा', 'खतरों के खिलाड़ी', 'नच बलिये' जैसे रियलिटी शो में भी हिस्सा लिया। सलमान खान की फिल्म 'दबंग 2' में उनका कैमियो भी याद किया जाता है।

अभिनेत्री ने थिएटर कलाकारों

यश कुमार-निधि झा की वेडिंग एनिवर्सरी, एक्ट्रेस ने शेयर किया खास पोस्ट

मुंबई। भोजपुरी सिनेमी की लोकप्रिय कपल अभिनेता यश कुमार और अभिनेत्री निधि झा शनिवार को अपनी शादी की चौथी सालगिरह मना रहे हैं। इस खास मौके पर अभिनेत्री निधि झा ने इंस्टाग्राम के जरिए पति यश कुमार के लिए प्यारा सा पोस्ट शेयर किया।

अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर पति के साथ कुछ तस्वीरें पोस्ट कीं। इन तस्वीरों में दोनों के बीच केमिस्ट्री और खुशी साफ झलक रही है। अभिनेत्री ने तस्वीरें पोस्ट कर अपनी भावनाओं को व्यक्त करते हुए लिखा, 'आप मेरी ताकत और सुकून हैं। साथ में बिताए ये चार साल हमारे जीवन के सबसे खूबसूरत साल रहे हैं। इन सालों में साथ हंसने, रोने और हर दिन एक-दूसरे को थोड़ा और समझने के लिए शुक्रिया। आप सिर्फ मेरे पति नहीं हैं, बल्कि मेरी सबसे बड़ी ताकत और सुकून हैं। मेरी हर खुशी की वजह आप ही हैं।'

निधि ने आगे अपनी पोस्ट में यश का शुक्रिया अदा करते हुए लिखा, 'हर मुश्किल में आपने मेरा हाथ थामा और हर खुशी को और भी खूबसूरत बना दिया।

मैं दुआ करती हूँ कि हर जन्म में मुझे आप ही मिले क्योंकि आपके बिना मेरी दुनिया अधूरी है। शादी के 4 साल पूरे होने की अनंत शुभकामनाएं।'

निधि के पोस्ट करने के बाद कमेंट सेक्शन में बधाइयों का तांता लग गया। भोजपुरी फिल्म जगत के अन्य कलाकारों और उनके प्रशंसकों ने कपल को सालगिरह की शुभकामनाएं दीं।

अभिनेत्री अक्षरा सिंह ने हार्ट और नजर इमोजी शेयर कर प्रतिक्रिया दी। अभिनेत्री रिंकू भारती और सुबोद सेठ ने लिखा, 'दोनों को सालगिह की शुभकामनाएं।'

बता दें कि यश कुमार और निधि झा ने एक लंबे रिलेशनशिप के बाद शादी की थी। पर्दे पर भी इस जोड़ी को दर्शकों का भरपूर प्यार मिलता रहा है।

भोजपुरी अभिनेत्री निधि झा और यश कुमार की शादी 2 मई 2022 को हुई थी। दोनों की लव स्टोरी उतार-चढ़ाव भरी रही है। हालांकि, निधि यश की दूसरी पत्नी हैं।फिल्म 'इंडिया वर्सेस पाकिस्तान' (2018) के सेट पर करीब आने के बाद, इनकी दोस्ती प्यार में बदल गई। वहीं, पत्नी अंजना को तलाक देने के तुरंत बाद यश कुमार ने निधि झा को शादी के लिए प्रपोज कर दिया था। आज कपल के दो बच्चे हैं।

दीपिका सिंह ने शादी की सालगिरह पर पति के लिए 'धैर्य और शांति' की कामना की

मुंबई। लोकप्रिय टेलीविजन अभिनेत्री दीपिका सिंह ने पति रोहित राज गोयल के साथ शादी की सालगिरह मनाई।

दीपिका सिंह ने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर अपने पार्टनर के साथ कुछ अनदेखे पल साझा करते हुए नेटिजन्स को अपनी तस्वीरें दिखाईं।

प्रार्थना करने से लेकर यात्रा और बस में एक साथ पैर थपथपाने तक

इस पोस्ट ने उनके सुखमय पारिवारिक जीवन की झलक दी।

दीपिका ने फोटो शेयरिंग ऐप पर लिखा, 'हमारी सालगिरह मुबारक हो... एक तरफ दुनिया की सारी खुशियां, और दूसरी तरफ पत्नी के सामने चुप रहने की खुशी।'

उन्होंने अपने पति को इस विशेष दिन पर 'धैर्य और शांति' की शुभकामनाएं देते हुए कहा, 'इस वैवाहिक वर्षगांठ पर, ईश्वर आपको धैर्य और शांति का नया आशीर्वाद प्रदान करें।'

यह जानकर आपको शायद दिलचस्प लगे कि रोहित लोकप्रिय टेलीविजन शो 'दीया और बाती हम' के निर्देशक थे, जिसने दीपिका को घर-घर में मशहूर कर दिया। उनके किरदार संध्या को दर्शकों से बहुत प्यार मिला।

उन्होंने 2 मई 2014 को रोहित से शादी की। मई 2017 में दंपति ने अपने पहले बच्चे, एक बेटे का स्वागत किया।

फिलहाल, दीपिका एक और लोकप्रिय शो 'मंगल लक्ष्मी' में व्यस्त हैं।

हाल ही में, उन्हें संजय लीला भंसाली की फिल्म 'देवदास' में ऐश्वर्या राय बच्चन और माधुरी दीक्षित पर फिल्माए गए 'डोला रे डोला' गाने पर आंखों पर पट्टी बांधकर नृत्य करते हुए देखा गया था। दीपिका ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल पर शूट की एक झलक साझा की।

ट्रंप-मर्ज विवाद के बीच सुर्खियों में जर्मनी से सैनिक हटाने का अमेरिकी फैसला

वॉशिंगटन/बर्लिन। अमेरिका की जर्मनी में तैनात अपनी सेना हटाने का फैसला ले लिया है। तमाम अमेरिकी मीडिया आउटलेट्स ने शनिवार को इसकी वजह के साथ फैसले की सूचना दी। ईरान को लेकर जर्मनी के चांसलर फ्रेडरिक मर्ज के बयान पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की नाराजगी के बाद ट्रांस-अटलांटिक संबंधों में तनाव बढ़ा और सैन्य वापसी का ऐलान कर दिया गया। सवाल उठता है कि आखिर जर्मनी को क्यों जरूरत है अमेरिकी सेना की, क्या है इसका इतिहास?

जर्मनी में अमेरिकी सेना की मौजूदगी की शुरुआत दूसरे विश्व युद्ध के समय, 1945 में हुई थी। जब नाजी शासन ने सरेंडर किया, तब देश में 16 लाख अमेरिकी सैनिक थे; यह संख्या एक साल के भीतर घटकर 3 लाख से भी कम रह गई थी, और ये सैनिक मुख्य रूप से अमेरिकी कब्जे वाले इलाके का इंतजाम संभाल रहे थे।

शीत युद्ध शुरू होने तक जर्मनी में अमेरिकी मौजूदगी लगातार कम होती रही। इस दौरान, अमेरिकी सेना का मकसद नाजीवाद को खत्म करने से बदलकर जर्मनी को फिर से खड़ा करना हो गया, ताकि वह सोवियत संघ के खिलाफ एक मजबूत दीवार की तरह खड़ा हो सके। 1949 में नाटो और पश्चिमी जर्मनी के बनने के साथ ही, ये मिलिट्री बेस हमेशा के लिए वहीं जम गए। शीत युद्ध के चरम पर, अमेरिका जर्मनी में करीब 50 बड़े बेस और 800 से ज़्यादा जगहों से अपना काम चला रहा था। इनमें बड़े-बड़े हवाई अड्डों और बैरकों से लेकर जासूसी करने वाले ठिकाने तक शामिल थे। 1989 में बर्लिन की दीवार गिरने और उसके दो साल बाद सोवियत संघ की टूट के बाद से, इनमें से कई बेस बंद हो चुके हैं।

1960, 1970 और 1980 के दशकों में, जर्मनी में अमेरिकी सैनिकों की संख्या अक्सर 2,50,000 से अधिक रहती थी। इसके अलावा, लाखों लोग—यानी सैनिकों के परिजन—इन बेस के अंदर या आस-पास ही रहते थे। ये बेस धीरे-धीरे अपने आप में पूरे-पूरे अमेरिकी शहरों जैसे बन गए थे, जहां उनके अपने स्कूल, दुकानें और सिनेमाघर मौजूद थे।

चार अरब देशों को 8.6 अरब डॉलर के हथियार बेचने की अमेरिका ने की पेशकश

वाशिंगटन। पश्चिम एशिया में अस्थायी शांति के बीच अमेरिकी आर्म्स डील की खबरें सुर्खियों में हैं। अमेरिकी प्रशासन ने कांग्रेस की समीक्षा को दरकिनार करते हुए इजरायल, कतर, कुवैत और संयुक्त अरब अमीरात को 8.6 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक के हथियारों की बिक्री का प्रस्ताव दिया है।

अमेरिकी विदेश मंत्रालय के हवाले से सिन्हुआ ने बताया कि, इन चीजों में एडवांस्ड प्रिसिजन किल वेपन सिस्टम (उन्नत सटीक मारक हथियार प्रणाली), हवाई और मिसाइल डिफेंस रीप्लेनिशमेंट सर्विस (वायु एवं मिसाइल रक्षा पुन:पूर्ति सेवाएं) और एक इंटीग्रेटेड बैटल कमांड सिस्टम (एकीकृत युद्ध कमांड प्रणाली) शामिल था।

इस बीच, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सांसदों से कहा कि ईरान के खिलाफ युद्ध 'समाप्त' हो चुका है, इसलिए संसद से सैन्य कार्रवाई के लिए मंजूरी लेने की तय समय सीमा उन पर लागू नहीं होती। व्हाइट हाउस ने इस बारे में अमेरिकी संसद को एक चिट्ठी भेजी है। पोलिटिको के अनुसार ट्रंप ने कांग्रेस नेताओं को लिखे एक पत्र में कहा, '7 अप्रैल 2026 के बाद से अमेरिका और ईरान के बीच कोई गोलीबारी नहीं हुई है।'

उन्होंने कहा, '28 फरवरी 2026 से शुरू हुई शत्रुता अब समाप्त हो चुकी है।' सिन्हुआ न्यूज एजेंसी ने रिपोर्ट के हवाले से कहा कि यह कदम इस बहस को शांत करने की कोशिश है कि क्या इस सैन्य कार्रवाई के लिए कांग्रेस की मंजूरी जरूरी थी। 1973 में लागू वॉर पावर रेजोल्यूशन के तहत, राष्ट्रपति को सैन्य बल के उपयोग की सूचना कांग्रेस को देने के बाद 60 दिनों के भीतर कार्रवाई समाप्त करनी होती है। कांग्रेस की मंजूरी के बिना वे सैन्य कार्रवाई जारी नहीं रख सकते हैं।

संक्षिप्त खबर

यूएन शरणार्थी एजेंसी की चेतावनी : मध्य पूर्व संकट के कारण सहायता कार्यों में आ रही बाधा

जिनेवा। मध्य पूर्व में चल रहे संकट का असर अब सिर्फ उसी क्षेत्र तक सीमित नहीं रहा है, बल्कि इसका प्रभाव पूरी दुनिया की राहत सामग्री पहुंचाने वाली व्यवस्था पर पड़ रहा है। संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी उच्चायुक्त (यूएनएचसीआर) की प्रवक्ता ने चेतावनी दी है कि इससे मानवीय आपूर्ति श्रृंखलाओं और सहायता वितरण से जुड़े कामों पर बड़ा असर पड़ सकता है। खाड़ी क्षेत्र के अहम समुद्री रास्तों, खासकर होर्मुज स्ट्रेट के आसपास असुरक्षा और अस्थिरता बढ़ने से जहाजों की आवाजाही प्रभावित हुई है। इसके कारण दुनिया भर में ईंधन, खाने-पीने की चीजों और माल ढुलाई का खर्च बढ़ गया है। इससे जरूरी सामान महंगा हो गया है और उसकी सप्लाई में देरी हो रही है।

कार्लोटा वुल्फ ने एक नियमित प्रेस ब्रीफिंग में कहा कि इन बढ़ती कीमतों का सबसे ज्यादा असर उन लोगों पर पड़ रहा है, जो पहले से ही मुश्किल हालात में जी रहे हैं, जैसे शरणार्थी और अपने घरों से बेघर हुए लोग। साथ ही, राहत एजेंसियों के लिए समय पर मदद पहुंचाना भी मुश्किल होता जा रहा है।

प्रमुख समुद्री मार्गों के बंद होने के कारण लंबे और अधिक महंगे विकल्पों का अधिक उपयोग करने की मजबूरी पैदा हो गई है। इससे समय भी ज्यादा लग रहा है और काम और जटिल हो गया है। लड़ाई शुरू होने के बाद से जरूरी सामान लाने वाले देशों से माल ढुलाई का खर्च करीब 18 प्रतिशत तक बढ़ गया है। वहीं, इस साल की शुरुआत से यूएनएचसीआर के ट्रांसपोर्ट नेटवर्क की क्षमता 97 प्रतिशत से घटकर 77 प्रतिशत रह गई है। वुल्फ ने कहा, 'कुछ खेपों के लिए, लागतें दोगुनी से भी अधिक हो गई हैं; उदाहरण के लिए, दुबई में यूएनएचसीआर के वैश्विक भंडारों से सूडान और चाड में हमारे अभियानों के लिए राहत सामग्री के परिवहन की लागत।'

यूएनएचसीआर ने खास तौर पर अफ्रीका की स्थिति को लेकर चिंता जताई है, जहां पहले से ही कई बड़े विस्थापन संकट चल रहे हैं और अक्सर इन्हें नजरअंदाज कर दिया जाता है।

केन्या में, जहां यूएनएचसीआर का एक वैश्विक भंडार स्थित है, हाल ही में ईंधन की कीमत करीब 15 प्रतिशत बढ़ने से इथियोपिया, कांगो और दक्षिण सूडान तक सामान भेजने में देरी हो रही है और ट्रकों की कमी भी महसूस की जा रही है। सिन्हुआ समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, सूडान में हाल के महीनों में सहायता पहुंचाने की लागत दोगुनी हो गई है। वहीं, केप ऑफ गुड होप के रास्ते सामान भेजने पर डिलीवरी में लगभग 25 दिन की अतिरिक्त देरी हो रही है। प्रवक्ता ने चेतावनी दी कि अगर मध्य पूर्व में अस्थिरता जारी रहती है, तो बढ़ती लागत, देरी और सीमित परिवहन क्षमता के कारण राहत कार्य और भी ज्यादा प्रभावित हो सकते हैं।

बदलते सुरक्षा परिदृश्य के बीच प्रमुख युद्धक्षेत्र के रूप में उभर रहे समुद्री चोकपॉइंट्स

वॉशिंगटन। अरब सागर, होर्मुज स्ट्रेट और लाल सागर मिलकर आपस में जुड़ा समुद्री नेटवर्क बनाते हैं, जो वैश्विक स्तर पर महत्वपूर्ण आवागमन को बनाए रखता है। इनमें से किसी एक हिस्से में बाधा आने पर पूरे तंत्र पर श्रृंखलाबद्ध प्रभाव पड़ सकता है।

अमेरिकी समाचार वेबसाइट होमलैंड सिकयोरिटी टुडे की एक रिपोर्ट के अनुसार, इस आपसी जुड़ाव से यह स्पष्ट होता है कि समुद्री क्षेत्र को अलग-अलग हिस्सों के रूप में नहीं, बल्कि एक एकीकृत अवसंरचना प्रणाली के रूप में देखा जाना चाहिए।

इस परिदृश्य में, आर्थिक और राजनीतिक स्थिरता को बनाए रखने वाले महत्वपूर्ण प्रवाह अब राज्य और गैर-राज्य दोनों तरह के तत्वों के निशाने पर हैं।

रिपोर्ट में कहा गया है, 'अरब सागर और उससे जुड़े जलमार्ग वैश्विक प्रणाली के सबसे महत्वपूर्ण अवसंरचना गलियारों में से एक हैं। होर्मुज स्ट्रेट को लाल सागर और आगे स्वेज नहर से जोड़ते हुए यह समुद्री क्षेत्र एशिया, मध्य पूर्व, अफ्रीका और यूरोप के बीच ऊर्जा, वस्तुओं और डेटा के आवागमन को सुनिश्चित करता है। यह केवल एक भौगोलिक विस्तार नहीं बल्कि महत्वपूर्ण अवसंरचना प्रवाह की एकीकृत प्रणाली है और तेजी से आधुनिक संघर्ष का केंद्र बनता जा रहा है।'

रिपोर्ट में आगे कहा गया, 'हालिया घटनाक्रम दर्शाते हैं कि इस प्रणाली को राज्य, उनके सहयोगी समूहों और आतंकवादी संगठनों द्वारा अलग-अलग लेकिन आपस में जुड़े तरीकों से निशाना बनाया जा रहा है। इन खतरों को तीन मॉडलों के माध्यम से समझा जा सकता है—चोकपॉइंट बाधा, समुद्री घुसपैठ और लगातार समुद्री असुरक्षा। ये सभी मिलकर दिखाते हैं कि समुद्री क्षेत्र अब अवसंरचना-केंद्रित प्रतिस्पर्धा का प्रमुख मंच बन चुका है।'

रिपोर्ट में यह भी रेखांकित किया गया कि समुद्री अवसंरचना को निशाना बनाने का सबसे तात्कालिक और वैश्विक रूप से महत्वपूर्ण उदाहरण होर्मुज स्ट्रेट में जारी संकट है।

ईरान संघर्ष में मध्य एशिया स्थित कई अमेरिकी सैन्य अड्डे पूरी तरह बर्बाद: रिपोर्ट

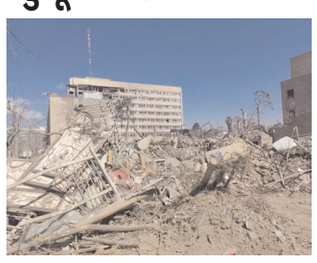

वाशिंगटन। अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच 28 फरवरी से शुरू हुए संघर्ष के दौरान मध्य पूर्व में स्थित अमेरिकी सैन्य ठिकानों को भारी नुकसान पहुंचाया गया है। एक रिपोर्ट के अनुसार, 8 देशों में फैले 16 अमेरिकी सैन्य अड्डों पर इसका असर पड़ा है, जिनमें से कुछ अब लगभग उपयोग के लायक नहीं बचे हैं। सीएनएन की जांच में सामने आया है कि ये क्षतिग्रस्त ठिकाने क्षेत्र में मौजूद अमेरिकी सैन्य अड्डों का बड़ा हिस्सा हैं।

एक संसदीय सहायक के अनुसार, नुकसान का आकलन अलग-अलग स्तर का है—कुछ जगहों पर पूरे ठिकाने को बंद करना पड़ सकता है, जबकि कुछ को रणनीतिक महत्व के कारण मरम्मत योग्य माना जा रहा है।

रिपोर्ट में सैटेलाइट तस्वीरों के हवाले से बताया गया है कि ईरान ने खास तौर पर उन्नत अमेरिकी रडार सिस्टम, संचार प्रणाली और विमानों को निशाना बनाया, जो काफी महंगे और सीमित संसाधन हैं। रिपोर्ट में कहा गया है, इसमें से दर्जनों सैटेलाइट इमेज को बदलना मुश्किल होगा, जिसमें दर्जनों सैटेलाइट इमेज के अलावा अमेरिका और खाड़ी देशों में स्थित सोर्स के साथ इंटरव्यू शामिल थे। कांग्रेस सहयोगी ने कहा, 'यह ध्यान देने वाली बात है कि उन्होंने सच में उन जगहों को निशाने पर लिया जो लागत के लिहाज से काफी अहम थे (कीमती थे)। हमारे रडार सिस्टम इस इलाके में सबसे महंगे और सबसे सीमित रिसोर्स हैं।'

अमेरिका का मानना, समुद्री नाकेबंदी से ईरान को हुआ 456 अरब रुपए का नुकसान: रिपोर्ट

वाशिंगटन। अमेरिकी की समुद्री नाकाबंदी के कारण ईरान को तेल राजस्व में लगभग 4.8 अरब डॉलर (456 अरब रुपए) का नुकसान हुआ है। एक्सियोस के मुताबिक यह आकलन अमेरिकी रक्षा मंत्रालय (पेंटागन) का है।

रिपोर्ट में बताया गया है कि नाकेबंदी के दौरान दो टैंकर जब्त किए गए। इसके अलावा, अधिकारियों ने दावा किया कि लगभग 53 मिलियन बैरल तेल ले जा रहे 31 टैंकर इस समय 'खाड़ी में फंसे हुए हैं,' जिससे ईरान के तेल निर्यात में आई भारी गिरावट का अंदाजा लगाया जा सकता है। कथित तौर पर इसी वजह से उसे 4.8 अरब डॉलर (करीब 45,600 करोड़ रुपए) का नुकसान झेलना पड़ रहा है। ईरान के समुद्र में अमेरिकी नाकाबंदी पूरी ताकत से लागू है, जिससे ईरान की फंडिंग क्षमता को बड़ा झटका लगा है। इन्हीं अधिकारियों के अनुसार, कुछ जहाज अब 'अमेरिकी नाकेबंदी के डर से चीन को तेल पहुंचाने के लिए एक महंगा और लंबा रास्ता चुन रहे हैं,' जिससे पता चलता है कि अमेरिकी सेना की सख्त कार्रवाई के डर से जहाजों के आने-जाने के तरीकों में बदलाव आया है। यह नाकेबंदी अमेरिका ने ईरान के बंदरगाहों पर एक अस्थायी संघर्षविराम के दौरान लगाई थी। इसका मकसद ईरान पर दबाव डालना था ताकि वह पाकिस्तान की मध्यस्थता से हुए उस युद्धविराम को मान ले, जिससे इजरायल, अमेरिका और ईरान के बीच चल रहा संघर्ष हमेशा के लिए खत्म हो जाए। ईरान ने पिछले महीने कहा था कि इजरायल और लेबनान में सशस्त्र समूह हिज्बुल्लाह के बीच 10 दिन के संघर्ष विराम की घोषणा के बाद होर्मुज को व्यापारिक जहाजों के लिए पूरी तरह से फिर से खोल दिया है।

नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के. त्रिपाठी समुद्री सहयोग को बढ़ावा देने के लिए चार दिवसीय म्यांमार दौरे पर

नई दिल्ली। भारतीय नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी 2 मई से 5 मई तक म्यांमार के चार दिवसीय आधिकारिक दौरे पर हैं। इस दौरे का मुख्य उद्देश्य भारत और म्यांमार के बीच समुद्री सहयोग और रक्षा संबंधों को और मजबूत करना है।

आधिकारिक जानकारी के अनुसार, इस यात्रा के दौरान नौसेना प्रमुख म्यांमार के शीर्ष सैन्य और रक्षा नेतृत्व के साथ द्विपक्षीय बैठकें करेंगे। इनमें म्यांमार सशस्त्र बलों के कमांडर-इन-चीफ जनरल ये विन ऊ, रक्षा मंत्री जनरल यू हतुन आंग और म्यांमार नौसेना के प्रमुख एडमिरल ह्तेइन विन शामिल हैं। इन बैठकों में दोनों देशों के बीच चल रहे समुद्री सहयोग की समीक्षा की जाएगी, ऑपरेशनल स्तर पर तालमेल को बेहतर बनाने पर चर्चा होगी और नए सहयोग के अवसर तलाशे जाएंगे।

इस दौरे में एडमिरल त्रिपाठी म्यांमार नौसेना के महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों (सेंट्रल नेवल कमांड, नेवल ट्रेनिंग कमांड और नंबर-1 फ्लीट) का भी दौरा करेंगे। इसके अलावा, वे म्यांमार सशस्त्र बलों के शहीद सैनिकों के स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित करेंगे। इन सभी कार्यक्रमों में समुद्री सुरक्षा, क्षमता निर्माण, संसाधनों के विकास और प्रशिक्षण जैसे अहम मुद्दों पर फोकस रहेगा।

भारत और म्यांमार की नौसेनाएं नियमित रूप से कई माध्यमों से सहयोग करती रही हैं। इनमें डिफेंस कोऑपरेशन मीटिंग, स्टाफ टॉक्स, प्रशिक्षण आदान-प्रदान और ऑपरेशनल गतिविधियां शामिल हैं। दोनों देशों के बीच 'इंडिया-म्यांमार नेवल एक्सरसाइज (आईएमएनईएक्स)' और 'इंडो-म्यांमार कोऑर्डिनेटेड पेट्रोल (आईएमसीओआर)' जैसे अभ्यास भी होते रहे हैं। इसके अलावा पोर्ट विजिट और हाइड्रोग्राफिक सर्वे भी सहयोग का हिस्सा हैं।

म्यांमार ने भारत द्वारा आयोजित कई अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रमों (जैसे इंडियन ओशन नेवल सिम्पोजियम, मिलन, इंटरनेशनल फ्लीट रिव्यू, गोवा मैरीटाइम कॉन्क्लेव, आईओएस एसएजीएआर और एडमिरल्स कप) में भी भाग लिया है, जो दोनों देशों के मजबूत रिश्तों को दर्शाता है।

नौसेना के प्रवक्ता ने सोशल मीडिया पर कहा कि यह दौरा हिंद महासागर क्षेत्र में समुद्री साझेदारी को और मजबूत करेगा। साथ ही, यह भारत की क्षेत्रीय स्थिरता, आपसी विकास और समुद्री सुरक्षा को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता को भी दर्शाता है।

यह दौरा भारत और म्यांमार के बीच लंबे समय से चले आ रहे भरोसे और सहयोग को और गहरा करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

यरुशलम में कैथोलिक नन पर हमले की स्पेन ने की निंदा

नई दिल्ली। स्पेन के विदेश मंत्रालय ने यरुशलम में एक फ्रांसीसी कैथोलिक नन पर हुए हमले की कड़ी निंदा करते हुए दोषियों को न्याय के कटघरे में लाने की मांग की। साथ ही इजरायल से उपासना की स्वतंत्रता सुनिश्चित करने की बात कही।

स्पेन के विदेश मंत्रालय ने आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट 'एक्स' पर पोस्ट साझा करते हुए लिखा, ''स्पेन की सरकार यरुशलम में एक फ्रांसीसी कैथोलिक नन पर हुए गंभीर हमले की कड़ी निंदा करती है। स्पेन पीड़ित के प्रति अपनी एकजुटता व्यक्त करता है और उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता है। इस अपराध के दोषी को अवश्य ही न्याय के कटघरे में लाया जाना चाहिए।

पोस्ट में लिखा, ''इजरायल को उपासना की स्वतंत्रता की गारंटी देनी चाहिए, यरुशलम में यथास्थिति का सम्मान करना चाहिए और हिंसा की ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए आवश्यक कदम उठाने चाहिए।''

वहीं, इजरायल के विदेश मंत्रालय ने इसे 'शर्मनाक कृत्य' बताते हुए इसकी निंदा की है। घटना माउंट सियोन की है। जो यहूदी लोगों द्वारा राजा डेविड की कब्र के रूप में पूजनीय स्थल और सिनेकल के पास स्थित है, जिसे ईसाई पारंपरिक रूप से अंतिम भोज का स्थल मानते हैं।

पश्चिम एशिया संकट का अमेरिकी एविएशन सेक्टर पर असर, किफायती स्पिरिट एयरलाइन ने उड़ानें की बंद

वाशिंगटन। ईरान संघर्ष का असर अमेरिकी एविएशन सेक्टर भी दिखने लगा है। शनिवार को अमेरिकी कंपनी स्पिरिट एयरलाइंस ने उड़ानें बंद करने का ऐलान कर दिया। कंपनी 34 साल इस सेक्टर में गुजार चुकी है लेकिन वर्तमान हालात में उसने हाथ खड़े कर दिए हैं।

कंपनी ने शनिवार को अपनी आधिकारिक वेबसाइट पर घोषणा की कि वो अपना कारोबार बंद कर रही है और तुरंत ही अपनी सभी उड़ानें रोक रही है। एयरलाइन ने ग्राहकों को दिए एक नोटिस में कहा, 'सभी उड़ानें रद्द कर दी गई हैं, और अब कस्टमर सर्विस भी उपलब्ध नहीं है।'

वहीं, विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर एयरलाइन ने बताया कि उसके बुकिंग प्लेटफॉर्म की जगह अब रिफंड और आगे की कार्रवाई के बारे में जानकारी दी जा रही है। स्पिरिट को ईंधन की बढ़ती कीमतों, बढ़ते खर्चों और यात्रा की मांग में आए बदलावों के कारण काफी दबाव का सामना करना पड़ रहा था। इस साल तेल की कीमतों में बढ़ोतरी से उसकी स्थिति कमजोर होने से पहले, उसने दिवालियापन से बाहर निकलने की भी योजना बनाई थी। इसकी मूल वजह जेट फ्यूल की कीमतों में वृद्धि बताई जा रही है। एयरलाइन ने कहा, 'हमें पिछले 34 वर्षों में बेहद कम लागत वाले मॉडल को प्रस्तुत करने पर गर्व है, और हमें उम्मीद थी कि हम आने वाले कई वर्षों तक अपने मेहमानों की सेवा करते रहेंगे।'

एयरलाइन ने दो साल से भी कम समय में दो बार दिवालिया होने के लिए अर्जी दी थी। सरकार से आर्थिक मदद पाने की कोशिशें नाकाम रहीं, जिसके चलते करीब 17,000 लोग बेरोजगार हो गए। रॉयटर्स के अनुसार, यह शटडाउन ऋण देने वाले और अमेरिकी सरकार के साथ एक प्रस्तावित बेलआउट पैकेज को लेकर चल रही बातचीत असफल रहने के बाद हुआ है; इसके चलते एयरलाइन के पास अपने ऑपरेशन्स जारी रखने के लिए कोई नई पूंजी नहीं बची थी।

श्रीनगर-जम्मू वंदे भारत एक्सप्रेस शुरू, कड़ी सुरक्षा के बीच यात्रियों ने बताया 'आरामदायक' सफर

श्रीनगर। श्रीनगर से जम्मू तक विस्तारित वंदे भारत एक्सप्रेस के जम्मू तवी रेलवे स्टेशन पर नियमित संचालन शनिवार से शुरू होने के अवसर पर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए। जम्मू तवी रेलवे स्टेशन पर यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए व्यापक स्तर पर जांच अभियान चलाया गया और स्टेशन परिसर में अतिरिक्त सुरक्षाबलों की तैनाती की गई।

इस दौरान वंदे भारत एक्सप्रेस में सफर कर रहे यात्रियों ने समाचार एजेंसी आईएएनएस से बातचीत में अपने अनुभव साझा किए। एक यात्री ने बताया कि इस ट्रेन सेवा से यात्रा का समय काफी कम हो गया है। उन्होंने कहा कि नेशनल हाईवे पर अक्सर ट्रैफिक जाम या अन्य कारणों से बाधाएं आती हैं, लेकिन यह ट्रेन सेवा पूरी तरह जाम-फ्री और आरामदायक है। लगभग 600 रुपये के किराए में यह सुविधा लोकल परिवहन के बराबर ही है, जिससे यात्रियों को बड़ी राहत मिल रही है। यात्री ने कहा कि यह उनका पहला अनुभव है और उन्होंने इस सेवा के लिए सरकार का आभार व्यक्त किया।

एक अन्य यात्री ने खुशी जाहिर करते हुए कहा कि शुरुआत में उन्हें लगा था कि यह ट्रेन सेवा केवल कटरा तक सीमित रहेगी, लेकिन इसे जम्मू तक बढ़ाए जाने से लोगों में उत्साह बढ़ा है। उन्होंने कहा कि पहले श्रीनगर की यात्रा काफी कठिन मानी जाती थी, लेकिन भारतीय रेलवे की इस पहल ने सफर को बेहद आसान बना दिया है। एक अन्य यात्री ने अपने अनुभव को 'खास' बताते हुए कहा कि वंदे भारत एक्सप्रेस में यात्रा करना एक वीआईपी जैसा अनुभव देता है। उन्होंने कहा कि कश्मीर के खूबसूरत नजारों के बीच ट्रेन में सफर करना अद्भुत अहसास है और यह सब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पहल से संभव हो पाया है। उन्होंने बताया कि यात्रा इतनी सुगम रही कि उन्हें समय का पता ही नहीं चला और पूरे सफर में कोई खास परेशानी नहीं हुई।

एक अन्य यात्री ने इसे सुरक्षित और आरामदायक यात्रा बताते हुए कहा कि यह उनका पहला अनुभव है और उन्हें यह बेहद पसंद आया। उनका मानना है कि सरकार की यह पहल आम लोगों के लिए फायदेमंद है और आने वाले समय में इसे और अधिक पहचान मिलेगी। वहीं, एक यात्री ने कहा कि जम्मू से पहली बार इस ट्रेन में सफर करना उनके लिए खास अनुभव है। उन्होंने कहा कि अब बेहतर कनेक्टिविटी उपलब्ध होने से यात्रियों को काफी सुविधा होगी और इससे कश्मीर घाटी में पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने बताया कि वह सुबह काजीगुंड से बनिहाल तक यात्रा कर चुके हैं और आगे का सफर भी उनके लिए यादगार रहने वाला है।

ईसीआई ने पश्चिम बंगाल चुनाव 2026 के लिए सुरक्षा कवच मजबूत किया

165 अतिरिक्त मतगणना पर्यवेक्षक और 77 पुलिस पर्यवेक्षक तैनात

नई दिल्ली। भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) ने पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 की मतगणना प्रक्रिया को पूरी तरह पारदर्शी, शांतिपूर्ण और सुरक्षित बनाने के लिए बड़ा कदम उठाया है। आयोग ने 165 अतिरिक्त मतगणना पर्यवेक्षकों और 77 पुलिस पर्यवेक्षकों की तैनाती की घोषणा की है। यह फैसला मतगणना केंद्रों के आसपास सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत करने तथा कानून-व्यवस्था की स्थिति पर सतर्क नजर रखने के उद्देश्य से लिया गया है।

ईसीआई के प्रेस नोट के अनुसार, ये अतिरिक्त पर्यवेक्षक उन 165 विधानसभा क्षेत्रों में तैनात किए जाएंगे जहां एक से अधिक मतगणना कक्ष हैं। मुख्य मतगणना पर्यवेक्षकों की सहायता के लिए ये अतिरिक्त अधिकारी नियुक्त किए गए हैं। वहीं, पुलिस पर्यवेक्षक आवंटित विधानसभा क्षेत्रों के मतगणना केंद्रों के आसपास सुरक्षा और कानून-व्यवस्था की देखरेख करेंगे। आयोग ने साफ निर्देश दिया है कि पुलिस पर्यवेक्षक किसी भी हालत में मतगणना कक्ष के अंदर प्रवेश नहीं करेंगे।

भारत के संविधान के अनुच्छेद 324 और लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 20बी के तहत दिए गए अधिकारों का प्रयोग करते हुए ईसीआई ने यह तैनाती की है। इन अधिकारियों को इस अवधि के दौरान आयोग में प्रतिनियुक्त माना जाएगा और वे सीधे आयोग के अधीक्षण एवं नियंत्रण में कार्य करेंगे।

आयोग ने मतगणना प्रक्रिया को और अधिक पारदर्शी बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश जारी किए हैं। रिटर्निंग ऑफिसर (आरओ) द्वारा ईसीआईनेट पोर्टल के माध्यम से एक समर्पित मॉड्यूल से मतगणना कर्मियों, उम्मीदवारों और उनके एजेंटों के लिए क्यूआर कोड आधारित फोटो पहचान पत्र जारी किए जाएंगे। मतगणना केंद्रों में प्रवेश केवल इन्हीं पहचान पत्रों के आधार पर सख्ती से अनुमति दी जाएगी।

मतगणना पर्यवेक्षक और रिटर्निंग ऑफिसर के अलावा किसी भी व्यक्ति को मतगणना कक्ष के अंदर मोबाइल फोन ले जाने की अनुमति नहीं होगी। यह व्यवस्था मतगणना की गोपनीयता और निष्पक्षता बनाए रखने के लिए की गई है। मतगणना की विश्वसनीयता बढ़ाने के लिए कंट्रोल यूनिट (सीयू) से प्राप्त नतीजों वाले फॉर्म 17सी-द्वद्व को गिनती सुपरवाइजर द्वारा गिनती एजेंट्स की मौजूदगी में तैयार किया जाएगा। यह फॉर्म गिनती एजेंट्स के साथ साझा किया जाएगा और यदि एजेंट्स चाहें तो पूरी प्रक्रिया दोबारा दोहराई जा सकती है।

गुजरात: आईएसआईएस से जुड़ा आरोपी गिरफ्तार, ऑनलाइन चरमपंथी विचारधारा फैलाने का आरोप

कच्छ। अधिकारियों ने शनिवार को बताया कि कथित राष्ट्रविरोधी गतिविधियों के खिलाफ एक महत्वपूर्ण कार्रवाई में स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) ने कच्छ जिले में इस्लामिक स्टेट (आईएसआईएस) की विचारधारा से प्रभावित एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है।

शुरुआती जांच से पता चलता है कि आरोपी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर कई फर्जी पहचानों का इस्तेमाल कर रहा था और कथित तौर पर भड़काऊ और उत्तेजक सामग्री साझा कर रहा था, जिसका उद्देश्य लोगों को 'जिहाद' की ओर उकसाना था।

अधिकारियों के अनुसार, आरोपी की पहचान भुज तालुका के लोदाई गांव निवासी फकीरामद गगड़ा के रूप में हुई है। उस पर आईएसआईएस से संबंधित दुष्प्रचार और अन्य राष्ट्र-विरोधी गतिविधियों को ऑनलाइन बढ़ावा देने का आरोप है। विशिष्ट खुफिया सूचनाओं के आधार पर पुलिस ने अभियान चलाया और उसे गिरफ्तार कर लिया। अधिकारियों ने बताया कि वह भड़काऊ पोस्ट प्रकाशित करने के लिए इंस्टाग्राम और फेसबुक पर कई अकाउंट बनाता था। उस पर 'खिलाफत' और 'जिहाद' की अवधारणाओं के लिए लोगों को उकसाने का आरोप है - ये ऐसी गतिविधियां हैं जो राष्ट्र की संप्रभुता, एकता और अखंडता के लिए खतरा हैं। पश्चिम कच्छ-भुज की एसओजी टीम ने यह कार्रवाई की, जिसने संदिग्ध की ऑनलाइन गतिविधियों के बारे में विश्वसनीय खुफिया जानकारी मिलने के बाद ऑपरेशन शुरू किया था। जांच के दौरान आरोपी के मोबाइल फोन की जांच की गई और अधिकारियों ने बताया कि उन्हें भड़काऊ पोस्ट और चरमपंथी विचारधारा का समर्थन करने वाली सामग्री मिली है।

बंतलाब पुल हादसा : 3 मजदूरों की दर्दनाक मौत उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने जताया दुख

जम्मू। जम्मू के बंतलाब इलाके में बन रहा एक पुल अचानक गिर गया। इस हादसे में तीन मजदूरों की दर्दनाक मौत हो गई। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने इस हादसे पर दुख जताते हुए घायलों के जल्द ठीक होने की कामना की। साथ ही, जिला प्रशासन को यह निर्देश दिया कि प्रभावित परिवारों को आवश्यक सहायता प्रदान की जाए।

उपराज्यपाल कार्यालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एलजी के हवाले से एक पोस्ट में लिखा, 'जम्मू के बंतलाब में पुल गिरने से हुई जान-माल की हानि से मैं अत्यंत दुखी हूं। मैं शोक संतप्त परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूं। मैंने जिला प्रशासन को प्रभावित परिवारों को आवश्यक सहायता प्रदान करने के निर्देश दिए हैं।' इससे पहले, मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने भी हादसे पर दुक जताते हुए दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए प्रार्थना की। साथ ही, मुख्यमंत्री ने घटना के कारणों का पता लगाने और जवाबदेही तय करने के लिए गहन जांच के निर्देश दिए हैं। बता दें कि जम्मू के बंतलाब इलाके में शुक्रवार को निर्माणाधीन पुल का एक हिस्सा अचानक गिर गया। इस हादसे के बाद वहां अफरा-तफरी मच गई और मौके पर चीख-पुकार का माहौल बन गया। बताया जा रहा है कि मलबे के नीचे कई मजदूर फंस गए थे, जिनमें से तीन मजदूरों की मौत की पुष्टि हो चुकी है। जानकारी के अनुसार, जैसे ही पुल का हिस्सा गिरा, वहां काम कर रहे मजदूर मलबे में दब गए।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस, सेना और राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ) की टीमें तुरंत मौके पर पहुंचीं और रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। स्थानीय प्रशासन भी राहत कार्य में जुटा। बताया जा रहा है कि पिछले साल आई बाढ़ में इस पुल की दीवार को नुकसान पहुंचा था और उसकी मरम्मत का काम चल रहा था। इसी दौरान यह दर्दनाक हादसा हो गया।

हाईराइज इमारतों में अग्नि सुरक्षा को लेकर जेवर विधायक ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को सौंपा पत्र

गौतम बुद्ध नगर। जेवर विधानसभा क्षेत्र के विधायक धीरेंद्र सिंह ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के आवास पर शिष्टाचार भेंट कर गौतम बुद्ध नगर एवं गाजियाबाद के हाईराइज क्षेत्रों में अग्नि सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने की मांग उठाई। उन्होंने सीएम को एक विस्तृत और महत्वपूर्ण पत्र सौंपते हुए हाल ही में सामने आई आग की घटनाओं पर गहरी चिंता व्यक्त की।

विधायक धीरेंद्र सिंह ने मुख्यमंत्री को अवगत कराया कि ग्रेटर नोएडा वेस्ट और गाजियाबाद के विभिन्न ऊंची इमारतों वाले क्षेत्रों में हाल के दिनों में आग लगने की कई घटनाएं सामने आई हैं। इन इलाकों में हजारों परिवार बहुमंजिला इमारतों में निवास करते हैं, जहां अग्निशमन विभाग की पहुंच सीमित होने के कारण स्थिति और भी गंभीर हो जाती है। उन्होंने कहा कि मौजूदा अग्निशमन संसाधन ऊपरी मंजिलों तक प्रभावी ढंग से नहीं पहुंच पा रहे हैं, जिससे किसी भी आपात स्थिति में जन-धन की भारी हानि का खतरा बना रहता है। विधायक ने यह भी कहा कि तेजी से विकसित हो रहे गौतम बुद्ध नगर और गाजियाबाद जैसे क्षेत्रों में हाई-राइज अपार्टमेंट्स की संख्या लगातार बढ़ रही है, लेकिन उसी गति से अग्नि सुरक्षा व्यवस्था मजबूत नहीं हो पाई है।

उन्होंने हाल की घटनाओं को एक चेतावनी बताते हुए कहा कि अब समय आ गया है कि इस दिशा में ठोस और प्रभावी कदम उठाए जाएं। मुख्यमंत्री को सौंपे गए पत्र में उन्होंने कई अहम सुझाव भी दिए। इनमें 30 से 40 मंजिल तक पहुंचने में सक्षम हाई-कैपेसिटी फायर टेंडर्स और हाइड्रोलिक प्लेटफॉर्म (स्काई लिफ्ट) की उपलब्धता सुनिश्चित करने की मांग प्रमुख रही।

इसके अलावा सभी हाईराइज भवनों में फायर सेफ्टी सिस्टम जैसे स्प्रिंकलर, फायर अलार्म और स्मोक डिटेक्टर की नियमित जांच और प्रमाणन को अनिवार्य करने की बात कही गई। विधायक ने फायर सेफ्टी ऑडिट को सख्ती से लागू करने और नियमों का पालन न करने वालों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की भी मांग की।

हैदराबाद में 6,000 लोगों ने एक साथ किया भुजंगासन, बना एशिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स

हैदराबाद। हैदराबाद में योग का भव्य उत्सव देखने को मिला। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2026 से पहले 'योग महोत्सव' का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में हजारों योग प्रेमी एकत्र हुए।

आयुष मंत्रालय के अंतर्गत मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान द्वारा आयोजित यह कार्यक्रम कान्हा शांति वनम में हुआ। यहां 6,000 से ज्यादा लोगों ने एक साथ 'भुजंगासन' का अभ्यास किया। इस सामूहिक प्रदर्शन ने नया रिकॉर्ड बनाया और इसे 'एशिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स' में दर्ज कर लिया गया। यह उपलब्धि इसलिए खास है, क्योंकि एक ही समय पर एक ही आसन करने वाले लोगों की यह अब तक की सबसे बड़ी सभा है। कार्यक्रम की शोभा बढ़ाते हुए केंद्रीय कोयला और खान मंत्री जी. किशन रेड्डी मौजूद रहे। उन्होंने कहा कि योग भारत की प्राचीन विरासत तो है ही, साथ ही यह पूरी मानवता के लिए अमूल्य उपहार भी है। आज दुनिया के कई देशों के नेता, अधिकारी और आम लोग योग का अभ्यास कर रहे हैं और इससे फायदा उठा रहे हैं।

रेड्डी ने आगे कहा कि 2047 तक विकसित भारत बनाने के लिए हमें स्वस्थ, शांतिपूर्ण और अनुशासित समाज का निर्माण करना होगा। योग तनाव, गलत जीवनशैली और प्रदूषण जैसी आधुनिक समस्याओं का सस्ता और प्रभावी समाधान है। उन्होंने कहा कि हैदराबाद अब सिर्फ आईटी और नवाचार का केंद्र नहीं, बल्कि योग और समग्र स्वास्थ्य का भी वैश्विक केंद्र बने। आयुष मंत्रालय के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) प्रतापराव जाधव ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की सराहना की। उन्होंने कहा कि मोदी जी के प्रयासों से योग अब पूरे विश्व में स्वास्थ्य और कल्याण का प्रतीक बन गया है। यह शारीरिक स्वास्थ्य के साथ मानसिक शांति और भावनात्मक संतुलन भी प्रदान करता है।

जाधव ने 'योग 365' अभियान की जानकारी देते हुए बताया कि इस पहल के तहत लोगों को रोजाना योग करने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। 21 जून तक 100 दिन का मुफ्त योग प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाया जा रहा है, जिसमें एक लाख से ज्यादा लोगों को शामिल करने और 'योग मित्र' प्रमाणपत्र देने का लक्ष्य है। मंत्री ने घोषणा की कि अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2026 की 25 दिन की उल्टी गिनती का अगला योग महोत्सव मध्य प्रदेश के खजुराहो में होगा। उन्होंने विश्व एक्सपो 2025 में जापान के ओसाका में छह महीने तक चलाए गए योग सत्रों के लिए हार्टफुलनेस संस्थान और योग प्रमाणन बोर्ड की भी प्रशंसा की। आयुष मंत्रालय की संयुक्त सचिव मोनालिसा दास ने कहा कि कान्हा शांति वनम वह शांति और संतुलन दिखाता है जो योग सिखाता है। इस कार्यक्रम का मकसद पूरे देश में स्वास्थ्य और एकता का आंदोलन शुरू करना है।

आई-पैक निदेशक विनेश चंदेल को मिली बड़ी राहत, तिहाड़ जेल से रिहा

नई दिल्ली। इंडियन पॉलिटिकल एक्शन कमिटी (आई-पैक) के निदेशक और सह-संस्थापक विनेश चंदेल को दिल्ली की पटियाला हाउस कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। कोर्ट ने उन्हें जमानत दे दी, जिसके बाद वे तिहाड़ जेल से रिहा होकर बाहर आ गए।

विनेश चंदेल पर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की जांच चल रही थी। कोर्ट ने कुछ शर्तों के साथ उन्हें जमानत प्रदान की। उनकी रिहाई के बाद आई-पैक से जुड़े लोगों और उनके समर्थकों में खुशी की लहर दौड़ गई।

विनेश चंदेल के वकील अभिषेक ने आईएएनएस से बात करते हुए कहा, 'हमने जमानत के लिए अर्जी दी थी। 30 तारीख को इस पर बहस हुई। अदालत ने हमारे पक्ष में फैसला सुनाया। अदालत ने कुछ शर्तें भी लगाईं, जिनका हमने पूरा पालन किया।

चंदेल के अधिवक्ता अभिषेक ने बताया, '2 लाख रुपये का बॉन्ड जमा करना था, जिसे हमने जमा कर दिया। ईडी से जांच करने के लिए कहा गया था। आज अदालत में इसकी सुनवाई हुई। जांच पूरी होने के बाद अदालत ने रिहाई के आदेश जारी कर दिए।

विनेश चंदेल आई-पैक के प्रमुख चेहरे हैं।

नोएडा: सोसायटी के गेट पर लगा बैरियर तोड़, बुजुर्ग गार्ड से की मारपीट, युवक गिरफ्तार

नोएडा। नोएडा के सेक्टर-62 स्थित रजत विहार सोसायटी में एक युवक द्वारा बैरियर तोड़ने और बुजुर्ग सुरक्षा गार्ड को पीटने का मामला सामने आया है। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसके बाद पुलिस ने तत्काल संज्ञान लेते हुए कार्रवाई शुरू कर दी है।

बताया जा रहा है कि यह घटना 1 मई 2026 की है और थाना सेक्टर-58 क्षेत्र के अंतर्गत आती है। वायरल वीडियो में देखा जा सकता है कि एक युवक तेज रफ्तार वाहन से सोसायटी के प्रवेश द्वार पर पहुंचता है और बैरियर को तोड़ते हुए अंदर घुसने की कोशिश करता है। इस दौरान ड्यूटी पर तैनात बुजुर्ग गार्ड उसे रोकने का प्रयास करता है, जिस पर युवक आक्रोशित हो जाता है और गार्ड के साथ हाथापाई करने लगता है। घटना के दौरान मौजूद लोगों ने इस पूरे घटनाक्रम का वीडियो बना लिया, जो अब सोशल मीडिया पर तेजी से प्रसारित हो रहा है। इस घटना के बाद सोसायटी के निवासियों में आक्रोश व्याप्त है। लोगों का कहना है कि इस तरह की घटनाएं न केवल सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े करती हैं, बल्कि सोसायटी के शांतिपूर्ण माहौल को भी प्रभावित करती हैं। निवासियों ने आरोप लगाया है कि आरोपी युवक का व्यवहार पहले भी संदिग्ध रहा है और उस पर सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए। पुलिस के अनुसार, दिनांक 1 मई को थाना सेक्टर-58 क्षेत्र में गार्ड के साथ मारपीट की सूचना प्राप्त हुई थी। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी युवक दक्ष प्रियांश को गिरफ्तार कर लिया गया।

दिल्ली के उपराज्यपाल टीएस संधू ने सेंट स्टीफंस कॉलेज में अपने छात्र जीवन की यादें ताजा कीं

नई दिल्ली। दिल्ली के उपराज्यपाल टीएस संधू ने शनिवार को दिल्ली विश्वविद्यालय के सेंट स्टीफंस कॉलेज में अपने छात्र जीवन की यादें ताजा कीं। उन्होंने कॉलेज के गलियारों में सैर की, शिक्षकों से बातचीत की, पुरानी तस्वीरें देखीं और दीक्षांत समारोह में स्नातक छात्रों को संबोधित किया।

2026 बैच के छात्रों को संबोधित करते हुए, संधू ने उन्हें विनम्रता के साथ उत्कृष्टता प्राप्त करने और योग्यता और चरित्र दोनों के साथ राष्ट्र की सेवा करने के लिए प्रोत्साहित किया।

उन्होंने कहा कि यह अवसर स्नातक छात्रों के जीवन में एक महत्वपूर्ण बदलाव का प्रतीक है। यह एक ऐसा क्षण है जो चिंतन, आशा और उस यात्रा की मौन स्वीकृति को एक साथ लाता है जो आपको यहां तक लाई है। संधू ने अपने भावपूर्ण भाषण में कहा कि आपमें से कई लोगों के लिए सेंट स्टीफंस न केवल अकादमिक गतिविधियों का केंद्र रहा है, बल्कि एक ऐसा स्थान भी रहा है जहां विचारों का विकास हुआ, दृष्टिकोणों को चुनौती मिली और मित्रताएं बनीं। उन्होंने आगे कहा कि सेंट स्टीफंस कॉलेज मेरा भी शिक्षण संस्थान है, और मैंने अपने जीवन के कुछ सबसे महत्वपूर्ण और रचनात्मक क्षण यहीं बिताए हैं। उन वर्षों की यादें—चर्चाओं, कक्षाओं, वाद-विवादों और मित्रता की यादें—आज भी मेरे साथ हैं। इन्होंने न केवल मेरी अकादमिक यात्रा को, बल्कि जीवन के प्रति मेरे दृष्टिकोण को भी आकार दिया।

संधू ने कहा कि जब मैं यहां बिताए अपने समय को याद करता हूं, तो दो पहलू स्पष्ट रूप से उभर कर आते हैं। पहला है बौद्धिक जिज्ञासा पर जोर। आपको न केवल सीखने के लिए, बल्कि प्रश्न पूछने के लिए भी प्रोत्साहित किया जाता है—मान्यताओं की जांच करने और विचारों के साथ आलोचनात्मक रूप से जुड़ने के लिए, भले ही वे आपके अपने विश्वासों को चुनौती दें।

भारत की आर्थिक और समुद्री शक्ति को नई दिशा देगा ग्रेट निकोबार प्रोजेक्टः रिपोर्ट

नई दिल्ली । एक नई रिपोर्ट के अनुसार, ग्रेट निकोबार प्रोजेक्ट के जरिए भारत अपनी भौगोलिक स्थिति के फायदे को आर्थिक मजबूती, रणनीतिक गहराई और समुद्री प्रभाव में बदल सकता है।

यह द्वीप दूर स्थित है, प्रोजेक्ट महंगा है और इसके क्रियान्वयन में जोखिम भी हैं। लेकिन इसकी मूल सोच — कि अगर किसी भौगोलिक क्षेत्र का उपयोग नहीं किया जाए तो वह खो जाता है — सही है। यह बात वैश्विक वित्तीय नीति में विशेषज्ञता रखने वाले प्रतिष्ठित अर्थशास्त्री हैन्स कॉफमैन ने 'इंडिया नैरेटिव' में लिखी है।

उन्होंने यह भी कहा कि ग्रेट निकोबार प्रोजेक्ट चीन को सैन्य रूप से 'घेरने' के लिए नहीं है, क्योंकि दूरी और सैन्य ताकत के अंतर के कारण यह संभव नहीं है।

लेकिन यह भारत को उस समुद्री रास्ते के पास निगरानी, लॉजिस्टिक मजबूती और रणनीतिक स्थिति देता है, जिस पर चीन की अर्थव्यवस्था काफी हद तक निर्भर है।

उन्होंने कहा, 'अगर भारत इसे सही तरीके से बनाता है, तो यह आजादी के बाद का सबसे महत्वपूर्ण समुद्री इंफ्रास्ट्रक्चर फैसला होगा। लेकिन अगर इसे लापरवाही से बनाया गया, तो एक अनमोल पर्यावरण को नुकसान पहुंचाकर अधूरा पोर्ट ही मिलेगा। फर्क महत्वाकांक्षा में नहीं, बल्कि बेहतर प्रबंधन (गवर्नेंस) में है।'

सरकार के अनुसार, इस प्रोजेक्ट का उद्देश्य ग्रेट निकोबार को एक रणनीतिक समुद्री और आर्थिक हब में बदलना है। यह वैश्विक पूर्व-पश्चिम शिपिंग रूट के पास स्थित है और इससे विदेशी ट्रांसशिपमेंट पोर्ट्स पर निर्भरता कम होगी, जो भारत की रक्षा और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए भी महत्वपूर्ण है।

यह प्रोजेक्ट अंडमान सागर और दक्षिण-पूर्व एशिया में भारत की रणनीतिक मौजूदगी को मजबूत करेगा। साथ ही, इसमें आर्थिक विकास के साथ पर्यावरण सुरक्षा और स्थानीय समुदायों की रक्षा का भी ध्यान रखा जाएगा।

रिपोर्ट के अनुसार, भारत हिंद महासागर के किनारे स्थित है और उसके पास लंबी समुद्री तटरेखा है, फिर भी वर्षों से वह अपने ही माल की ढुलाई के लिए सिंगापुर, कोलंबो और पोर्ट क्लांग जैसे विदेशी पोर्ट्स पर निर्भर रहा है।

हर साल लगभग 30 लाख कंटेनर (टीईयू) भारतीय माल विदेशी पोर्ट्स के जरिए भेजा जाता है, जिनमें से 85 प्रतिशत से ज्यादा सिर्फ तीन पोर्ट्स संभालते हैं।

इस वजह से भारत को हर साल करीब 200-220 मिलियन डॉलर का नुकसान होता है।

स्तनपान के दौरान दर्द, सूजन या संक्रमण? सही देखभाल से मिल सकती है राहत

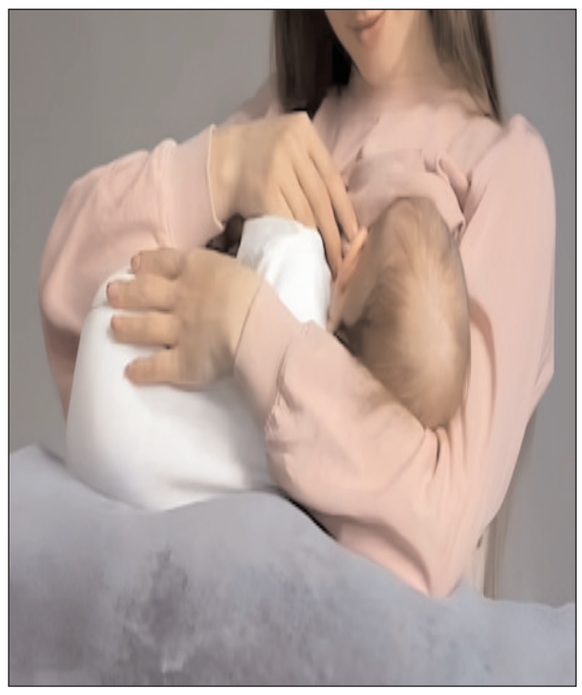

नई दिल्ली। बच्चे के जन्म के बाद मां के शरीर में कई बदलाव होते हैं और इसी दौरान स्तनों में दूध बनने की प्रक्रिया शुरू होती है। दूध ठीक से बाहर न निकल पाने की वजह से स्तनों में भारीपन, दर्द और सूजन हो जाती है, जिसे ब्रेस्ट इंगोर्जमेंट कहा जाता है।

इस स्थिति में स्तन सख्त, भारी और संवेदनशील हो जाते हैं। कभी-कभी इतना दर्द होता है कि मां के लिए बच्चे को दूध पिलाना भी मुश्किल हो जाता है। लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि स्तनपान रोक देना चाहिए। उल्टा, बार-बार और सही तरीके से स्तनपान कराना इस समस्या को कम करने में मदद करता है।

अगर बच्चा सही तरीके से दूध नहीं पी पा रहा है, तो हल्के हाथ से दूध निकालना भी जरूरी होता है, ताकि स्तनों में दबाव कम हो सके। धीरे-धीरे मालिश करने से भी आराम मिलता है। इसके साथ ही स्तनों की सफाई का ध्यान रखना बहुत जरूरी है। हर फीडिंग से पहले और बाद में साफ-सफाई रखने से संक्रमण का खतरा कम हो जाता है।

कई बार अगर ध्यान न दिया जाए तो यह समस्या बढ़कर मैस्टाइटिस में बदल सकती है। इसमें स्तनों की त्वचा लाल हो जाती है, तेज दर्द होता है और बुखार भी आ सकता है। यह स्थिति गंभीर हो सकती है और इसमें डॉक्टर की सलाह लेना जरूरी हो जाता है। कुछ मामलों में ब्रेस्ट में पस या खून जैसा डिस्चार्ज भी हो सकता है, जिसे बिल्कुल नजरअंदाज नहीं करना चाहिए।

इसके अलावा, फटे हुए निप्पल भी एक आम समस्या है, जो गलत तरीके से फीडिंग कराने या सूखापन की वजह से हो सकते हैं। ऐसे में प्राकृतिक तेल या डॉक्टर द्वारा सुझाई गई क्रीम का इस्तेमाल राहत दे सकता है।

इसके अलावा, हमेशा कॉटन के ढीले कपड़े पहनना, स्तनों को साफ और सूखा रखना और किसी भी तरह के सिंथेटिक कपड़े से बचना भी जरूरी है।

गुजरात का ट्रेडिशनल वरियाली शरबत गर्मियों में भी रखे फ्रेश और हेल्दी

नई दिल्ली । गर्मियों अगर शरीर को अंदर से ठंडक देने वाले देसी और आसान उपाय मिल जाए तो इससे बेहतर क्या हो सकता है। ऐसा ही है गुजरात में पीया जाने वाला वरियाली शरबत। वरियाली शरबत सिर्फ एक ड्रिंक नहीं, बल्कि एक पारंपरिक हेल्दी नुस्खा है, जिसे गुजरात में वर्षों से अपनाया जा रहा है।

सौंफ की तासीर ठंडी मानी जाती है, इसलिए यह शरीर को ठंडा रखने में काफी मदद करती है। जब आप इसे पीते हैं, तो यह सिर्फ प्यास ही नहीं बुझाता, बल्कि शरीर को हाइड्रेटेड भी रखता है और लू से बचाने में मदद करता है।

यह पाचन के लिए भी बहुत फायदेमंद होता है। अगर आपको अक्सर गैस, एसिडिटी या अपच की समस्या रहती है, तो वरियाली शरबत आपके लिए एक बेहतरीन विकल्प हो सकता है।

खाने के बाद इसे पीने से पेट हल्का महसूस होता है और खाना भी आसानी से पचता है।

यह आपकी स्किन के लिए भी अच्छा माना जाता है। गर्मियों में जब त्वचा बेजान और थकी हुई लगने लगती है, तब यह शरबत आपको अंदर से फ्रेश महसूस कराता है, जिसका असर बाहर भी दिखता है। नियमित रूप से पीने पर यह शरीर को डिटॉक्स करने में भी मदद कर सकता है।

इसे बनाने भी बहुत ही आसान है। सबसे पहले सौंफ को 6 से 8 घंटे के लिए पानी में भिगो दें। फिर इसे मिश्री के साथ पीस लें और छानकर एक सिरप तैयार कर लें। इस सिरप को आप बोतल में भरकर फ्रिज में रख सकते हैं और 1-2 हफ्ते तक इस्तेमाल कर सकते हैं। जब भी पीना हो, बस 1-2 चम्मच सिरप को ठंडे पानी या दूध में मिलाएं। चाहें तो इसमें थोड़ा नींबू का रस या काला नमक डालकर इसका स्वाद और भी बढ़ा सकते हैं।

आजकल लोग बाजार में मिलने वाले ठंडे पेय ज्यादा पीते हैं, लेकिन उनमें शुगर और केमिकल्स की मात्रा काफी ज्यादा होती है। ऐसे में वरियाली शरबत एक नेचुरल और हेल्दी विकल्प है, जो स्वाद के साथ-साथ सेहत का भी ख्याल रखता है।

पृथ्वी ही नहीं अन्य ग्रहों पर भी है ज्वालामुखी, जानें कैसे बनते और क्यों है खतरनाक

नई दिल्ली। ज्वालामुखी प्रकृति के सर्वाधिक शक्तिशाली और विनाशकारी स्वरूपों में से एक है। भू-वैज्ञानिक दृष्टि से, यह पृथ्वी या किसी ग्रह की सतह पर स्थित वह मुख या द्वार होता है, जिससे आंतरिक भाग में मौजूद लावा बाहर निकलता है। जब यह तप्त मैग्मा और गैसें तीव्र दबाव के साथ धरातल पर आती हैं, तो इस प्रक्रिया को ज्वालामुखी विस्फोट कहा जाता है।

यह विस्फोट कभी जोरदार होता है तो कभी शांत। ज्वालामुखी वाले क्षेत्र आमतौर पर पहाड़ का रूप ले लेते हैं। ये चट्टानों, राख और दूसरे पदार्थों की कई परतों से बनते हैं। ज्वालामुखी तीन प्रकार के होते हैं- सक्रिय, सुप्त और विलुप्त। सक्रिय ज्वालामुखी हाल ही में फटे होते हैं या जल्दी फटने की आशंका रहती है। सुप्त ज्वालामुखी अभी शांत हैं लेकिन भविष्य में फट सकते हैं। विलुप्त ज्वालामुखी फिर कभी फटने की संभावना नहीं रखते।

पृथ्वी पर ज्वालामुखी मुख्य रूप से तीन कारणों से बनते हैं। पहला कारण टेक्टोनिक प्लेट्स का आपस में अलग होना है। जब प्लेट्स दूर जाती हैं तो उनके बीच खाली जगह बनती है, जिसमें मैग्मा या जमीन के अंदर का गर्म तरल पदार्थ ऊपर आ जाता है। इससे अक्सर समुद्र के अंदर ज्वालामुखी बनते हैं। दूसरा कारण प्लेट्स का आपस में टकराना है। जब एक प्लेट दूसरी के नीचे दब जाती है तो भारी गर्मी और दबाव से चट्टानें पिघलकर मैग्मा बन जाती हैं और ऊपर की ओर बढ़ती हैं।

तीसरा कारण हॉट स्पॉट है। पृथ्वी के अंदर कुछ जगहें बहुत गर्म होती हैं। ये गर्मी मैग्मा को हल्का बनाकर ऊपर धकेलती है। जब मैग्मा पृथ्वी की सतह पर पहुंचता है तो उसे लावा कहते हैं। विस्फोट के साथ राख, गैस और पत्थर भी बाहर निकलते हैं। कभी-कभी यह इतना जोरदार होता है कि राख आसमान में बहुत ऊंचाई तक जाती है।

ज्वालामुखी सिर्फ पृथ्वी तक सीमित नहीं हैं। हमारे सौर मंडल में दूसरे ग्रहों और चंद्रमाओं पर भी ज्वालामुखी मौजूद हैं। शुक्र और मंगल ग्रह पुराने ज्वालामुखियों से भरे पड़े हैं। बृहस्पति, शनि और नेपच्यून के कुछ चंद्रमाओं पर अभी भी सक्रिय ज्वालामुखी फट रहे हैं।

अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा के अंतरिक्ष यानों ने इनकी तस्वीरें भी खींची हैं। ज्वालामुखी विस्फोट बेहद खतरनाक होते हैं। ये आसपास के इलाकों को राख से ढक देते हैं, फसलों को नुकसान पहुंचाते हैं और कई बार जान-माल की हानि का कारण बनते हैं। लेकिन इसके फायदे भी हैं। ज्वालामुखी की राख से मिट्टी उपजाऊ बनती है और नए भू-भाग बनते हैं। वैज्ञानिक लगातार ज्वालामुखियों पर नजर रखते हैं ताकि समय रहते खतरे की चेतावनी दी जा सके।

तेजपत्ताः स्वाद बढ़ाने के साथ सेहत के लिए भी वरदान, जानिए फायदे

नई दिल्ली। आजकल लोग छोटी-छोटी बीमारियों के लिए भी दवाओं पर निर्भर हो जाते हैं, लेकिन तेजपत्ता जैसे प्राकृतिक उपाय कई समस्याओं में राहत देने में मदद कर सकते हैं। यह हमारी रसोई का एक अहम हिस्सा है, जो स्वाद के साथ-साथ सेहत के लिए भी काफी फायदेमंद हो सकता है। जरूरत बस इसे सही तरीके से और संतुलित मात्रा में इस्तेमाल करने की है।

तेजपत्ता सिर्फ एक मसाला नहीं, बल्कि सेहत का खजाना भी है। पुराने समय से ही भारतीय घरों में इसका इस्तेमाल सिर्फ खाने तक सीमित नहीं रहा, बल्कि इसे कई तरह की बीमारियों में घरेलू इलाज के तौर पर भी अपनाया जाता रहा है। खासकर पाचन तंत्र के लिए यह बहुत फायदेमंद माना जाता है। अगर किसी को गैस, अपच या पेट फूलने की समस्या रहती है, तो तेजपत्ते का काढ़ा या इसका

इस्तेमाल खाने में करने से आराम मिल सकता है। यह पेट की कार्यप्रणाली को बेहतर बनाने में मदद करता है।

सिर्फ पाचन ही नहीं, तेजपत्ता सांस से जुड़ी समस्याओं में भी उपयोगी माना जाता है। सर्दी-जुकाम, हल्की खांसी या गले में खराश जैसी दिक्कतों में यह राहत दे सकता है। आयुर्वेद में इसे कफ को कम करने वाला बताया गया है, इसलिए बदलते मौसम में इसका सेवन काफी मददगार हो सकता है।

आधुनिक रिसर्च में भी तेजपत्ते के कुछ संभावित फायदे सामने आए हैं। माना जाता है कि यह ब्लड शुगर को नियंत्रित करने में मदद कर सकता है, इसलिए डायबिटीज के मरीजों के लिए यह उपयोगी हो सकता है। हालांकि इसे किसी दवा का विकल्प नहीं माना जाना चाहिए, लेकिन सपोर्टिव हर्ब के रूप में यह फायदा दे सकता है।

इसके अलावा तेजपत्ता में एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण भी पाए जाते हैं, जो शरीर में सूजन और जोड़ों के दर्द जैसी समस्याओं में राहत पहुंचा सकते हैं। कुछ लोग इसे हल्के इंफेक्शन और दर्द में भी घरेलू उपाय के रूप में इस्तेमाल करते हैं।

प्रेग्नेंसी में क्यों जरूरी है योगासन? आयुष मंत्रालय ने बताए अनगिनत फायदे

नई दिल्ली । गर्भावस्था एक महिला के जीवन में बदलाव, शक्ति और नई शुरुआत का खूबसूरत सफर है। इस दौरान मां की सेहत का खास ख्याल रखना जरूरी है क्योंकि मां स्वस्थ रहेगी तो बच्चा भी स्वस्थ रहेगा। भारत सरकार का आयुष मंत्रालय गर्भवती महिलाओं को योग करने की सलाह देता है। योग न सिर्फ शारीरिक बल्कि मानसिक स्वास्थ्य के लिए भी बेहद फायदेमंद है।

प्रेग्नेंसी के दौरान योग करने से कई समस्याएं कम हो जाती हैं। आमतौर पर महिलाओं को पीठ दर्द, सिरदर्द, मतली और सांस लेने में तकलीफ होती है। नियमित योग इन परेशानियों को काफी हद तक कम कर देता है। योग आसनों से शरीर में लचीलापन आता है, मांसपेशियां मजबूत होती हैं और प्रसव के समय जरूरी ताकत और सहनशक्ति मिलती है। योग नींद की गुणवत्ता भी सुधारता है। गर्भावस्था में कई महिलाएं नींद की समस्या से जूझती हैं। योग से गहरी और आरामदायक नींद आती है। साथ ही यह स्ट्रेस और एंग्जायटी को कम करने में बहुत मदद करता है।

प्रेग्नेंसी के दौरान तनाव का होना आम है, लेकिन योग से मन शांत रहता है और मां बच्चे से गहरा भावनात्मक जुड़ाव महसूस करती है। आयुष मंत्रालय के अनुसार, योग मां का पालन-पोषण करता है ताकि वह आने वाले बच्चे का अच्छे से पालन-पोषण कर सके। यह मां को शांत, संतुलित और ऊर्जावान बनाए रखता है। गर्भावस्था के हर पड़ाव पर योग मां को शारीरिक और मानसिक रूप से तैयार करता है।

मदर्स डे (10 मई) के अवसर पर आयुष मंत्रालय ने खास अपील की है कि हर गर्भवती मां योग को अपनी दिनचर्या में शामिल करे। मंत्रालय का कहना है कि 'मां का पहला तोहफा सेहत है'।

बांग्लादेश में खसरे का प्रकोपः चार बच्चों ने तोड़ा दम, मृतकों की संख्या बढ़कर 280

ढाका । बांग्लादेश में खसरे के लक्षण वाले चार और बच्चों की मौत हो गई, जिससे 15 मार्च से अब तक मृतकों की संख्या बढ़कर 280 हो गई है। स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय (डीजीएचएस) ने इसकी जानकारी दी।

डीजीएचएस के डेटा का हवाला देते हुए, स्थानीय मीडिया ने बताया कि 24 घंटों (गुरुवार से शुक्रवार तक) के दौरान खसरे के 170 नए संदिग्ध मामले सामने आए, जिससे संदिग्ध मामलों की कुल संख्या बढ़कर 38,301 हो गई।

इसी अवधि में 115 नए पुष्ट मामले दर्ज किए गए, जिसके साथ कुल पुष्ट संक्रमणों की संख्या 5,146 तक पहुंच गई। 15 मार्च से अब तक कुल मौतों में 49 की पुष्टि

खसरे से हुई है, जबकि 231 मौतें संदिग्ध मामलों में दर्ज की गई हैं।

स्थानीय मीडिया के अनुसार, नए पहचाने गए मामलों में से 942 लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया, जबकि 893 मरीजों को इलाज के बाद छुट्टी दे दी गई।

पिछले महीने विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने बांग्लादेश में फैल रहे खसरे के प्रकोप को नियंत्रित करने के लिए तत्काल कदम उठाने की अपील की थी। संगठन ने चेतावनी दी थी कि यदि निगरानी, त्वरित प्रतिक्रिया प्रणाली और टीकाकरण कवरेज में सुधार नहीं किया गया, तो संक्रमण तेजी से फैल सकता है।डब्ल्यूएचओ ने सलाह दी है कि सभी नगर क्षेत्रों में खसरे के टीके की दोनों खुराकों का कवरेज कम से कम 95 प्रतिशत सुनिश्चित किया जाए। साथ ही, सार्वजनिक और निजी स्वास्थ्य संस्थानों में संदिग्ध मामलों की शीघ्र पहचान के लिए एकीकृत निगरानी प्रणाली को मजबूत करने पर भी जोर दिया गया। हालिया रिपोर्टों में यह भी सामने आया है कि देश का स्वास्थ्य क्षेत्र, जो दशकों में विकसित हुआ था, अब कमजोर पड़ने के खतरे में है। प्रमुख अखबार 'द डेली स्टार' के अनुसार, 2025 में राष्ट्रीय टीकाकरण कवरेज घटकर लगभग 60 प्रतिशत रह गया, जो पिछले एक दशक का सबसे निचला स्तर है। इससे पहले 2010 से 2022 के बीच यह 85 से 92 प्रतिशत के बीच बना हुआ था।

आईपीएल 2026: गायकवाड़-कार्तिक की फिफ्टी, सीएसके ने एमआई को 8 विकेट से रौंदा

चेन्नई। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) ने शनिवार को मुंबई इंडियंस (एमआई) के खिलाफ इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के 44वें मैच को 8 विकेट से अपने नाम किया। चेन्नई सुपर किंग्स 9 में से 4 मैच जीतकर प्वाइंट्स टेबल में छठे स्थान पर पहुंच गई है, जबकि मुंबई इंडियंस 9 में से 7 मुकाबले गंवाने के बाद 9वें स्थान पर कायम है।

शनिवार को एमए चिदंबरम स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में टॉस जीतकर बल्लेबाजी का फैसला करते हुए मुंबई इंडियंस निर्धारित ओवरों में 7 विकेट खोकर 159 रन ही बना सकी। इस टीम ने महज 1 के स्कोर पर विल जैक्स (1) का विकेट खो दिया था। इसके बाद नमन धीर ने रयान रिकेल्टन के साथ दूसरे विकेट के लिए 32 गेंदों में 58 रन की साझेदारी करते हुए टीम को संभाला।

रिकेल्टन 24 गेंदों में 5 छक्कों के साथ 37 रन बनाकर पवेलियन लौटे, जिसके बाद सूर्यकुमार यादव ने नमन धीर के साथ तीसरे विकेट के लिए 24 गेंदों में 40 रन की साझेदारी करते हुए टीम को शतक के बेहद नजदीक पहुंचाया। सूर्या ने 12 गेंदों में 4 बाउंड्री के साथ 21 रन का योगदान टीम के खाते में दिया, जबकि नमन धीर 37 गेंदों में 3 छक्कों और 4 चौकों के साथ 57 रन बनाकर आउट हुए।

विपक्षी खेमे से अंशुल कंबोज ने सर्वाधिक 3 विकेट हासिल किए, जबकि नूर अहमद ने 2 विकेट निकाले। रामकृष्ण घोष और जेमी ओवटरन ने 1-1 विकेट अपने नाम किया।

इसके जवाब में चेन्नई सुपर किंग्स ने 18.1 ओवरों में मुकाबला अपने नाम कर लिया। इस टीम को दूसरे ओवर की अंतिम गेंद पर संजू सैमसन के रूप में बड़ा झटका लगा। संजू 9 गेंदों में महज 11 रन बनाकर पवेलियन लौटे, जिसके बाद कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ ने उर्विल पटेल के साथ 22 गेंदों में 49 रन की साझेदारी करते हुए टीम को 62 के स्कोर तक पहुंचाया।

जल्दबाजी में वापसी नहीं करना चाहता, एक और इंजरी करियर के लिए घातक हो सकती है: मार्क वुड

नई दिल्ली। इंग्लैंड के तेज गेंदबाज मार्क वुड इस गर्मी के अंत में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी का लक्ष्य लेकर चल रहे हैं। वुड घुटने की चोट की वजह से एशेज सीरीज के पर्थ टेस्ट से बाहर हुए थे।

अपनी तेज रफ्तार वाली गेंद के लिए मशहूर 36 साल के मार्क वुड का करियर चोटों से प्रभावित रहा है। मार्च 2025 में अपने बाएं घुटने की सर्जरी के बाद वुड ने पिछले नवंबर में पर्थ में एशेज के पहले टेस्ट में वापसी की। उनकी वापसी निराशाजनक रही थी, सिर्फ 11 ओवर करने के बाद उन्हें पूरी सीरीज से बाहर होना पड़ा था। एशेज से पहले भी कोहनी और घुटने की दिक्कतों की वजह से लगभग 15 महीने तक वह टेस्ट क्रिकेट से दूर रहे थे।

वुड अब काफी सावधानी से वापसी की योजना बना रहे हैं। उन्हें पता है कि एक और इंजरी उनके करियर पर पूरी तरह ब्रेक लगा सकती है।

एक इंटरव्यू में वुड ने कहा, 'मुझे धीरे-धीरे आगे बढ़ना होगा। सच कहूं तो, मेरे पास इसे सही तरीके से करने का शायद एक और मौका है। अगर मैं जल्दबाजी में वापसी करता हूं, तो यह अच्छा नहीं होगा। मैं अभी भी गर्मियों में बाद में गेंदबाजी में वापस आने की कोशिश कर रहा हूं।'

वुड ने कहा कि वह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी के लिए प्रतिबद्ध हैं, लेकिन अगर रिकवरी उम्मीद के मुताबिक नहीं होती है तो वह क्रिकेट के बाद की जिंदगी के बारे में सोच रहे हैं।

चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ मुंबई इंडियंस का पलड़ा भारी है: मोहम्मद कैफ

नई दिल्ली। आईपीएल 2026 में शनिवार की शाम चेन्नई के चेपॉक स्टेडियम में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) और मुंबई इंडियंस (एमआई) के बीच एक रोमांचक मुकाबले की उम्मीद है। पूर्व भारतीय क्रिकेटर मोहम्मद कैफ ने कहा कि इस मैच में एमआई का पलड़ा भारी है।

कैफ ने जियोहॉटस्टार पर कहा, 'कागज पर, मुंबई इंडियंस चेन्नई सुपर किंग्स से ज्यादा मजबूत दिखती है क्योंकि उनके पास कई मैच विनर और अनुभवी खिलाड़ी हैं। हालांकि, मैचों को जीत में न बदल पाना एमआई की एक संभावित कमी हो सकती है।'

पूर्व भारतीय क्रिकेटर ने कहा, 'जब आप हालिया फॉर्म को देखते हैं, तो बहुत सारे सवाल उठते हैं क्योंकि एमआई ज्यादा मैच नहीं जीत रही है। फिर भी, अपने दिन पर, अगर वे जबरदस्त क्रिकेट खेलते हैं, तो उन्हें रोकना बहुत मुश्किल हो सकता है।'

कैफ ने कहा कि चेन्नई ओपनर संजू सैमसन पर बहुत ज्यादा निर्भर है। इसका उन्हें बहुत नुकसान हुआ है। दूसरे खिलाड़ियों को अच्छा प्रदर्शन करना होगा और संजू पर टीम की निर्भरता को कम करना होगा।

मुंबई इंडियंस का प्रदर्शन सीजन में बेहद निराशाजनक रहा है।

टीम एक इकाई के रूप में प्रदर्शन नहीं कर पा रही है। बल्लेबाजी अच्छा करती है, तो गेंदबाजी निराश करती है। पिछले मैच में अपने घरेलू मैदान में मुंबई 243 रन बनाकर हार गई थी। एमआई के लिए सबसे बड़ी समस्या रोहित शर्मा का उपलब्ध न होने के साथ ही कप्तान हार्दिक पांड्या, सीनियर खिलाड़ियों सूर्यकुमार यादव और जसप्रीत बुमराह का आउट ऑफ फॉर्म होना है।

एमआई सीजन के 8 मैचों में सिर्फ 2 मैच जीत सकी है और नौवें स्थान पर है।

चेन्नई सुपर किंग्स के प्रदर्शन पर नजर डालें तो टीम 8 मैचों में 3 जीत के साथ सातवें स्थान पर है। टीम के लिए संजू सैमसन श्रेष्ठ स्कोरर रहे हैं। वह सीजन में 2 शतक लगा चुके हैं और दोनों ही मैचों में सीएसके जीती है। एमआई के खिलाफ जीत के लिए संजू को एक बार फिर अच्छी पारी खेलनी होगी। इसके अलावा कप्तान गायकवाड़, शिवम दुबे, डेवाल्ड ब्रेविस और सरफराज खान को अच्छी बल्लेबाजी करनी होगी।

यह मैच दोनों टीमों की प्लेऑफ में जाने की संभावना को जिंदा रखने के लिए बेहद अहम है।

आईपीएल 2026 के बीच लखनऊ सुपर जायंट्स से जुड़े जोश इंगलिस

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के बीच जोश इंग्लिस लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) से जुड़े हैं। यह टीम सोमवार को वानखेड़े स्टेडियम में मुंबई इंडियंस (एमआई) के खिलाफ अहम मुकाबला खेलेगी।

सोशल मीडिया पर इस खबर की पुष्टि करते हुए, एलएसजी ने एक तस्वीर शेयर की जिस पर लिखा था, 'ऑस्ट्रेलिया से आया धमाका।'

नीलामी के बाद से ही 31 वर्षीय इंग्लिस की उपलब्धता चर्चा का विषय बनी हुई थी। वह अब भारत पहुंच गए हैं और उन्होंने टीम के साथ अभ्यास शुरू कर दिया है। इंग्लिस ने पहले फ्रेंचाइजी को बताया था कि वह निजी कारणों से सीजन का कुछ हिस्सा नहीं खेल पाएंगे। इस क्रिकेटर ने 18 अप्रैल को पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया में शादी की थी।शुरुआती शंकाओं के बावजूद, एलएसजी ने पंजाब किंग्स (पीबीकेस) से रिलीज होने के बाद जोश इंग्लिस को 8.6 करोड़ रुपए में खरीदा था। पंजाब किंग्स में वह इससे काफी कम फीस पर खेले थे। उनके देर से आने पर कुछ सवाल उठे, लेकिन अब उनका टीम में शामिल होना एलएसजी के लिए बहुत अहम है, जो आठ मैचों में सिर्फ दो जीत के साथ पॉइंट्स टेबल में सबसे नीचे संघर्ष कर रही है।

उम्मीद है कि इंग्लिस के आने से टीम की बल्लेबाजी को मजबूती मिलेगी। इस सीजन में टीम की बल्लेबाजी में निरंतरता की कमी दिखी है, खासकर विदेशी खिलाड़ियों के प्रदर्शन में। टीम के मुख्य खिलाड़ियों का योगदान सीमित रहा है। ऐसे में ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी का आक्रामक खेल टीम को वो जरूरी सहारा दे सकता है, जिसकी उसे तलाश है।पिछले सीजन में इंग्लिस का प्रदर्शन शानदार रहा था, जिन्होंने 11 पारियों में 30.88 की औसत के साथ 278 रन बनाए। बेहतरीन तेज गेंदबाजों का सामना करने की उनकी काबिलियत टीम के लिए बहुत अहम साबित हो सकती है, खासकर जसप्रीत बुमराह की अगुवाई वाली मुंबई की गेंदबाजी के खिलाफ। इंग्लिस ने पहले भी इस भारतीय तेज गेंदबाज के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन किया है।

थॉमस कप: फ्रांस पहली बार सेमीफाइनल में पहुंचा, भारत से होगा मुकाबला

होर्सेन्स। डेनमार्क के फोरम होर्सेन्स में खेले जा रहे थॉमस कप में फ्रांस ने इतिहास रचा है। फ्रांस ने पहली बार सेमीफाइनल में जगह बनाई है। फ्रांस ने जापान पर 3-0 की शानदार जीत के साथ सेमीफाइनल में जगह बनाई। डेनमार्क ने भी अंतिम चार में अपनी जगह बना ली है।

फ्रांस की टीम ने टूर्नामेंट में अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा, जिसमें पूरी तरह से एकल में सफलता मिली। बीच-बीच में कड़ी टक्कर मिलने के बावजूद, क्रिस्टो पोपोव, एलेक्स लैनियर और टोमा जूनियर पोपोव, दोनों ने सीधे गेम में अच्छा प्रदर्शन किया और बिना डबल्स की जरूरत के मैच अपने नाम कर लिया।

क्रिस्टो ने कोडाई नाराओका के खिलाफ एक मुश्किल शुरुआती मुकाबले में लय बनाई और आखिरकार जीत हासिल की।

बीडब्ल्यूएफ ने क्रिस्टो के हवाले से कहा, 'जब आप कोडाई के साथ खेलते हैं, तो आपको पता होता है कि यह लंबा होने वाला है और आप जानते हैं कि वह आसान

गलतियां नहीं करेगा। वह आपको दौड़ाएगा, आपको बहुत पसीना दिलाएगा। वह इसमें बहुत अच्छा है। मैं इसके लिए तैयार था।'

इसके बाद लैनियर ने युशी तनाका पर जीत के साथ फ्रांस की बढ़त को बढ़ाया, जिससे टीम एक ऐतिहासिक नतीजे की कगार पर पहुंच गई। निर्णायक तीसरे रबर में टोमा जूनियर पोपोव ने कोकी वतनबे के खिलाफ 21-19, 23-21 से जीत हासिल की।

टोमा जूनियर ने कहा, 'मैं बहुत खुश और आनंदित हूं। मेरे शरीर में अब ऊर्जा नहीं बची है। मैंने कोर्ट पर अपना सब कुछ झोंक दिया।

यह बस अविश्वसनीय है। हमने मंगलवार को इंडोनेशिया के खिलाफ जीतकर और क्वालीफाई करके इतिहास रचा, और अब हम इसे फिर से लिख रहे हैं, टीम चैंपियनशिप में पहला मेडल। मुझे लगता है कि हमने फ्रेंच बैडमिंटन फेडरेशन और खुद फ्रांस पर बैडमिंटन के लिए एक बड़ी छाप छोड़ी है। हम आ रहे हैं। हम लड़ने के लिए तैयार हैं।'

इस जीत ने न केवल फ्रांस को प्रतियोगिता में पहला पदक दिलाया, बल्कि भारत के साथ सेमीफाइनल मुकाबला भी तय किया। भारत ने चीनी ताइपे पर 3-0 से जीत हासिल करके सेमीफाइनल में अपनी जगह बनाई है।

भारत की बढ़त लक्ष्य सेन, आयुष शेट्टी और सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की डबल्स जोड़ी के दमदार प्रदर्शन से मिली। दोनों ने क्वार्टर फाइनल में शानदार नतीजे में योगदान दिया।

डेनमार्क ने थाईलैंड पर 3-1 से जीत हासिल करके मेजबान टीम को मुकाबले में बनाए रखा।

एंडर्स एंटोनसेन ने तीन गेम के मुकाबले में कुनलावुत विटिडसार्न को हराया, जिसके बाद किम एस्ट्रुप और एंडर्स स्कारुप राममुसेन ने डबल्स में दूसरा पॉइंट जोड़ा।

आईपीएल 2026: केएल राहुल का स्पेशल 'दोहरा शतक', ऐसा करने वाले पहले भारतीय ओपनर बने

नई दिल्ली। आईपीएल 2026 में केएल राहुल का बल्ला जमकर रन उगल रहा है। राहुल सिर्फ रन ही नहीं बना रहे, बल्कि लंबे-लंबे छक्के और दर्शनीय चौके भी लगा रहे हैं। शुक्रवार को जयपुर में राहुल ने राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ 40 गेंदों पर 75 रन की पारी खेली थी। इस पारी में उन्होंने 5 छक्का लगाए। इस दौरान राहुल के नाम एक बेहद खास रिकॉर्ड दर्ज हो गया।

केएल राहुल आईपीएल में बतौर ओपनर 200 छक्के लगाने वाले पहले बल्लेबाज बन गए हैं। राहुल ने बतौर ओपनर आईपीएल में छक्के लगाने के मामले में विराट कोहली और रोहित शर्मा को पीछे छोड़ दिया है। राहुल के 201 छक्के हो गए हैं, जबकि विराट कोहली ने 192 और रोहित शर्मा ने 148 छक्के लगाए हैं। शिखर धवन 143 छक्के लगाकर भारतीय ओपनरों में चौथे स्थान पर हैं।

वहीं आईपीएल में बतौर ओपनर सर्वाधिक छक्के लगाने वाली ओवर ऑल सूची में राहुल

तीसरे नंबर पर हैं। क्रिस गेल (326 छक्के) पहले और डेविड वॉर्नर (210 छक्के) दूसरे स्थान पर हैं।

राहुल आईपीएल 2026 के 9 मैचों की 9 पारियों में 1 शतक और 3 अर्धशतक लगाते हुए 433 रन बनाए हैं। इस दौरान उनके बल्ले से 24 छक्के और 42 चौके निकले हैं।

राहुल ने इसी सीजन में पंजाब किंग्स के खिलाफ 67 गेंदों पर 9 छक्कों और 16 चौकों की मदद से नाबाद 152 रन की पारी खेली थी। यह आईपीएल में किसी भी भारतीय बल्लेबाज का सर्वाधिक स्कोर है। वहीं आईपीएल का तीसरा सबसे बड़ा व्यक्तिगत स्कोर है।

फॉर्मूला 1: मैकलारेन के लैंडो नॉरिस का शानदार प्रदर्शन, स्प्रिंट रेस के लिए पोल पोजीशन अपने नाम की

मियामी । फॉर्मूला 1 वर्ल्ड चैंपियनशिप के मियामी ग्रैंड प्रिक्स वीकेंड की शुरुआत बेहद रोमांचक रही। मैकलारेन के लैंडो नॉरिस ने शानदार प्रदर्शन करते हुए स्प्रिंट रेस के लिए पोल पोजीशन अपने नाम कर ली। नॉरिस ने एक बेहतरीन लैप लगाकर मर्सिडीज के युवा और इन-फॉर्म ड्राइवर किमी एंटोनेली को पीछे छोड़ते हुए टीम को अहम बढ़त दिलाई।

नॉरिस ने 1:27.869 का तेज लैप टाइम निकाला, जो पूरे सेशन में सबसे बेहतर साबित हुआ। हार्ड रॉक स्टेडियम सर्किट पर उनकी समझ और कार पर पकड़ साफ नजर आई। उन्होंने एंटोनेली को 0.222 सेकंड के अंतर से पछाड़कर पोल पोजीशन हासिल की। इस उपलब्धि के बाद नॉरिस काफी खुश नजर आए।

नॉरिस ने कहा कि टीम ने कार में कई नए बदलाव किए हैं, जिनका

सकारात्मक असर दिखा है। जीत टीम के इंजीनियरों और मैकेनिकों की मेहनत का इनाम है। कार में बेहतर ग्रिप मिलने से उन्हें ट्रैक पर आत्मविश्वास मिला।

क्वालिफाइंग में एंटोनेली दूसरे स्थान पर रहे, जबकि मैकलारेन के ही ऑस्कर पियास्ट्री तीसरे स्थान पर क्वालिफाई करने में सफल रहे। फेरारी के चार्ल्स लेक्लर्क चौथे स्थान पर रहे। रविवार को होने वाली मुख्य रेस से पहले शनिवार की 100 किलोमीटर की स्प्रिंट रेस बेहद अहम होगी।

पिछले साल मियामी में स्प्रिंट जीतने वाले नॉरिस ने इस ट्रैक के प्रति अपना लगाव जताते हुए कहा कि उन्हें मियामी ट्रैक के साथ-साथ यहां का माहौल भी बेहद पसंद है। वीकेंड अभी लंबा है और असली चुनौती अभी बाकी है।

रेड बुल के चार बार के वर्ल्ड चैंपियन मैक्स वर्स्टापेन इस बार पांचवें स्थान पर रहे। यह उनके लिए निराशाजनक रहा। मर्सिडीज के जॉर्ज रसेल छठे स्थान पर रहे। रसेल ने मैकलारेन और फेरारी की तेजी पर हैरानी जताई और माना कि दोनों टीमों ने जबरदस्त सुधार किया है। रसेल ने अपनी परेशानियों का जिक्र करते हुए कहा कि मियामी ट्रैक उनके लिए हमेशा चुनौतीपूर्ण रहा है, खासकर गर्म मौसम में। उन्होंने उम्मीद जताई कि स्प्रिंट रेस में वे बेहतर प्रदर्शन कर पाएंगे।

टॉप 10 में आइजैक हैडजर और पियरे गैस्ली भी शामिल रहे। वहीं, एस्टन मार्टिन के लिए यह सेशन निराशाजनक रहा।

'जीत उन दो लड़कों को समर्पित जो अब इस दुनिया में नहीं हैं': डीसी कोच हेमांग बदानी

नई दिल्ली। दिल्ली कैपिटल्स ने शुक्रवार को जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में राजस्थान रॉयल्स को 7 विकेट से हरा दिया। लक्ष्य का पीछा करते हुए (226 रन), डीसी की आईपीएल इतिहास की ये सबसे बड़ी जीत थी। डीसी के मुख्य कोच हेमांग बदानी ने इस जीत को टीम के उन दो प्रशंसकों को समर्पित किया है जो अब इस दुनिया में नहीं हैं।

दिल्ली कैपिटल्स के दो युवा प्रशंसकों, यज्ञ भाटिया और अभव भाटिया, की हाल ही में एक दुखद दुर्घटना में मौत हो गई थी। दोनों चचेरे भाई थे। दोनों भाइयों का निधन 27 अप्रैल को अरुण जेटली स्टेडियम में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ दिल्ली का मैच देखने के बाद घर जाते समय एक हिट-

एंड-रन की घटना में हो गया था।

आरआर के खिलाफ जीत के बाद सोशल मीडिया पर फ्रेंचाइजी द्वारा साझा एक वीडियो में बदानी ने कहा, 'यह जीत उन दो लड़कों (यज्ञ और अभव) को समर्पित है जो बदकिस्मती से अब हमारे साथ नहीं हैं। यह जीत उनके लिए है। मुझे लगता है कि आप लोगों ने उन्हें गर्व महसूस कराया है। वे डीसी के बहुत बड़े फैन रहे, कुछ समय से हमारे साथ थे। आपने शायद इंस्टाग्राम पर उनकी तस्वीरें भी देखी होंगी। यह जीत उनके लिए है।

हेमांग बदानी ने ड्रेसिंग रूम में खिलाड़ियों से बात की, और खिलाड़ियों से उन दो फैंस को याद रखने की अपील की जिनके समर्थन ने उन्हें डीसी फैंस के बीच एक जाना-पहचाना चेहरा बना दिया था।

डीसी के कप्तान अक्षर पटेल ने भी मैच के बाद इस घटना का जिक्र किया। पटेल ने कहा, 'पिछले मैच के बाद हमारे फैंस के साथ हुई दुखद घटना के लिए मैं उनके प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करना चाहता हूं। मैं यह जीत उन्हें समर्पित करना चाहता हूं। वे हमारे डीसी परिवार के दो सदस्य थे।

पुलिस रिपोर्ट के मुताबिक, एक्सीडेंट अशोका रोड पर हुआ, जब महादेव रोड टी-पॉइंट के पास एक ट्रक ने कथित तौर पर चचेरे भाइयों की मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी और मौके से भाग गया। दोनों पीड़ितों को राम मनोहर लोहिया हॉस्पिटल ले जाया गया, जहां पहुंचने पर उन्हें मृत घोषित कर दिया गया।

स्वात्वधिकारी राइवल्स मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक सुजीत कुमार द्वारा साई प्रीटिंग प्रेस, डी-85, सेक्टर 6 नोएडा,गौतम बुध्द नगर पिन कोड -201301 उ.प्र. से मुद्रित और मकान संख्या एन-58 जगतराम पार्क के सामने, लक्ष्मी नगर पूर्व दिल्ली-110053 से प्रकाशित
समाचार संपादक : चन्द्रमणी साव (पीआरबी एक्ट के अनुसार समाचार पत्र चयन एवं संपादन के लिए उत्तरदायी। नोट किसी भी विवाद के निपटारे के लिए न्यायक्षेत्र दिल्ली होगा) मोबाइल 9340573892 ई-मेल: vishwakesari2026@gmail.com,आर.एन.आई.नं. DLHIN/2015/61415